शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

किसानों को भूमि विवादों पर चर्चा करने के लिए गवाह के रूप में आमंत्रित करने. @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-301

हर महीने 3000 हिंदुओं को ईसाई बना रहा है कैलवरी चर्च

आंध्र में प्रसादम षडयंत्र के बाद धर्मांतरण षडयंत्र

अमरावती, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

साढ़े तीन लाख हिंदुओं को ईसाई बनाया जा चुका

आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम में घी के बजाय जानवरों की चर्बी मिलाने की घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। तत्कालीन जगन रेड्डी सरकार द्वारा मंदिर प्रबंधन में गैर हिंदुओं को रखे जाने के कारण प्रसादम षडयंत्र परवान चढ़ा और हिंदू आस्था को हिला कर रख दिया। आंध्र प्रदेश में अब सत्ता बदल चुकी है। चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री हैं और सनातन धर्म के प्रति गहरी आस्था रखने वाले प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पवन कल्याण प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं। उनके प्रदेश में हिंदुओं का ईसाई धर्म में धर्मांतरण तीव्र गति से हो रहा है, लेकिन प्रशासन कोई सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहा और सरकार को अंधेरे में रख रहा है।

सोशल मीडिया पर पिछले दिनों दि क्रिश्चियन ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क के एक वीडियो से आंध्र प्रदेश के काकीनाडा स्थित कैलवरी चर्च की करतूतें सार्वजनिक हुईं। लेकिन राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। काकीनाडा जिला प्रशासन ने चर्च परिसर को सील करने का दावा किया है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि धर्मांतरण का धंधा जारी है। धर्मांतरण कराने वाले लोगों और पादरी के खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। कैलवरी चर्च व्यापक पैमाने पर और बहुत तेज गति से हिंदुओं को ईसाई बना रहा है। यह चर्च हर महीने तीन हजार से अधिक हिंदुओं को ईसाई धर्म में धर्मांतरित करा रहा है। कैलवरी चर्च के पादरी सतीश कुमार ने खुद ही कहा है कि उसने अभी तक 3.5 लाख हिंदुओं को धर्मांतरित किया है। कैलवरी चर्च अब देशभर में 40 शाखाएं खोल कर पूरे देश में हिंदुओं का धर्मांतरण कराने की योजना पर काम कर रहा है।

शुभ-लाभ चिंता

काकीनाडा जिला प्रशासन द्वारा कैलवरी चर्च परिसर को सील किए जाने के दावे के बरक्स सच्चाई यह है कि मुख्य चर्च के अलावा इस चर्च की 10 ब्रांच और चल रही हैं, जहां धर्मांतरण का धंधा निर्बाध गति से जारी है। ▶10पर

साइबर अपराध पर पीएम की चिंता के बाद गृह मंत्रालय सक्रिय

लोगों के बैंक खातों को जरिया बना रहे अपराधी

आंतरिक सुरक्षा सचिव की निगरानी में गठित हुई समिति

गृह मंत्रालय ने राज्यों से मांगी रिपोर्ट, सख्त कार्रवाई होगी

साइबर अपराध को बढ़ाने में मदद दे रहा है सोशल मीडिया

गृह मंत्रालय के साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने किया अलर्ट

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश में तेज गति से बढ़ रहे साइबर अपराध पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चिंता व्यक्त किए जाने के फौरन बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले और साइबर धोखाधड़ी के मामलों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति को अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। समिति की निगरानी गृह मंत्रालय के आंतरिक सुरक्षा सचिव करेंगे। गृह मंत्रालय ने इस मामले पर देशभर के राज्यों से रिपोर्ट मांगी है।

गृह मंत्रालय ने साइबर धोखाधड़ी से संबंधित 3.25 लाख फर्जी बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है। देश भर में डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में अचानक

वृद्धि को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में लोगों को इस तरह के घोटालों के खिलाफ चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे को उठाया और इस तरह के साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून में डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कोई चीज नहीं है। ये सब ठगी करने का तरीका है। लोगों को डरा-धमका कर उनसे पैसे एंठते हैं।

गृह मंत्रालय के साइबर अपराध समन्वय केंद्र (14-सी) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस से संपर्क कर उन्हें केंद्र के आदेश और समिति के गठन के बारे में जानकारी दी है। इस साल अब तक 6,000 से अधिक डिजिटल गिरफ्तारी की शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिसमें साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने घोटाले के संबंध में 6 लाख मोबाइल नंबर ब्लॉक किए हैं, जो ड्रग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में झूठे तरीके से फंसाकर अनजान व्यक्तियों को निशाना बनाते हैं। इसके अलावा साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने कम से कम 709 मोबाइल एप्लिकेशन को भी ब्लॉक किया है।

डिजिटल गिरफ्तारी साइबर धोखाधड़ी का एक नया तरीका है जिसमें धोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर लोगों को ऑडियो या वीडियो कॉल पर धमकाते हैं और गिरफ्तारी के झूठे बहाने से उन्हें डिजिटल रूप से बंधक बनाते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ऑफ इंडिया ने एक सूची साझा की, जिसमें देश में धोखेबाजों द्वारा ऑनलाइन घोटाले करने के एक दर्जन से अधिक तरीकों के बारे में बताया गया है, जिसमें लोगों के पैसे और निजी डेटा चुराकर उन्हें ठगने के लिए डिजिटल गिरफ्तारी भी शामिल है।

गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ख4-सी) ने अंतरराष्ट्रीय संगठित साइबर अपराधियों द्वारा अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फर्जी बैंक खातों का उपयोग कर बनाए गए उन गैर-कानूनी पेमेंट गेट-वे के खिलाफ़ अलर्ट जारी किया है, जो मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय, साइबर सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

गुजरात पुलिस और आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा हाल ही में की गई राष्ट्रव्यापी छापेमारी में पता चला कि अंतरराष्ट्रीय अपराधियों ने फर्जी या ▶10पर

रूस ने अपने मित्र देश भारत को दिया अहम प्रस्ताव

रूस में भी घरेलू उड़ानें भरें भारत के विमान

स्थानीय मांगें पूरी करने में असमर्थता के कारण लिया फैसला

मित्र देशों की एयरलाइंस को अंदरूनी उड़ान की अनुमति देगा

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पिछले दो वर्षों से पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहे रूस ने भारतीय एयरलाइनों को अपने क्षेत्र में घरेलू मार्गों पर उड़ान संचालित के लिए आमंत्रित किया है। रूस ने यह कदम स्थानीय मांग को पूरा करने में अपनी रूस की देसी एयरलाइनों की असमर्थता के कारण उठाया है।

अपनी विमानन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, रूस ने एक कैबोटेज समझौते का प्रस्ताव रखा है, जो विदेशी एयरलाइनों को अपनी सीमाओं के भीतर यात्रियों को ले जाने की अनुमति देगा। यह प्रस्ताव भारत, चीन और कई मध्य एशियाई देशों के समक्ष लगभग एक महीने पहले प्रस्तुत किया गया था और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की रूस यात्रा के दौरान इस पर आगे चर्चा की गई थी। पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूसी एयरलाइनों की अमेरिकी और यूरोपीय विमान निर्माताओं और आवश्यक भागों तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया है।

हालांकि, भारतीय एयरलाइनों ने रूस में ऐसे परिचालन की व्यवहार्यता पर चिंता व्यक्त की है। एयरलाइन कंपनियों ने विमान पट्टेदारों और बीमा कंपनियों से संभावित विरोध सहित कठिनाइयों का हवाला दिया है, दोनों ही यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों से प्रतिबंधित हैं। इसके

अतिरिक्त, भारतीय वाहक पहले से ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए विमानों की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे रूस में किसी भी संभावित परिचालन को और जटिल बना दिया है।

अधिकांश भारतीय एयरलाइनें पट्टे पर विमान चलाती हैं और इनमें से कई पट्टेदार रूस में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण विमान को उड़ान भरने की अनुमति देने के लिए तैयार नहीं हैं। एक भारतीय एयरलाइंस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रतिबंध, बीमा कवरेज खोने के जोखिम के साथ मिलकर, प्रस्ताव को अत्यधिक अव्यवहारिक बनाता है। एयरलाइन उद्योग विमानों की सीमित आपूर्ति से जूझ रहा है, जिससे भारत के भीतर उनके नियोजित विस्तार पर असर पड़ रहा है।

यूक्रेन संघर्ष से पहले, बोइंग और एयरबस विमान रूस के बेड़े का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रूसी एयरलाइनों को नियोजित डिलीवरी में रुकावट आई है ▶10पर

राजनाथ और रिजिजू सेना के साथ मनाएंगे दिवाली

दिवाली मनाने के लिए चुना गया अरुणाचल प्रदेश का तवांग

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश चीन के साथ पिछले दिनों पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सालों से चला आ रहा विवाद सुलझ गया है। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के सीमाई इलाके तवांग में दिवाली मनाने का फैसला किया है। इसके लिए वे अरुणाचल प्रदेश के तवांग के लिए रवाना हो गए हैं।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अरुणाचल प्रदेश की दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली से तवांग के लिए रवाना हो रहा हूं। सशस्त्र बलों के कर्मियों के साथ बातचीत करने और बहादुर भारतीय सेना अधिकारी मेजर रालेंगनाओ बॉब खातिंग को समर्पित एक संग्रहालय के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इससे पहले अक्टूबर 2023 में भी तवांग गए थे। उस दौरान उन्होंने सैनिकों के साथ शस्त्र पूजा की थी। ▶10पर

सुलझते दिख रहे भारत-चीन के रिश्ते

विवादित जगह से दोनों देशों की सेनाएं हटीं

नई दिल्ली/बीजिंग, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन के बीच 2020 से शुरू हुआ विवाद आखिरकार सुलझता दिख रहा है। सेना के अनुसार तय समय-सीमा के अनुसार, भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में तनाव कम करने का काम पूरा कर लिया गया है। इस क्षेत्र में जल्द ही गश्त शुरू हो जाएगी। इस रिश्ते की बेहतर शुरुआत को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को दिवाली के अवसर पर चीनी पक्ष के सैनिकों के साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा।

भारत में चीन के राजदूत जू फेहोंग ने भी कहा कि दोनों देशों ने आपसी सहमति से मुद्दे को सुलझाया है। उन्होंने कहा, हम आपसी सहमति के बिंदु पर पहुंच गए हैं। पड़ोसी होने के नाते,

दिवाली पर एक-दूसरे को भेंट करेंगी मिठाइयां

हमारे बीच कुछ मुद्दे होंगे, लेकिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पिछले सप्ताह रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई बैठक के बाद दोनों देश संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हम जल्द ही भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे। भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पर कहा कि स्थानीय कमांडर स्तर पर वार्ता जारी रहेगी। फिलहाल पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पूरी हो गई है। इसके बाद पूर्वी लद्दाख के डेमचोक, देपसांग में जल्द ही गश्त शुरू होगी। भारत और चीन के बीच हुए महत्वपूर्ण समझौते के बाद, दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख के देमचोक और देपसांग में टकराव वाले स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाना शुरू किया था।भारत और चीन के बीच हुए इस अहम समझौते के बाद दोनों देशों ने दो अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचौक में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू की थी।

▶10पर

अमेरिका ने एलएसी से सैन्य वापसी का स्वागत किया

वाशिंगटन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से भारत और चीन सैनिकों की वापसी का स्वागत किया है। सैनिकों के पीछे हटने से दोनों देशों के बीच तनाव में कमी आई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि वाशिंगटन स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने इस मामले में भारतीय पक्ष के साथ चर्चा की है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने इस समाधान में कोई भूमिका नहीं निभाई है। ▶10पर

दीपावली की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से **दीपावली** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

-गोपाल अग्रवाल
प्रधान संपादक

अवकाश-सूचना

दीपावली के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय में गुरुवार दिनांक 31 अक्टूबर, 2024 को अवकाश रहेगा। शुभ-लाभ का अगला अंक शनिवार दि. 02 नवंबर 2024 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

-प्रबंधक

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 81,160/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,00,670/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 22^0

मोबाइल फोन के निर्यात में भारत हासिल कर रहा बढ़त

छह महीने में 50448 करोड़ का आईफोन भेजा गया

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिग्गज अमेरिकी कंपनी एपल के भारत से आईफोन निर्यात में इस साल सितंबर तक छह महीने में एक तिहाई की वृद्धि दर्ज की गईहै। यह एपल की ओर से भारत में आईफोन मैनुफैक्चरिंग बढ़ाने और चीन पर से निर्भरता घटाने का स्पष्ट संकेत है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस छह महीने में एपल ने भारत से करीब 6 अरब डॉलर (करीब 50,448 करोड़ रुपए) के आईफोन का निर्यात किया है।मूल्य के लिहाज से यह आंकड़ा एक साल पहले की तुलना में एक तिहाईअधिक है।सूत्रों के मुताबिक, आंकड़ों को देखकर लगता है कि कंपनी का भारत से सालाना निर्यात 2023-24 के 10 अरब डॉलर को पार कर जाएगा।

चीन को लेकर अमेरिका के साथ बीजिंग के तनाव ने एपल की चिंताएं बढ़ा दी हैं।ऐसे में चीन पर निर्भरता घटाने को लेकर भारत एपल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कंपनी भारत में अपने विनिर्माण नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है। ▶10पर

मद्रास हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

शरिया काउंसिल नहीं जारी कर सकती तलाक सर्टिफिकेट

शरिया काउंसिल महज एक निजी संस्था है

मदुरै, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने हाल ही में यह निर्णय दिया कि शरिया काउंसिल एक निजी संगठन है और कानूनी अदालत नहीं है। यह निर्णय एक मुस्लिम दंपति के तलाक से जुड़े मामले में दिया गया। मामला तमिलनाडु शरिया काउंसिल के 2017 में एक शौहर को तलाक प्रमाणपत्र जारी करने से जुड़ा था, जिसने अपनी बीवी से 2010 में निकाह किया था। कोर्ट ने कहा कि शरिया काउंसिल परिवार और वित्तीय मुद्दों में मदद कर सकती है, लेकिन तलाक सर्टिफिकेट जारी नहीं कर सकती और न ही किसी पर जुर्माना लगा सकती है। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने इस तलाक सर्टिफिकेट को चौंकाने वाला बताया और कहा, केवल राज्य द्वारा स्थापित अदालतें ही फैसले दे सकती हैं। जस्टिस स्वामीनाथन ने शौहर की याचिका को खारिज करते हुए यह पुष्टि की कि निकाह तब तक मान्य रहेगा जब तक कि कोई अधिकार प्राप्त अदालत इसे भंग नहीं करती। ▶10पर

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों को कानूनी कवच

हिंदुओं पर अत्याचार करने वालों को सरकार ने माफ किया

ढाका, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के बाद की स्थिति अब और भी खतरनाक होती जा रही है। शेख हसीना के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शनों के बाद हिंदुओं, बौद्धों, अहमदियों को बांग्लादेश में धार्मिक और मजहबी पहचान के लिए इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा निशाना बनाया गया, लेकिन अब मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने उन कथित छात्रों (इस्लामिक कट्टरपंथियों) को कानूनी संरक्षण देने का फैसला किया है, जिन्होंने पूरे बांग्लादेश में उथल-पुथल मचाई थी। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली नई सरकार ने 15 जुलाई से 8 अगस्त के बीच हुए प्रदर्शनों में शामिल प्रदर्शनकारियों को किसी भी सजा से मुक्त रखने का आदेश जारी किया है। यूनुस सरकार के इस कदम से विवाद भी पैदा हो रहा है, क्योंकि कई लोग इसे उस समय की हिंसा के लिए जिम्मेदारी से बचने का तरीका मानते हैं। इस नियम की व्याख्या को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि इससे यह आशंका है कि यह गंभीर अपराधों में शामिल लोगों को ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

समाचार इस ई-मेल पर भेजें
sl.newsblr1@gmail.com
विज्ञप्ति के साथ सम्पर्क सूत्र का उल्लेख भी करें...

मायुम बेंगलूरु स्टार्स का आनंद सबके लिए के तहत दिवाली सप्ताह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के आनंद सबके लिए प्रकल्प के अंतर्गत दिवाली कार्यक्रम को बड़ी धूम धाम से मनाया। यह कार्यक्रम मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने चार चरणों में आयोजित किया, जिसके अंतर्गत मंच ने नारायण हृदयालय अस्पताल की 2 शाखाओं के कर्मचारियों, 18 अपार्टमेंट्स के सफाई कर्मचारियों एवं सुरक्षा प्रहरियों को मिठाई के डिब्बे वितरित किये। प्रगति चैरिटेबल ट्रस्ट के नन्हे बच्चों को जरूरी की सामग्री दी तथा विशेष तौर पर तारा वृद्धाश्रम के निवासियों के साथ दीपावली के त्यौहार का भव्य आयोजन किया। मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने दिवाली से पहले दिवाली कार्यक्रम की शुरुआत नारायण हृदयालय की बोमसंद्रा और एचएसआर लेआउट शाखाओं के 500 कर्मचारियों को मिठाई के डिब्बों के वितरण के साथ की। जिसमें मायुम स्टार्स के पदाधिकारियों के साथ साथ सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। वहाँ उपस्थित सभी सदस्यों ने वर्ष भर मायुम बेंगलूरु स्टार्स द्वारा आयोजित किये गए रक्तदान शिविरों में नारायण हृदयालय के कर्मचारियों से मिले सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया। दूसरे चारण में मंच ने प्रगति चैरिटेबल ट्रस्ट के नन्हे बच्चों को उनके जरुरत की सामग्री वितरित की जिससे सभी बच्चों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। तीसरे चरण में मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने तारा वृद्धाश्रम के लगभग 30 निवासियों के लिए खास दिवाली का उत्सव बड़े जोर शोर से उनके निवास स्थान में आयोजित किया। जिसमें बड़ी संख्या में मंच के सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे

तदपश्चात मंच परिवार के सदस्यों ने अपने परिवारजनों के साथ आश्रम के निवासियों के साथ नृत्य एवं भजन से सांस्कृतिक कार्यक्रम का समां बाँधा। मंच परिवार के बच्चों ने खासतौर पर लोकनृत्य प्रस्तुतियाँ दी। मंच परिवार सदस्यों ने मनमोहक भजन गाये। आश्रम की बुजुर्ग महिलाओं ने भी हनुमान और देवी के भजन से सभी का मन मोह लिया। सभी उपस्थित मंच परिवार एवं आश्रम निवासी मिलकर गीतों पर खूब मस्ती में एकसाथ झूमे। मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं दिवाली धूम धड़ाके के बाद सभी ने मिलकर भक्ति पूर्वक लक्ष्मी पूजन किया। इसके बाद बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने मिलकर दीप प्रज्वलित किये और पटाखे फोड़े। तदपश्चात मंच परिवार के सदस्यों ने आश्रम के प्रत्येक निवासी और कर्मचारी को वस्त्र भेंट स्वरुप दिए। चौथे चरण में आनंद सबके लिए टीम ने इस वर्ष जिन 18 अपार्टमेंट्स में रक्तदान शिविर आयोजित किये गए, वहां पहुंचकर उनके सफाई कर्मचारियों, सहयोगी कर्मचारियों एवं सुरक्षा प्रहरियों को मिठाई के डिब्बे देकर दीपावली की शुभकामनायें दी।

आत्मा का परम लक्ष्य केवल मोक्ष है: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र के 28वें अध्ययन मोक्ष मार्ग प्राप्ति का विवेचन करते हुए कहा कि छत्तीस गाथाओं से यह अध्ययन निर्मित हुआ है। इस का केन्द्रीय विषय मोक्ष तक पहुँचाने वाले साधनों को जीवन में साधना है। मोक्ष की राह पर साधक की गति जिस प्रक्रिया से संभव एवं तीव्र होती है, उस का परिचय इसमें दिया गया है। इस लिए इसका नाम मोक्ष-मार्ग-गति रखा गया। जैन दर्शन के अनुसार प्रत्येक आत्मा का परम लक्ष्य केवल मोक्ष है। भले ही वह उसे पहचाने या न पहचाने। अपना परम लक्ष्य पहचान लेने वाली भव्य आत्माएं उसे प्राप्त करती हैं- सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् चारित्र और सम्यक् तप के माध्यम से। श्रद्धा से ज्ञान, ज्ञान से चारित्र, चारित्र से तप, तप से निर्जरा और निर्जरा से मोक्ष-प्राप्ति के साधन प्राप्त होने के साथ-साथ मोक्ष-प्राप्ति भी होती है। सम्यक ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप ही मोक्ष के मार्ग है। सम्यक दर्शन अर्थात धर्म को जानना, सम्यक ज्ञान अर्थात धर्म को मानना और सम्यक चरित्र अर्थात जाने माने हुए धर्म मार्ग की ओर बढ़ना। इस तीनों के समावेश के बाद व्यक्ति को निश्चित ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। रूप चौदस के अवसर पर गुरुदेव ने कहा कि रूप चौदस का यह दिन स्वास्थ्य के साथ आत्मा के सच्चे स्वरूप को जानने का संदेश देता है। सनातन परंपरा में इसे काली चौदस भी कहते है। इसके पूर्व डॉ. वरुणमुनि ने महावीर गाथा के माध्यम से प्रभु महावीर के जीवन चारित्र का विस्तारपूर्वक उद्बोधन दिया। पूर्व में रूपेशमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन एवं गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने व्यक्त किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जैन संस्कार विधि से दीपावली पूजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर डेंटल एवं ई. केयर में जैन संस्कार विधि से दिवाली पूजा करवाई गई। सर्वप्रथम सामूहिक नवकार मंत्र का उच्चारण किया गया। संस्कारक दिनेश मरोठी एवं डॉ. आलोक छाजेड़ ने दीपावली पूजन को विधि विधान से मंत्रोचारण कर जैन संस्कार विधि से सम्पन्न करवाई। तेयुप अध्यक्ष बिकास छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाए दी। एटीडीसी राष्ट्रीय सह प्रभारी डॉ. आलोक छाजेड़ ने भी सभी को दीपावली की शुभकामाएं दी। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के नरेश बांठिया, धर्मेश नाहर, सुपार्श पटावरी, सरल पटावरी, गौतम नाहटा और संदीप बैद आदि लोग मौजूद रहे।

भगवान महावीर की आराधना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में दीपावली पर्व के पुनीत अवसर पर भगवान महावीर की आराधना करने हेतु तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा बुधवार को आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभा जी के पावन सानिध्य में जप एवं माला अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल की बहनों द्वारा महावीर अष्टम् के मंगल संगान के साथ हुआ। साध्वी ने चारों दिशाओं में लोगस्स का ध्यान करवाया। भगवान महावीर से संबंधित जप के साथ मंगल भावना का भी जप करवाया गया। जय महावीर भगवान गीतिका का सामूहिक संगान किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने अनुष्ठान में समागत सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में लगभग 70 लोगों की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में अमावस्या के अवसर पर गुप्त लाभार्थी की ओर से सिटी मार्केट के निकट 22वां महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 350 लोगों ने लाभ उठाया। लाभार्थी के साथ महावीर इंटरनेशनल के वरिष्ठ सदस्य वीर पदम, वीर आशीक पिरगल एवं वीर आशीष बाफना आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया। संस्था अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने सभी लाभार्थियों एवं सेवाभावी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।*

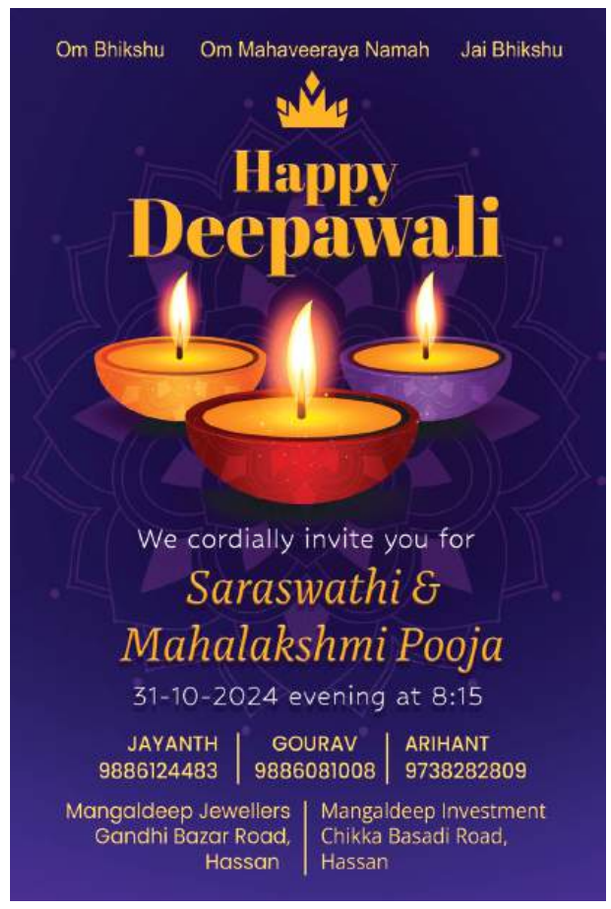

तेजस्वी सूर्या ने वक्फ बिल जेपीसी प्रमुख को लिखा पत्र

किसानों को भूमि विवादों पर चर्चा करने के लिए गवाह के रूप में आमंत्रित करने का आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण बेंगलूरु से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को एक पत्र लिखा, जिसमें उनसे अनुरोध किया गया कि वे कर्नाटक के विजयपुरा जिले के किसानों को वक्फ बोर्ड के साथ उनके भूमि विवादों पर चर्चा करने के लिए गवाह के रूप में आमंत्रित करें। सूर्या ने अपने पत्र में कहा ये किसान, जो लगभग एक सदी से अपनी जमीनों पर खेती कर रहे हैं, 1920 और 1930 के दशक के रिकॉर्ड रखते हैं। हालांकि, हाल के महीनों में, उनमें से कई को बिना किसी सबूत या स्पष्टीकरण के, उनकी जमीनों को वक्फ संपत्ति घोषित करने वाले नोटिस भेजे गए हैं। सूर्या ने कहा इन दावों का दायरा काफी बड़ा है। अकेले उनके गांव में ही करीब 1,500 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिन्हित किया गया है।

किसानों का दावा है कि नोटिस भेजे जाने के अलावा, कानून का पालन किए बिना कुछ भूमि खंडों के लिए आरटीसी, पैहानी और म्यूटेशन रजिस्टर में बदलाव किए गए हैं। नोटिसों को लेकर विवाद बढ़ने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा कि किसी भी किसान को बेदखल नहीं किया जाएगा और उन्हें जारी किए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे। यादगीर और धारवाड़ जिलों में भी किसानों को इसी तरह के नोटिस जारी किए जाने के सवाल पर जवाब देते हुए सीएम ने कहा मैं राजस्व मंत्री से इस पर गौर करने को कहूंगा, कहीं भी किसानों को बेदखल नहीं किया जाएगा। टिकोटा तालुक के होनवाड़ा में 1,200 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने पर भ्रम को स्पष्ट करने की मांग करते हुए, एमबी पाटिल (उद्योग और विजयपुरा जिले के प्रभारी मंत्री) ने हाल ही में कहा था कि यह राजपत्र अधिसूचना में एक त्रुटि के कारण था। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या ने गत शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से पूछा कि क्या वह कर्नाटक को पाकिस्तान बना रहे हैं, क्योंकि विजयपुरा जिले के अधिकारी हजारों एकड़ जमीन को वक्फ बोर्ड में शामिल करने पर विचार कर रहे हैं। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सूर्या ने कहा कि वक्फ, अल्पसंख्यक मामलों और आवास मंत्री बी.जेड.जमीर अहमद खान के निर्देशानुसार विजयपुरा जिले के अधिकारी किसानों की जमीन को वक्फ बोर्ड में शामिल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि, इस बात का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है कि जमीन वक्फ बोर्ड की है। सिद्धरामैया और मंत्री जमीर, क्या आप कर्नाटक को पाकिस्तान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग नहीं जानते कि केंद्र सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन क्यों ला रही है। उन्होंने कहा मंत्री जमीर ने कुछ जिलों का दौरा किया और उपायुक्तों को वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों को 15 दिनों में पंजीकृत करने का निर्देश दिया।

भूमि विवाद को लेकर वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को हटाया जाए: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने कर्नाटक सरकार से वक्फ भूमि विवाद के मद्देनजर वक्फ और आवास मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान को सरकार और कांग्रेस से हटाने का आग्रह किया है।

यहां बुधवार को मीडिया से बात करते हुए जोशी ने जमीर पर भूमि अतिक्रमण में शामिल होने का आरोप लगाया। मंत्री ने जमीर पर राज्य और देश का इस्लामीकरण करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया और कहा कि वह सांप्रदायिक नफरत फैला रहे हैं। जोशी ने दावा किया कि कांग्रेस को जमीर के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए, जो कट्टरता में लिप्त हैं। जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की छद्म धर्मनिरपेक्षता के कारण मंदिरों के लिए कोई अतिरिक्त भूमि आवंटित नहीं की गई है। यह कांग्रेस पार्टी की नीति बन गई है जिसका उद्देश्य मुसलमानों को खुश करना है और इससे मुजराई विभाग के तहत मंदिरों के लिए एक इंच भी भूमि के विस्तार में बाधा उत्पन्न हुई है, जबकि वक्फ की भूमि में वृद्धि जारी है। जोशी ने आगे कहा कि पर्याप्त आय वाले मंदिरों पर मुजराई विभाग के माध्यम से राज्य सरकार का नियंत्रण है, और इसके बावजूद, मंदिर की संपत्तियों का विस्तार नहीं हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि वक्फ संपत्तियों को कैसे बढ़ने दिया गया जबकि मंदिर की संपत्ति स्थिर बनी हुई है। जोशी ने टिप्पणी की कि देश के मंदिर हजारों सालों से मौजूद हैं और जब हिंदू धर्म और अन्य भारतीय धर्म उभरे, तब देश में इस्लाम भी मौजूद नहीं था। जोशी ने वक्फ बोर्ड के इस दावे पर भी गहरी चिंता व्यक्त की कि वे सरकार या यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के नियंत्रण में नहीं हैं। वक्फ बोर्ड द्वारा भूमि के कथित अतिक्रमण के खिलाफ किसानों के विरोध का समर्थन करते हुए, जोशी ने घोषणा की थी कि वह बुधवार को कर्नाटक के विजयपुरा शहर में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे।

किसान विजयपुरा में डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय के सामने धरने पर बैठे हैं, वे वक्फ बोर्ड के नाम पर अपनी हजारों एकड़ कृषि भूमि के कथित पंजीकरण की निंदा करते हैं। जोशी ने खान पर आरोप लगाया है कि वे वक्फ संपत्ति की आड़ में किसानों को डराने और उनकी जमीन हड़पने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये नेता मिलकर किसानों को उनकी जायज जमीन से वंचित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मुस्लिम तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए इस स्तर तक गिर गए हैं।

सरकारी स्कूल परिसर में आरएसएस के कार्यक्रम को लेकर विवाद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सूरथकल के पास एक सरकारी स्कूल के परिसर में आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के कार्यक्रम के आयोजन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यह राज्य सरकार के नियमों का उल्लंघन है, जिसके अनुसार स्कूल के परिसर का उपयोग केवल सरकारी गतिविधियों के लिए ही किया जा सकता है। मंगलपेटे में दक्षिण कन्नड़ जिला पंचायत उच्च प्राथमिक विद्यालय में आरएसएस की गतिविधि को कैप्चर करने वाला एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसके कारण लोगों में आक्रोश है। कर्नाटक राज्य सरकार ने सरकारी स्कूल परिसर को केवल सरकारी स्वीकृत कार्यक्रमों के लिए अनिवार्य कर रखा है, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों से असंबंधित सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक है। हालांकि, इस नियम के बावजूद, यह आरोप लगाया गया है कि आरएसएस हर रविवार को स्कूल में सत्र आयोजित कर रहा है, जिसने अब स्थानीय ग्राम पंचायत और शिक्षा विभाग दोनों का ध्यान आकर्षित किया है। स्थानीय अधिकारियों को स्कूल प्रशासन द्वारा गतिविधियों के बारे में सतर्क किया गया, जिन्होंने कथित तौर पर परिसर में आरएसएस की नियमित उपस्थिति के बारे में संबंधित विभागों को सूचित किया।

ब्लैकमेलर कहने का मामला

कार्यकर्ता ने सीएम के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अधिवक्ता-कार्यकर्ता टी जे अब्राहम ने बुधवार को कहा कि उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ यहां एक विशेष अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर किया है, क्योंकि उन्होंने उन्हें कथित तौर पर ब्लैकमेलर कहा है। वह उन याचिकाकर्ताओं में से हैं, जिन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच की अनुमति देने का आग्रह किया था। अब्राहम ने कहा सिद्धरामैया ने मुझसे बदला लेने के लिए कुछ सार्वजनिक बयान दिए। उन्होंने मुझे ब्लैकमेलर और बुरे अतीत वाला व्यक्ति कहा। उन्होंने कहा आपने (सिद्धरामैया) एक फर्जी और अवैध दावा करके 14 साइटें ली हैं और आप मुझे ब्लैकमेलर कहते हैं। मैंने आपके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। हम देखेंगे कि आप कैसे बचेंगे। मुडा मामले में, यह आर-ोप लगाया गया है कि सिद्धरामैया की पत्नी को मैसूरु के एक उच्चस्तरीय क्षेत्र में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी भूमि के स्थान की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा द्वारा अधिग्रहित किया गया था। मुडा ने पार्वती को 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां उसने आवासीय लेआउट विकसित किया था। विवादास्पद योजना के तहत, मुडा ने आवासीय लेआउट बनाने के लिए उनसे अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले भूमि खोने वालों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की। आरोप है कि मैसूरु तालुका के कसाबा होबली के कसारे गांव के सर्वेक्षण संख्या 464 में इस 3.16 एकड़ भूमि पर पार्वती का कोई कानूनी अधिकार नहीं था। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय ने घोटाले की जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कथित घोटाले में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है। अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर, राज्यपाल ने 26 जुलाई को मुख्यमंत्री को एक नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सात दिनों के भीतर उनके खिलाफ आरोपों पर अपना जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए। 2 अगस्त को सिद्धरामैया ने पत्रकारों से कहा इसके अलावा, अगर आप टी जे अब्राहम के पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो वह एक ब्लैकमेलर है। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करना गैरकानूनी है। वह इस तरह के कई लोगों के खिलाफ शिकायत करता रहा है। मैंने ऐसा कोई अपराध नहीं किया है।

कोर्ट ने सर्जरी के लिए अभिनेता दर्शन को छह सप्ताह की दी अंतरिम जमानत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाईकोर्ट ने बुधवार को जेल में बंद अभिनेता दर्शन को छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी, जिससे उन्हें सर्जरी कराने की अनुमति मिल गई। रेणुकास्वामी हत्याकांड में आरोपी दर्शन ने चिकित्सा आवश्यकताओं का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत के लिए आवेदन किया था, जिसे न्यायमूर्ति एस विश्वजीत शेट्टी ने मंजूर कर लिया। एकल न्यायाधीश की पीठ ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट के इनकार को चुनौती देने वाली नियमित जमानत के लिए दर्शन की याचिका हाईकोर्ट में लंबित है। अंतरिम जमानत के संबंध में दलीलें 28 अक्टूबर को सुनी गईं, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता एस. नागेश ने दर्शन का प्रतिनिधित्व किया और राज्य के सरकारी अभियोजक पी. प्रसन्ना कुमार ने अभियोजन पक्ष की ओर से दलीलें दीं। 11 जून को गिरफ्तार किए गए और बेल्लारी जेल में बंद दर्शन ने 21 सितंबर को एक आ-वेदन दायर कर चिकित्सा आधार पर जमानत मांगी। बेल्लारी सेंट्रल जेल और बेल्लारी सरकारी अस्प-ताल के डॉक्टरों द्वारा प्रस्तुत अभिनेता की स्वास्थ्य रिपोर्ट में उनकी रीढ़ और पैरों की समस्याओं के लिए सर्जरी की सिफारिश की गई थी। सुनवाई के दौरान नागेश ने मैसूरु के अपोलो अस्पताल में दर्शन का इलाज अपने खर्च पर करवाने की अनुमति मांगी। इस बीच, अभियोक्ता कुमार ने याचिका का विरोध करते हुए मेडिकल बोर्ड द्वारा जांच के बाद सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने की दलील दी। हालांकि, हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत देते हुए दर्शन को सर्जरी करवाने की अनुमति दे दी। 33 वर्षीय ऑटो चालक रेणुकास्वामी 9 जून को मृत पाए गए थे। अधिकारियों का आरोप है कि दर्शन द्वारा किए गए हमले में वह घातक रूप से घायल हो गए थे, जिन्होंने कथित तौर पर प्रशंसकों से रेणुकास्वामी से उनकी साथी पवित्रा गौड़ा के खिलाफ ऑनलाइन अपमानजनक टिप्पणी करने का आह्वान किया था।

सरकार दर्शन को जमानत देने के कोर्ट के फैसले का करती है स्वागत: शिवकुमार

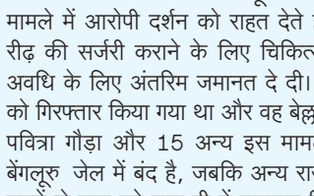

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि सरकार अभिनेता दर्शन को हत्या के एक मामले में अंतरिम जमानत देने के उच्च न्यायालय के फैसले का सम्मानपूर्वक स्वागत करती है। यहां संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मैं न्यायालय के फैसले पर सवाल नहीं उठाऊंगा। सरकार न्यायालय के फैसले का सम्मानपूर्वक स्वागत करेगी। रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी दर्शन को राहत देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रीढ़ की सर्जरी कराने के लिए चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह की अवधि के लिए अंतरिम जमानत दे दी। 47 वर्षीय दर्शन को 11 जून को गिरफ्तार किया गया था और वह बेल्लारी जेल में बंद है। उसके दोस्त पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य इस मामले में सह-आरोपी हैं। पवित्रा बेंगलूरु जेल में बंद है, जबकि अन्य राज्य की विभिन्न जेलों में बंद हैं। उनमें से कुछ को हाल ही में जमानत मिली है।

कोर्ट द्वारा दर्शन को जमानत दिए जाने का मामला

रेणुकास्वामी के परिवार ने कहा हमें पूरा भरोसा है कि दोषियों को सजा मिलेगी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। अभिनेता दर्शन और अन्य द्वारा कथित रूप से मारे गए रेणुकास्वामी के परिवार ने बुधवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा अभिनेता को चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दिए जाने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन विश्वास व्यक्त किया कि दोषियों को सजा मिलेगी क्योंकि उन्हें न्यायपालिका और पुलिस पर भरोसा है। रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी दर्शन को राहत देते हुए न्यायालय ने रीढ़ की सर्जरी कराने के लिए छह सप्ताह की अवधि के लिए अंतरिम जमानत दी। रेणुकास्वामी के पिता काशीनाथ शिवनगौदर ने संवाददाताओं से कहा कानूनी व्यवस्था के तहत जमानत दी गई है, हम इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते। हमें विश्वास है कि दोषियों को सजा मिलेगी। हमें कानून और पुलिस पर भरोसा है। (दर्शन का) इलाज डॉक्टर, उनका और न्यायालय का मामला है, हम इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा हमारे पास कहने के लिए इसके अलावा और कुछ नहीं है कि दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। हमें कानून और न्यायपालिका पर भरोसा है, इसलिए हमें पूरा विश्वास है कि दोषियों को सजा मिलेगी।

मुडा घोटाला मामला

ईडी अधिकारियों ने मैसूरु में 3 लोगों से जुड़े स्थानों पर दस्तावेजों की जांच पूरी की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन में कथित अनियमितताओं से संबंधित मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने मैसूरु में तीन लोगों के स्थानों पर दस्तावेजों की जांच पूरी कर ली है। सोमवार से 30 से अधिक ईडी अधिकारियों की एक टीम राकेश पापन्ना, जयराम और तेजस गौड़ा से संबंधित स्थानों पर दस्तावेजों की तलाशी ले रही थी। उन्होंने मंगलवार शाम को मैसूरु के हिंकल में सीएम के करीबी विश्वासपात्र, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश पापन्ना के घर पर दस्तावेजों की जांच पूरी कर ली। उन्होंने बुधवार को कुवेम्पुनगर में विजया बैंक सर्कल के पास एक रियल एस्टेट डेवलपर जयराम के स्वामित्व वाले एमएमजी कंस्ट्रक्शन के कार्यालय में दस्ता-वेजों की जांच भी पूरी कर ली। उन्होंने बुधवार को विजयनगर के चौथे स्टेज में पूर्व मुडा आयुक्त जी टी दिनेश के रिश्तेदार और रियल एस्टेट कारोबारी तेजस गौड़ा के घर पर दस्तावेजों की जांच पूरी कर ली।

इस बीच बेंगलूरु में ईडी अधिकारियों ने कथित तौर पर जेपी नगर और डॉलर्स कॉलोनी में एन मंजूनाथ के आवास, कार्यालय, बैंक लॉकरों से दस्ता-वेजों की तलाशी ली। उन्होंने कथित तौर पर बेंगलूरु में बानसवाड़ी में पूर्व मुडा आयुक्तों जी टी दिनेश कुमार और मल्लेश्वरम 10वें क्रॉस में डी बी नटेश के घरों में भी दस्तावेजों की तलाशी ली। सूत्रों ने बताया कि अधिकारी बुधवार को मैसूरु से चले गए और दीपावली त्योहार के बाद जांच फिर से शुरू करने की संभावना है। मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ ईडी में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें मैसूरु में विजयनगर के तीसरे और चौथे चरण में पार्वती (सिद्धरामैया की पत्नी) को मुआवजे के तौर पर मुडा द्वारा 50:50 के आधार पर आवंटित 14 वैकल्पिक साइटों से संबंधित शिकायत थी।

पार्वती ने मैसूरु तालुक के केसारे गांव में सर्वे नंबर 464 पर अपनी 3.16 एकड़ जमीन को बिना अधिग्रहण किए ही मुडा से ले लिया था। कृष्णा की शिकायत के आधार पर ईडी मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 (2003 का 15) के प्रावधानों के तहत जांच कर रही है। विभिन्न घटनाक्रमों के मद्देनजर पार्वती ने 1 अक्टूबर को वे सभी साइटें मुडा को वापस कर दीं। अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार कार्यालय में उप-पंजीयक ने प्रक्रिया पूरी की और 3 अक्टूबर को साइटें मुडा को वापस कर दीं।

किसानों की जमीन पर दावा किए जाने का मामला

कर्नाटक भाजपा 4 नवंबर से शुरू करेगी राज्यव्यापी आंदोलन: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा पार्टी कांग्रेस सरकार को भी बेनकाब करेगी, क्योंकि वह राज्य के विभिन्न जिलों में अधिकारियों को किसानों के भूमि रिकॉर्ड बदलने और उन्हें वक्फ बोर्ड की संपत्ति के रूप में उल्लेख करने के लिए मजबूर कर रही है।

इसके खिलाफ राज्य भाजपा 4 नवंबर को राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। कांग्रेस सरकार राज्य में तुगलकी नीति लागू कर रही है। उन्होंने कहा वक्फ बोर्ड के मंत्री जमीर अहमद खान राज्य के सभी उपायुक्तों पर दबाव बना रहे हैं कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के निर्देशों के अनुसार इस संबंध में कार्रवाई की जाए।

इस घटनाक्रम के बाद, कर्नाटक राज्य भर में कृषक समुदाय गंभीर संकट और चिंता का सामना कर रहा है। भूमि अभिलेखों में उल्लेख करके राज्य भर में किसानों की कृषि भूमि को लूटने की साजिश चल रही है कि यह संपत्ति वक्फ बोर्ड की है। पहले से ही, हजारों किसानों के भूमि अभिलेखों में, अधिकारियों ने उल्लेख किया है कि ये वक्फ बोर्ड की संपत्ति हैं और इन्हें बेचा नहीं जा सकता। कलबुर्गी, विजयपुरा, यादगीर, बीदर और शिवमोग्गा जिलों के किसान इस संबंध में अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा विपक्षी दल के तौर पर हमें किसानों के साथ खड़े होकर राज्य सरकार को चेतावनी देनी चाहिए। वक्फ द्वारा जिन किसानों की जमीन पर दावा किया जा रहा है, उनके साथ राज्य के सभी उपायुक्तों के कार्यालयों के सामने बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ और पर्यटन मंत्री जमीर अहमद खान को तत्काल हटाने और किसानों की जमीन को वक्फ संपत्ति बताने वाले भूमि अभिलेखों को वापस लेने की मांग की जाएगी। अधिकारियों के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी जाएगी कि किसी भी कीमत पर किसानों की संपत्ति को वक्फ संपत्ति नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने मौजूदा कार्यकाल में परेशान किसानों के लिए कोई राहत नहीं दी है और न ही किसानों के लिए एक भी कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किया है। हालांकि, हाल के दिनों में यह विजयपुरा समेत विभिन्न जिलों में वक्फ संपत्तियों की आड़ में किसानों की जमीनों को जब्त करने की कोशिश कर रही है। विजयपुरा जिले में उपायुक्तों द्वारा आयोजित बैठक के विवरण में उल्लेखित मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्वयं इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। अल्पसंख्यकों को खुश करने की नीति अपनाने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने किसानों की जमीनों को निशाना बनाया है। उन्होंने अपने मंत्री सहयोगी जमीर अहमद खान का इस्तेमाल कर किसानों की जमीनों पर कब्जा कर लिया है। इन जमीनों पर किसान पीढ़ियों से अपनी फसल उगाने के लिए निर्भर हैं। कर्नाटक के मौजूदा हालात को देखते हुए, अलाउद्दीन खिलजी-मलिक काफूर की जोड़ी' के काले इतिहास की याद आती है। विजयेंद्र ने कहा यह मलिक काफूर द्वारा खिलजी के आदेश पर दक्षिणी कर्नाटक में किए गए क्रूर आक्रमणों की याद दिलाता है। मौजूदा कांग्रेस सरकार के शासन में, कर्नाटक के लोग अलाउद्दीन खिलजी-मलिक काफूर जैसी आक्रामकता की नई लहर के खिलाफ खड़े होने के लिए मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक भाजपा इस भूमि के लोगों के समर्थन में अपनी आवाज उठाएगी।

मुझे लगता है कि वक्फ संपत्तियों का मुद्दा लगभग खत्म हो गया: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में कथित वक्फ भूमि हड़पने के विवाद के बीच, राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि वक्फ संपत्तियों के लिए जिम्मेदार विभाग ने नोटिस जारी किया होगा।

यह मुद्दा लगभग खत्म हो गया है। परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा वक्फ संपत्तियों को संभालने वाले संबंधित विभाग ने नोटिस जारी किया होगा, मैं इससे इनकार नहीं करता।

सीएम ने स्पष्ट किया है कि हमने उस मामले के लिए किसी को भी दिए गए नोटिस वापस ले लिए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब तक मामला स्पष्ट या सत्यापित नहीं हो जाता, तब तक कोई और कार्रवाई नहीं की जाएगी, यह दर्शाता है कि मुद्दा सुलझने के करीब है। मुझे लगता है कि यह मुद्दा लगभग खत्म हो गया है। कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक तनाव इस आरोप के बीच बढ़ रहा है कि वक्फ बोर्ड का नाम बिना अधिसूचना के संपत्ति रिकॉर्ड में जोड़ा गया था।

भाजपा ने आरोप लगाया कि खान और जिला अधिकारियों के बीच बैठक के बाद, बिना किसी पूर्व सूचना के विजयपुरा जिले के कुछ तालुकों में 44 संपत्तियों के लिए भूमि अभिलेखों में वक्फ का नाम जोड़ दिया गया। कई किसान, जो अचानक रिकॉर्ड ऑफ राइट्स, टेनेंसी और क्रॉप्स म्यूटेशन से अनजान थे, ने पैतृक भूमि खोने पर चिंता व्यक्त की। इस बीच, कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि मामले की जांच के लिए जिला आयुक्त के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसमें सटीकता के लिए 1964 से 1973 तक के वक्फ और राजस्व अभिलेखों का क्रॉस-रेफरेंस करने के निर्देश दिए गए हैं। हम किसानों के स्वामित्व वाली कोई भी भूमि नहीं चाहते हैं।

मैं भी एक किसान का बेटा हूं। हमारा लक्ष्य केवल वक्फ भूमि अभिलेखों को अपडेट करना है। वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान ने कहा कि होनवाड़ा में केवल 11 एकड़ वक्फ संपत्ति है, जबकि 1,200 एकड़ का दावा किया गया है। इन 11 एकड़ से परे, बाकी किसानों की है।

खुशियों की दिवाली के तहत मानव सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा प्रस्तुत खुशियों की दिवाली बांटे खुशियों का गिफ्ट बॉक्स के तहत बुधवार को सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ चार मानव सेवा कार्य आयोजित किए गए। पहला मानव सेवा कार्य विजयनगर में बापुजीनगर स्थित श्री चौड़प्पा गीताश्रमा में किया गया। यह सेवाश्रम लगभग 40 सालों से संचालित है। इसमें कुल 30 अनाथ बच्चे प्रवासित हैं, जिनकी देखभाल एवं शिक्षा अच्छे से चल रही है। द्वितीय मानव सेवा राजाजीनगर स्थित नेमदी मने फाउंडेशन में संपादित किया गया। यहां पर 25 अनाथ बच्चे प्रवासित है और यह संस्था लगभग 14 वर्षों से गतिमान है। तृतीय मानव सेवा राजाजीनगर स्थित श्री तुंगभद्रा ओल्ड एज होम में संपादित किया गया। जिसमें कुल 25 वृद्ध पुरुष और महिलाएं प्रवासित है। चतुर्थ मानव सेवा लगेरी स्थित सोसायटी केयर फॉर इंडीजेंट में किया गया। यह आश्रम लगभग 25 सालों से संचालित है। इस आश्रम में कुल 110 अनाथ बच्चे बच्चियां है। सभी आश्रम से जानकारी लेते हुए परिषद परिवार ने दिवाली की शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए गिफ्ट बॉक्स एवं दैनिक राशन सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरीया, जयंतीलाल गांधी, सुनील मेहता, अरविंद कोठारी, योगेश मेहता, शांतिलाल पीतलिया, अनिल बोल्या, सेवा सारथी के संयोजक मुकेश भंडारी एवं सह संयोजक विक्रम बोहरा की उपस्थिति रही।

दीपोत्सव के लिए रंग बिरंगी रोशनी से सजा श्री विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र के छत्तीस अध्ययनों के वांचन विवेचना के दौरान 16वें अध्ययन ब्रह्मचर्य समाधि की चर्चा करते हुए कहा कि शुद्ध स्वरुप निरंजन, निराकार आत्मा में विचरण करना ही ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य की नौ वाड बताई गई है। इन्द्रियों की आसक्ति पर हमें लगाम लगानी है। स्पर्शनेंद्रिय के वश में हाथी, रसनेन्द्रिय के वश में मछली, घ्राणेंद्रिय के वश में भंवरा और श्रोतेन्द्रिय के वश में हिरण का घात हो जाता है। सबसे ज्यादा इन्द्रियों में विकार वासना हमारे भोजन से ही आती है। आहार का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। धर्मविधि से प्राप्त, मित भोजन हमें उचित समय पर संयम जीवन के निर्वाह के लिए स्थिर शांत चित्त से करना चाहिए। 17वां अध्ययन पापश्रमण जिसमें साधुओं के करने योग्य और अकरणीय आचरणों के बारे में बताया गया है। 18वां अध्ययन संयतीय है जिसमें संयति राजा के बारे में बताया गया है जिसको मुनि भगवन्त ने दशाणभद्र राजा की कथा और अन्य दृष्टांतों से उपदेश देकर प्रव्रजित किया। 19वां अध्ययन मृगापुत्र के वैराग्य के भावों का वर्णन किया गया है, जिससे उनके मन में दीक्षा की भावना उत्पन्न होती है। 20वां अध्ययन महानिर्ग्रन्थीय जिसमें अनाथी मुनि की कथा का विवेचन है। हमारे शरीर में उत्पन्न वेदना को हमें ही भोगना पड़ेगा, इस वेदना को हम किसी के साथ भी बांट नहीं सकते। हमारा कोई नाथ नहीं है। सिर्फ हम ही स्वयं हमारे नाथ हैं। इसमें अनाथी मुनि और श्रेणिक महाराजा के बीच संवाद को बताया गया है। अनाथ व्यक्ति जब संसार को छोड़कर संयम ग्रहण करेगा तभी वह सनाथ बनेगा। 21वां अध्ययन समुद्रपालीय है जिसमें बताया गया है कि जिस प्रकार बीज जल जाए तो उससे वापस धन धान्य उत्पन्न नहीं हो सकता उसी प्रकार जब हमारे कर्म जल जाएंगे तब हम भी जन्म मरण से मुक्त हो जाएंगे। 22वां अध्ययन रथनेमिय जिसमें 22वें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ परमात्मा के भाई सिद्ध भगवन्त रथनेमि की कथा का वर्णन है, जिसने अपनी गलती को स्वीकार करके सुधारा और मोक्षगति को प्राप्त किया, जिन्हें परमात्मा महावीर ने पुरुषोत्तम नाम से संबोधित किया। श्री विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी को दीपोत्सव के लिए रंग बिरंगी लाईटों से सजाया गया है, जहां प्रतिदिन अनेक श्रद्धालु दर्शनार्थ पधार रहे हैं।

20 नई ऐरावत क्लब क्लास 2.0 बसों को दिखाई हरी झंडी

किसानों को बेदखली का कोई नोटिस जारी नहीं किया गया: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कथित वक्फ भूमि दावे विवाद के बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को दोहराया कि किसानों को बेदखली का कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है और जो कोई भी संपत्ति पर कब्जा कर रहा है, उसे बेदखल नहीं किया जाएगा। सीएम ने इससे पहले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ बेंगलूरु में 20 नई ऐरावत क्लब क्लास 2.0 बसों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा मैंने पहले ही बयान दे दिया है। हमने किसानों को कोई नोटिस जारी नहीं किया है और हम किसी ऐसे व्यक्ति को बेदखल नहीं करने जा रहे हैं जो कई सालों से संपत्ति पर कब्जा कर रहा है। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भाजपा पर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि नोटिस के संबंध में राजस्व विभाग को पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा भाजपा इस मुद्दे (विजयपुरा में जाकर) का राजनीतिकरण कर रही है। हम किसानों को प्रभावित नहीं कर रहे हैं। भाजपा शासन के दौरान पहले भी नोटिस जारी किए गए थे। हम इसे ठीक कर रहे हैं। हमने राजस्व विभाग, तहसीलदार, डीसी को आरटीसी में किए गए सभी म्यूटेशन को रद्द करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों द्वारा उपयोग की जाने वाली सभी भूमि उनकी भूमि बनी रहेगी और उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा यह सरकार का निर्णय है और हम इसके साथ खड़े हैं। भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रही हैं, हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम राजनीति नहीं करना चाहते, हम चाहते हैं कि हमारे किसानों के अधिकारों को बरकरार रखा जाए। किसी भी किसान को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा और अगर उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं, तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा।

आचार्य देवेन्द्रमुनि का व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्म प्रभा जी ने श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर आचार्य सम्राट देवेन्द्र मुनि जी की जयंती पर गुणानुवाद करते हुए कहा कि श्री देवेन्द्रमुनि जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व बहुत प्रभावशाली था।

उनकी दूरदर्शिता, गंभीरता, चिन्तनशीलता और वाकपटुता विलक्षण थी। वे पाप भीरु, निर्भिक वृत्ति के स्पष्ट वक्ता थे। छोटी आयु में संयम ग्रहण करके अपना सम्पूर्ण जीवन संघ व समाज, जिनशासन की सेवा में समर्पित कर दिया। वे महापुरुष कभी भी अपनी निन्दा और अपमान से भय नहीं खाते थे। वे सिद्धहस्त लेखक, कुशल वक्ता साहित्यकार अद्भूत विलक्षण प्रतिभा के धनी संत रत्न शिरोमणि महापुरुष थे। सरल सौम्य, गौरवर्ण आचार्य के अष्ट सम्पदा से युक्त आचार्य देवेन्द्र मुनि जी ने अपने जीवन में तितिक्षा भाव को अपनाया। बड़े-बड़े संकटों में भी धैर्य नहीं छोड़ा। अपने गुरु की सेवा में सदैव तल्लीन रहने के फलस्वरूप, वे आगमों के प्रकाण्ड विद्वान बने व जैन आगमों व अन्य दर्शनों के ग्रन्थों का तल स्पर्शी अध्ययन किया। संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चन्नपट्टना उपचुनाव : जेडीएस ने सीएम के सरकारी आवास पर बैठक को लेकर चुनाव आयोग से की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ उनके सरकारी आवास पर चन्नपट्टना उपचुनाव पर बैठक आयोजित करने के लिए कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में जेडी(एस) ने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चन्नपट्टना उपचुनाव पर बैठक बुलाकर अपने सरकारी आवास का दुरुपयोग किया, जहां उन्होंने चन्नपट्टना से अधिकारियों को आमंत्रित किया। पत्र में कहा गया है बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने उपचुनाव पर चर्चा करके अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश की। मीडिया में रिपोर्ट किए जाने के बावजूद चुनाव अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। शिकायत में कहा गया है चूंकि यह आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन था, इसलिए हम सीएम और बैठक में मौजूद अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध करते हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कला दर्पण आर्ट रिफ्लेक्स द्वारा बेंगलूरु के कन्नड़ा साहित्य परिषद सभागार में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में महेंद्र मुणोत को उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं के लिए कला दर्पण राज्योत्सव कन्नड़ा सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर विश्वनाथ, डॉक्टर अनंत, मोहम्मद हनीफ एवं हेमा विनायक मौजूद थे।

रामलला के मंदिर में सीएम योगी ने जलाए श्रद्धा के दीप

अयोध्या, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। 22 जनवरी 2024 को रामलला 500 वर्ष बाद अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इसके बाद 30 अक्टूबर को पहला दीपोत्सव हुआ, जब लला स्वयं के महलों में विराजमान होकर अपनी नगरी को अपलक निहारते रहे। अयोध्या का सौंदर्य देख रामलला खुद भी भाव-विह्वल हो उठे। योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव में राममंदिर की अनुपम छटा हर किसी को आह्लादित कर रही थी।

रामलला की मौजूदगी में बुधवार को पहला दीपोत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम श्रीराम मंदिर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का दर्शन किया, फिर उनके चरणों में श्रद्धा निवेदित की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने प्रभु के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किए। बाहर भी

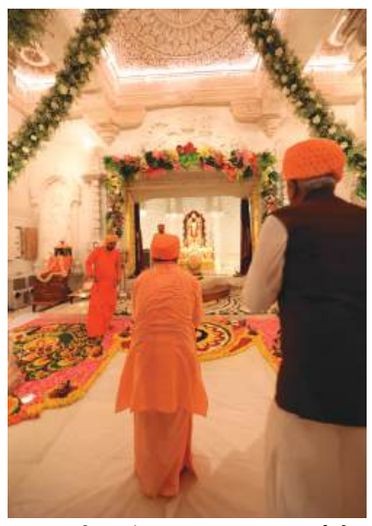

मुख्यमंत्री ने पांच-पांच दीप जलाए। वहीं मंदिर प्रांगण में हजारों दीप प्रज्ज्वलित किए गए। श्रीराम मंदिर में दीप प्रज्ज्वलन के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, श्रीराम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्र, गोपाल जी, विनोद जी आदि भी रहे।

शिव मंदिर की ओट लेकर कर रहे थे फायरिंग

लेकिन शिवलिंग को नुकसान नहीं पहुंचा पाए आतंकी

अखनूर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में 28 अक्टूबर को भारतीय सेना की एंबुलेंस पर आतंकियों ने हमला किया था। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। करीब 27 घंटे तक मुठभेड़ चली थी। इस दौरान वह शिव मंदिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जिसमें छिपकर आतंकी गोलीबारी कर रहे थे। लेकिन वे मंदिर के शिवलिंग को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। ढेर किए गए आतंकियों के पास से मिले हथियारों और सामानों से पता चलता है कि वे लंबी जंग की तैयारी करके आए थे।

मुठभेड़ पाकिस्तान की सीमा से लगे केरी बट्टल इलाके में हुई। इस इलाके में शिव आसन मंदिर है जो साल 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने बनाया था। इस मंदिर को सैनिकों का प्रेरणा स्रोत भी माना जाता है। यहां जवानों द्वारा अक्सर पूजा-पाठ और भंडारे का आयोजन किया जाता है। 28 अक्टूबर को एम्बुलेंस पर फायरिंग के बाद आतंकी इसी मंदिर में घुस गए थे। सुरक्षा बलों ने मंदिर को चारों तरफ से घेर कर ऑपरेशन चलाया था। गोलीबारी में मंदिर के ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है। लेकिन इतनी गोलीबारी के बावजूद मंदिर का शिवलिंग जस का तस है। इसके ऊपर लगी जल की गगरी भी ज्यों की त्यों है। अब मंदिर कमेटी और सेना मिल कर इस मंदिर का फिर से जीर्णोद्धार करवाएगी। मंदिर में होने वाले सभी कार्यक्रम भी पहले की तरह जारी रहेंगे। ग्रामीणों ने इसे मंदिर की महिमा और भगवान शिव की कृपा ही बताया है कि इतनी लंबी मुठभेड़ के बावजूद सभी जवान सुरक्षित रहे।आतंकी लंबी जंग की तैयारी कर के आए थे। उनके पास एम4 कार्बाइन, एके-47 राइफल, 9एमएम पिस्तौल और अन्य घातक और अत्याधुनिक हथियार थे। खाने-पीने के सामान भी बरामद हुए हैं। इनमें कैंडी, किशमिश, काजू, खजूर, चने के पैकेट और शहद की बोतलें शामिल हैं। बरामद किए गए अन्य हथियारों में 1 पिस्टल, एम4 की 3 मैगजीनें, एके 47 की 4 मैगजीन, 9एमएम पिस्टल की 20 गोलियां, 7.62एमएम की 77 गोलियां, 5.6एमएम की 129 गोलियां, 1 हैंड ग्रेनेड, 1 साइलेंसर और 3 चाकू शामिल हैं।

आतंकियों के पास से बरामद हुए अन्य सामानों में 1 डिजिटल घड़ी, लाल रंग की 1 नोटबुक, 1 दूरबीन, 1 पावर बैंक, 1 सोलर पैनल, कपड़े, जूते, मोज़े और कंबल शामिल हैं।

सात वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के दोषी को फांसी की सजा

विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट ने सुनाया फैसला

आगरा, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी ने एत्मादपुर थाना क्षेत्र के नागला केसरी निवासी राजवीर को दोषी पाते हुए फांसी की सजा सुना दी। इसके साथ ही 1.25 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

थाना एत्मादपुर में दर्ज मुकदमे के अनुसार 31 दिसंबर को बालिका घर से खेलने के लिए निकली थी। ट्यूशन पढ़ने के समय तक जब वापस घर नहीं पहुंची, तो परिजनों ने तलाश की। शाम 5:00 बजे बालिका खाली पड़े प्लॉट में मृत पाई गई। बालिका के सिर में चोटें और बाएं हाथ की उंगली भी कटी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी चौकीदार राजवीर को हिरासत में लिया था।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी राजवीर ने बताया कि बच्ची अक्सर खेलने आती थी। तब वो उसे बहलाकर गलत हरकत करता था। 31 दिसंबर 2023 वह दोपहर एक बजे एक अन्य बालक के साथ आई थी। कुछ देर बाद बालक चला गया। इस पर उसने बच्ची को बहाने से अपने पास बुला लिया। छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने, घर पर बताने की कहने पर उसे पानी में डुबो दिया। कुछ देर बाद उसे निकाला तो बेहोश हो चुकी थी। उसे लगा कि वह बच जाएगी, जिसके बाद सिर पर ईंट से प्रहार किया। इसके बाद दोबारा पानी में डुबोया और फिर उसे अपने कमरे में ले गया, जहां दरिंदगी की। बाद में उसे बाहर लाकर प्लॉट में फेंक दिया था।

वनटांगियों के साथ दीपावली मनाएंगे सीएम योगी

तिकोनिया के वन क्षेत्र में छाया है उत्सवी उल्लास

लखीमपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दीपपर्व पर अपने तारणहार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगवानी को वनटांगिया समुदाय के लोग बेकरार है। सीएम योगी के स्वागत को लेकर कुसम्ही जंगल के बीच बसे जंगल तिकोनिया नंबर तीन गांव में उत्सवी उल्लास छाया हुआ है। योगी गुरुवार को यहां वनवासियों के साथ दीपावली मनाएंगे। साथ ही जिले की 74 ग्राम पंचायतों को 185 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का दीपावली उपहार भी देंगे।

करीब सौ साल तक उपेक्षा का दंश झेलने को अभिशप्त रहे वनटांगिया गांव जंगल तिकोनिया नंबर तीन को अब अति विशिष्ट गांव के रूप में जाना जाता है। इसकी वजह है 2017 से ही मुख्यमंत्री योगी द्वारा इस गांव में दीपोत्सव मनाना। योगी यहां वर्ष 2009 से ही बतौर सांसद यहां दीपावली मनाते रहे हैं और मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने खुद द्वारा शुरू की गई परंपरा में रुकावट नहीं आने दी है। बतौर मुख्यमंत्री वह गुरुवार को लगातार

आठवीं बार वनटांगियों के साथ दीपावली की खुशियां बांटेंगे। उल्लेखनीय है योगी के कदम पड़ने के साथ ही वनटांगियों की बदहाली खुशहाली में बदलती चली गई। बतौर सांसद उन्होंने लोकसभा में वनटांगिया अधिकारों के लिए लड़कर 2010 में अपने स्थान पर बने रहने का अधिकार पत्र दिलाया। 2017 में मुख्यमंत्री बने तो वनटांगिया गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा देकर उन्हें शासन प्रदत्त सभी सुविधाओं का हकदार बना दिया। उन्होंने वनटांगिया गांवों को आवास, सड़क, बिजली, पानी, स्कूल, जैसे संसाधनों के साथ ही यहां रहने वालों को जनहित की सभी योजनाओं से आच्छादित कर दिया है। वनटांगिया गांव में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन ने बुधवार तक सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं तो गांव के लोग भी उमंग-तरंग के साथ स्वागत को तैयार हैं।

गुरुवार को जंगल तिकोनिया नंबर तीन में वनटांगिया दीपोत्सव मनाने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले की 74 ग्राम पंचायतों को 185 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का दीपावली गिफ्ट भी देंगे। सीएम यहां सीएम योगी उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा 150.35 करोड़ रुपए की लागत से जंगल तिकोनिया नंबर तीन समेत 42 गांवों में उपलब्ध कराई गई पेयजल परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा वह 32 ग्राम पंचायतों में परफॉर्मेंस ग्रांट से 34.66 करोड़ रुपए की लागत से कराए गए विकास कार्यों का भी लोकार्पण करेंगे।

गुरेज के विधायक की रैली पर हमला, दर्जन से ज्यादा जख्मी

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)। एलओसी से सटे गुरेज इलाके में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के विधायक गुरेज नजीर की रैली पर हुए हमले में दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। तीन गंभीर रूप से घायलों को श्रीनगर भेजा गया है। कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। नेकां विधायक का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह हमला किया था तो भाजपा के नेताओं का कहना था कि नेकां कार्यकर्ताओं ने उनके लोगों को उकसाया था। अधिकारियों ने बताया कि कल देर रात उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा जिले के तुलैल के गुजरान इलाके में विधायक गुरेज नजीर अहमद खान की रैली पर भीड़ ने हमला कर दिया, जिसमें कम से कम एक दर्जन लोग घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने गुजरान में रैली पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप एक दर्जन लोग घायल हो गए, जबकि कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से तीन को श्रीनगर के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

अधिकारी ने कहा कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। झड़प शुरू होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए धुएं के गोले दागे और स्थिति को नियंत्रण में किया।

बांडीपोरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमीत सिंह मेहता ने पत्रकारों को बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू हो गई है। वे कहते थे कि मामला दर्ज कर लिया गया है। हमने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि एसएसपी बांडीपोरा कहते थे कि मामूली चोटें आई हैं और प्रभावित लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। जबकि विधायक का कहना था कि इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को आगे के इलाज के लिए श्रीनगर ले जाया गया है। नजीर गुरेजी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम हाल के चुनाव में लोगों के समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए नियमित दौरे पर थे। दुर्भाग्य से, मेरे प्रतिद्वंद्वी के समर्थकों ने मुझे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैं आग्रह करता हूं कि जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। पुलिस ने तुलैल में एक एफआईआर (संख्या 7/24) दर्ज की है और घटना में शामिल लोगों की पहचान की जांच कर रही है, जिससे जल्द ही घटना का खुलासा होने की उम्मीद है।

लश्कर का आतंकी हथियार और विस्फोटकों के साथ पकड़ा गया

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)। कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने आतंकी संगठन लश्करे तैयबा के एक सदस्य को हथियारों समेत पकड़ा है। बारामुला में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पकड़े गए आतंकी के पास से एक भरी हुई पिस्तौल, एक मैगजीन, छह गोलियां और दो चीनी हथगोले बरामद किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान फील्ड गैदरिंग टीम कुपवाड़ा द्वारा विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त करने के बाद शुरू किया गया था, जिसमें बारामुला जिले के बिजहामा बोनियार से संभावित आतंकवादी गतिविधि का संकेत दिया गया था। जिला कमांडर कुपवाड़ा द्वारा पुष्टि की गई इस सूचना के बाद 15 राष्ट्रीय राइफल्स और सीमा सुरक्षा बल द्वारा विलगाम क्षेत्र में छामपुरा के पास एक मल्टी-व्हीकल चेक पोस्ट स्थापित किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि 29 अक्टूबर को रात करीब 10.30 बजे एक काले रंग की होंडा लिवो मोटरसाइकिल को रोका गया। सवार की पहचान बिजहामा बोनियार निवासी शाहिद सलीम लोन (27) के रूप में हुई, जिससे पूछताछ की गई और तलाशी ली गई, जिसके बाद छिपे हुए हथियार और विस्फोटक बरामद हुए। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि वह इस खेप को सोपोर ले जाने का इरादा रखता था। वह फिलहाल आगे की जांच के लिए हिरासत में है, अधिकारी उसके जुड़ाव और जब्त की गई वस्तुओं के स्रोत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

दूसरी ओर संयुक्त सुरक्षा बलों ने बूटापथरी सेक्टर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद बारामुला जिले के कई इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है, जिसमें टंगमर्ग के फिरोजपुरा, पट्टन और ड्रंग जैसे हिस्से शामिल हैं। एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि इन अभियानों का उद्देश्य बूटापथरी घटना में शामिल आतंकवादियों का पता लगाना और बारामुला जिले में सुरक्षा को मजबूत करना है।

देश में नागरिक पंजीकरण सिस्टम लागू

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए करें घर बैठे आवेदन

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च की है। इसकी मदद से कोई भी व्यक्ति घर बैठे जन्म से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। आवेदन को बाद आवेदक को सर्टिफिकेट भी ऑनलाइन मिल जाएगा। अब लोगों को इन प्रमाणपत्र के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। लोगों के समय की भी बचत होगी।

किसी भी सर्टिफिकेट को लेने के लिए सबसे यूजर को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। यूजर को इस पर अपना

नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, जन्म या मृत्यु का समय और पता संबंधी जानकारी देनी होगी। खास बात यह है कि जन्म के समय माता-पिता की तरफ से एक घोषणापत्र भी देना होगा। अगर किसी बच्चे का जन्म अस्पताल में होता है तो जानकारी देने की जिम्मेदारी अस्पताल की होगी। पते के प्रमाण पत्र के लिए वोटर आईडी कार्ड, बिजली का बिल, गैस का बिल, पानी का बिल, फोन का बिल, पासपोर्ट, राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता जैसे दस्तावेजों में से कोई एक दिया जा सकता है।

इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य लोगों को धोखाधड़ी से बचाना है। जन्म या मृत्यु के 21 दिन के भीतर आपको इसकी जानकारी देनी होगी। अगर कोई व्यक्ति 21 दिन में जानकारी नहीं देता है तो इसके लिए लेट फीस लगेगी। लेट फीस की स्थिति में उसका रसीद नंबर भी रजिस्ट्रेशन के समय देना होगा। अगर कोई व्यक्ति 21 दिन के भीतर जानकारी देता है तो उसके लिए यह पूरी प्रक्रिया फ्री रहेगी। 21 दिन से अधिक होने पर 22 से 30 दिन के लिए 2 रुपए और 31 दिन से एक साल तक के लिए 5 रुपए लेट फीस के रूप में देने होंगे। ज्यादा पुराने प्रमाण पत्रों के लिए 10 रुपए शुल्क तय किया गया है। इस ऐप में निजी अस्पतालों के लिए रिकॉर्ड दर्ज करने की सुविधा दी गई है। वह जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए इस ऐप पर जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

किसी व्यक्ति की घर में मौत होने की स्थिति में इसकी जानकारी 21 दिन के भीतर देनी होगी। परिवार को कोई भी सदस्य घोषणापत्र के साथ फॉर्म-2 भरकर उसके पते की जानकारी के साथ रजिस्ट्रेशन कर सकता है। वहीं अस्पताल में मौत की स्थिति में इसकी जानकारी अस्पताल को देनी होगी। अगर यह समयसीमा खत्म हो जाती है तो इसके लिए रजिस्ट्रार से संपर्क करना होगा।

किसानों की जमीन के रिकॉर्ड में गुपचुप घुसाया वक्फ बोर्ड का नाम

बेंगलुरु, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में वक्फ बोर्ड द्वारा विजयपुरा जिले में किसानों की 1200 एकड़ जमीन पर दावा ठोके जाने के बाद से हड़कंप है। इस बीच जानकारी सामने आई है कि इस मामले में वक्फ की भूमिका संदिग्ध है। कहा जा रहा है कि किसानों की जमीन के रेवेन्यू रिकॉर्ड में रातोंरात वक्फ का नाम जोड़ने का काम हुआ है वरना पहले रिकॉर्डों में ये नाम नहीं था। दस्तावेजों में छेड़छाड़ की बात का खुलासा हो गया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी सोशल मीडिया पर यह जानकारी सार्वजनिक की है।

मालवीय ने बताया कि पिछले तीन हफ्तों में 44 संपत्तियों के भूमि अभिलेखों में वक्फ बोर्ड का

नाम शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव रातोंरात हुआ और इसके लिए आरटीसी (अधिकारों का रिकॉर्ड, किरायेदारी और फसलों का रिकॉर्ड) में म्यूटेशन किया गया। इस प्रक्रिया में किसानों को कोई सूचना नहीं दी गई थी, जिससे वे हैरान हैं। वहीं किसानों द्वारा इस मामले में आवाज उठाए जाने के बाद कर्नाटक सरकार ने भी इस पर यूटर्न लिया है। राज्य के कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि राजपत्रित अधिसूचना (गजट नोटिफिकेशन) में त्रुटि के कारण ऐसा हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का कोई इरादा किसानों की भूमि को वक्फ संपत्ति में बदलने का नहीं है और यदि कोई गलती हुई है तो उसे ठीक किया जाएगा।

गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में विजयपुरा में किसानों को उनकी जमीन खाली करने के लिए नोटिस मिला था। जिसके बाद उन्होंने इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर चेतावनी दी थी कि अगर उनकी जमीनें वक्फ को सौंपी गईं तो उनके पास जीविका चलाने का कोई विकल्प नहीं बचेगा। कई किसान नेताओं ने यह आरोप लगाया था कि कांग्रेस ऐसे काम एक विशेष समुदाय के लोगों को खुश करने के लिए उठा रही है।

दीपोत्सव 2024 : ऐसा लग रहा फिर से लौट आया है त्रेतायुग: संत समाज

अयोध्या, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अयोध्या में इस वर्ष का दीपोत्सव एक ऐतिहासिक पर्व बन गया है। प्रभु श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद इस पर्व ने संतों और श्रद्धालुओं में एक विशेष उत्साह उत्पन्न किया है। अयोध्या के संत समाज ने इस दीपोत्सव पर विशेष हर्षोल्लास व्यक्त करते हुए इसे एक अद्वितीय आयोजन बताया है, जो 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद संभव हुआ है।

अयोध्या के दशरथ महल के महंत बिंदु गद्याचार्य स्वामी देवेन्द्र प्रसादाचार्य ने दीपोत्सव को सनातन धर्म की धरोहर बताया।

उन्होंने कहा, दीपावली और दीपोत्सव सनातन धर्म का आधार हैं, और इस बार का दीपोत्सव विशेष है क्योंकि प्रभु श्रीराम का अयोध्या में अपने धाम पर पुनः आगमन हुआ है। यह दीपोत्सव हमारे प्रभु श्रीराम को आस्था और श्रद्धा व्यक्त करने का एक अद्वितीय अवसर है, जिससे संतजन हर्षित और पुलकित हैं। संतों का मानना है कि अयोध्या वही दृश्य फिर से प्रस्तुत कर रही है जो त्रेतायुग में श्रीराम के आगमन पर देखने को मिला था।

संत समाज ने मौजूदा योगी सरकार का आभार भी व्यक्त किया है। उनका मानना है कि श्रीरामलला के पुनः

विराजमान होने का यह दिव्य अवसर सरकार के प्रयासों का परिणाम है। संतों का कहना है कि सरकार ने अयोध्या की इस धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को फिर से संजीवित किया है, जिससे संपूर्ण संत समाज में प्रसन्नता है।

चौभुजी मंदिर के महंत बृजमोहन दास महाराज ने दीपोत्सव के इस अद्वितीय अवसर पर अपनी रचित पंक्तियों के माध्यम से अपनी भावना व्यक्त की। उनका कहना है कि श्रीरामलला के अयोध्या में विराजमान होने से न केवल संत समाज, बल्कि अयोध्या की पूरी जनता गर्वित है और इस दीपोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है।

बधाई भवन मंदिर के संत महंत राजीव लोचन शरण महाराज ने कहा, जैसे त्रेतायुग में भगवान के अयोध्या आगमन पर जो दिव्य दृश्य था, वह आज पुनः हमारे सामने है। हम संतजन इस ऐतिहासिक क्षण को देखकर हर्षित हैं और इस दीपोत्सव में अद्वितीय उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं।

अयोध्या में सरयू तट से लेकर श्रीराम लला मंदिर और अन्य विभिन्न मंदिरों में दीप जलाकर इस अद्वितीय दीपोत्सव को मनाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। संत समाज, श्रद्धालुओं और सरकार के सामूहिक प्रयासों से यह दीपोत्सव न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह संपूर्ण विश्व में अयोध्या की दिव्यता और आस्था का संदेश भी प्रसारित कर रहा है। इस ऐतिहासिक दीपोत्सव में संतों की भावनाएं और आस्था झलक रही हैं, जो अयोध्या को एक विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान कर रही है।

महाकुंभ 2025 : विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन की भव्य तैयारियां

प्रयागराज, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता, दिव्यता और भव्यता का एहसास करना चाहती है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं मूर्त रूप ले रही हैं। इसके परिणाम स्वरूप महाकुंभ ने एक नया आकार लेना शुरू कर दिया है।

प्रयागराज आने वाले श्रद्धालु और यहां कई महाकुंभ के साक्षी बने पुरोहित इतने बड़े स्तर पर हो रहे विकास कार्य को किसी आश्चर्य से कम नहीं मानते। उनका कहना है कि यह केवल योगी आदित्यनाथ की सरकार में ही संभव है। नहीं तो पूर्व की सरकारों ने यहां पर कोई ध्यान नहीं दिया। प्रयागराज की धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत के लेखक अनुपम परिहार ने अपनी पुस्तक में योगी सरकार के कई ऐतिहासिक निर्णयों का स्पष्ट उल्लेख किया है। उन्होंने लिखा है कि पूर्व की सरकारों के रुचि न लेने के कारण यहां द्वादश माधव की परिक्रमा तक बंद कर दी गई थी। तीर्थराज में द्वादश माधव की परिक्रमा 1991 के बाद से नहीं हो पा रही थी। जिसे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत स्वर्गीय नरेंद्र गिरि और महामंत्री महंत हरि गिरि की पहल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधिवत रूप से शुरू करवाया। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर 6 फरवरी 2019 में कुंभ के दौरान द्वादश माधव की परिक्रमा शुरू की गई। जिसका लाभ देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ साथ स्थानीय पुरोहितों और संतों को भी हुआ। सीएम योगी की शुरुआत के बाद से आज भी यह परिक्रमा जारी है।

प्रदेश सरकार ने महाकुंभ के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। इसके साथ साथ धार्मिक स्थलों के लिए अलग से करोड़ों रुपए का बजट जारी किया गया है।

धार्मिक आस्था एवं पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण प्रयागराज के विभिन्न मंदिरों और पौराणिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इनमें अक्षयवट, सरस्वती कूप, पातालपुरी, बड़े हनुमान मंदिर, द्वादश माधव मंदिर, भरद्वाज आश्रम, नागवासुकी मंदिर और श्रृंगवेरपुर धाम का सौंदर्यीकरण सरकार की प्राथमिकता में है। यहां कई करोड़ खर्च कर सरकार जीर्णोद्धार का कार्य कर रही है। इन धार्मिक स्थलों के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से योगी सरकार की योजना महाकुंभ के साथ-साथ प्रयागराज के पुरातन वैभव को वापस लाने की है। महाकुंभ के दौरान यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र होंगे।

यूपी और उत्तराखंड में दीपावली पर दो दिन की छुट्टी

लखनऊ/देहरादून, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और उत्तराखंड की धामी सरकार ने दिवाली पर दो दिन के अवकाश की घोषणा की है। दोनों प्रदेशों में 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक दीपावली के अवकाश की घोषणा की है। हालांकि इसके बदले 9 नवंबर को सरकारी दफ्तर सामान्य दिनों की तरह खुलेंगे। वहीं उत्तराखंड में प्रकाश पर्व दीपावली पर सरकारी कर्मचारियों को दो दिन की छुट्टी मिलेगी। सरकार ने 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को छुट्टी संबंधी शासनादेश बुधवार को जारी कर दिया है। उत्तराखंड में पहले 1 नवंबर को दीपावली का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था, फिर 31 अक्टूबर कर दिया गया। इसी बीच उत्तराखंड शासन ने 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को दो दिन का दीपावली का अवकाश घोषित कर दिया है।

यूपी में एक नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। दिवाली 31 अक्टूबर को है। पहले इस दिन सरकारी कार्यालय खुले हुए थे। आज सरकार ने इसकी घोषणा की है।

इस घोषणा के बाद प्रदेश सरकार के विभिन्न कार्यालय और माध्यमिक स्कूल एक नवंबर को बंद हो जाएंगे। सरकार के इस फैसले से सरकारी कर्मचारियों को एक तरह से दिवाली का तोहफा मिला है।

प्रदेश में एक तरफ जहां बेसिक विद्यालयों में 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक नरक चर्तुदशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज आदि की छुट्टियां हैं। वहीं माध्यमिक विद्यालयों में 30-31 अक्टूबर को ही छुट्टी है। एक नवंबर शुक्रवार को विद्यालय खुलेंगे और दो को फिर गोवर्धन पूजा की छुट्टी है।

इसे लेकर शिक्षकों में नाराजगी है तो छात्र और अभिभावक भी परेशान हैं।

दरअसल, 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक लगातार त्यौहार पड़ रहे हैं। इसकी वजह से न सिर्फ बेसिक बल्कि कई विश्वविद्यालयों ने भी 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक छुट्टी घोषित कर रखी है। किंतु एक नवंबर को माध्यमिक विद्यालय खुले हैं।

हालांकि इस दिन कार्तिक अमावस्या पड़ रही है। शिक्षकों व अभिभावकों को कहना है कि बीच में एक दिन स्कूल खुलने से बाहर जाने वाले लोग दीपावली पर भी अपने घर नहीं जा पाएंगे। सरकार के इस आदेश के बाद माध्यमिक स्कूलों के साथ-साथ प्रदेश सरकार के कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

दीपावली 31 अक्टूबर को मनाएं या 1 नवंबर को, इसे लेकर चल रहे भ्रम को प्रमुख ज्योतिषाचार्यों ने दूर किया है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 31 अक्टूबर को दीपावली मनाना उत्तम होगा।

31 को सूर्यास्त के डेढ़ घंटे बाद लक्ष्मी और गणेश पूजा का मुहूर्त शुरू होगा। विशेष मुहूर्त शाम 6:48 से 8:18 बजे के बीच है। सूर्यास्त के बाद पूरी रात पूजन के लिए अच्छा समय रहेगा। दीपावली के मुहूर्त को लेकर फैले भ्रम को दूर करने के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्यों की मौजूदगी में विभिन्न राज्यों और नेपाल के प्रमुख ज्योतिषाचार्यों की मंगलवार को ऑनलाइन बैठक हुई। करीब ढाई घंटे तक यह बैठक चली। लखनऊ परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने बताया कि धर्मशास्त्र निर्णय सिंधु में रजनी शब्द का इस्तेमाल हुआ है। इस शब्द के अर्थ को लेकर भ्रम के चलते कुछ विद्वानों ने एक नवंबर को दीपावली का निर्धारण किया है, जो गलत है।

प्रो. झा के मुताबिक रात के आदि और अंत के डेढ़-डेढ़ घंटे को छोड़कर रजनी काल होता है। यानी बीच के नौ घंटे का समय ही रजनी काल कहलाता है। इसलिए दीपावली 31 अक्टूबर को मनाना उत्तम रहेगा।

ऑनलाइन बैठक में दरभंगा से प्रो. शिवाकांत झा, लखनऊ से प्रो. मदनमोहन पाठक, तिरुपति से प्रो. श्रीपाद भट्ट, नागपुर से प्रो. कृष्णकांत पांडेय, कर्नाटक से प्रो. हंसधर झा आदि शामिल रहे।

सरकारी जमीन पर अवैध मस्जिद खड़ी कर दी

कुशीनगर में हो रहा व्यापक विरोध

कुशीनगर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से सरकारी जमीन पर कब्जा कर मस्जिद और ईदगाह बनाने का मामला सामने आया है। इसे गिराने की मांग करने पर हिंदू शिकायतकर्ता को दाऊद इब्राहिम के नाम से धमकी दी जा रही है। ये मजहबी स्थल जिले के तमकुहीराज के गहड़िया चिंतामणि गाँव में सड़क किनारे बने हैं।

बताया जा रहा है कि ये निर्माण उस समय किए गए जब प्रदेश में सपा की सरकार थी। इस मामले में गांव के पूर्व प्रधान इस्लाम अंसारी की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गांव गड़हिया चिंतामणि को आसपास के कस्बों से लोक निर्माण विभाग की एक सड़क जोड़ती है। इसी गाँव के रविंद्र शाही ने प्रशासन से शिकायत की है कि इस सड़क के किनारे एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर एक मस्जिद और ईदगाह का निर्माण करवाया गया है। शाही सहित कई अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि इन मजहबी स्थलों की वजह से लोगों

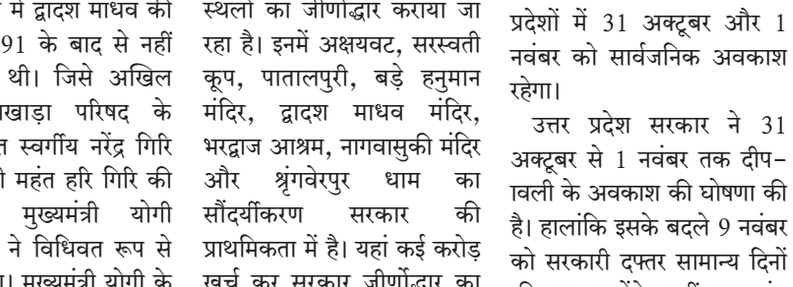

को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अवैध निर्माण का आरोप गड़हिया चिंतामणि गांव के पूर्व प्रधान इस्लाम अंसारी पर लगा है। शाही के मुताबिक समाजवादी पार्टी की सरकार में इस्लाम अंसारी की हनक हुआ करती थी।

उसी सरकार में पीडब्लूडी की जमीन घेर कर पहले बाउंड्री करवाई गई और बाद में इस पर इमारत खड़ी कर दी गई। अब इस मस्जिद में नमाज़ भी होती है। सड़क से सटी इस मस्जिद में माइक आदि भी लगवा दिए गए हैं। धीरे-धीरे मस्जिद के आसपास की भी काफी जमीन घेर ली गई और वहां ईदगाह का निर्माण करवा दिया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार राजस्व विभाग की टीमें मौके की जांच कर रिपोर्ट उच्चधिकारियों को भेज चुकी हैं। इस रिपोर्ट में मस्जिद और ईदगाह सरकारी जमीन पर बने होने की बात कही गई है। हालांकि इस रिपोर्ट पर अभी तक सीनियर अधिकारियों ने कोई निर्णय नहीं लिया है।

बकौल रविंद्र शाही जब से उन्होंने इस अवैध निर्माण की शिकायत प्रशासनिक अधिकारियों से की है तभी से उनको परिवार सहित जान से मार डालने की धमकियां मिल रहीं हैं।

ये धमकियां दाऊद इब्राहिम के नाम से दी जा रही हैं। धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई है। धमकाने वाले व्यक्ति ने फेसबुक पर दाऊद इब्राहिम की प्रोफ़ाइल फोटो लगा रखी है।

निराश्रित महिलाओं को मिली पेंशन की तीसरी किस्त

29 लाख महिलाओं के खाते में पहुंची पेंशन की धनराशि

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दीपावली और छठ के त्यौहार को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर निराश्रित महिलाओं के खाते में उनके पेंशन की तीसरी किस्त भेज दी गई है। पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत प्रदेश की लाखों महिलाओं के खाते में तीसरी तिमाही की पेंशन राशि सीधे जमा की गई है। इसके जरिए योगी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि इन महिलाओं के घरों में भी दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जा सके। यह सीएम योगी की उन महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता जो अपने पति की मृत्यु के बाद आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही हैं।

योगी सरकार ने प्रदेश के 29 लाख से अधिक निराश्रित महिलाओं को यह आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन में स्थिरता और राहत प्रदान की है। पेंशन की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित कर दी गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पर हर जरूरतमंद महिला को यह सहायता समय पर मिलनी चाहिए। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश की सभी गरीब और निराश्रित महिलाएं भी दीपावली का उत्सव उसी खुशी के साथ मना सकें जैसे अन्य वर्ग के लोग मना रहे हैं।

पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत वे महिलाएं लाभार्थी हैं, जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है और जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2 लाख रुपए से अधिक नहीं है। साथ ही यह भी अनिवार्य है कि लाभार्थी महिला किसी अन्य राज्य या केंद्र सरकार की पेंशन योजना से लाभान्वित न हो रही हो। यह योजना उन महिलाओं के लिए एक संजीवनी है जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही हैं और जिन्हें किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं प्राप्त हो रही है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत इस योजना की तीन तिमाही किस्तों में पेंशन राशि का वितरण किया गया है। पहली तिमाही में 26.12 लाख लाभार्थियों को 78,838.54 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। दूसरी तिमाही में 28.47 लाख लाभार्थियों के खातों में 91,517.75 लाख रुपए भेजे गए। वहीं तीसरी तिमाही में दीपावली के अवसर पर 29.03 लाख लाभार्थियों को 90,176.91 लाख रुपए की राशि दी गई है। दीपावली से पहले लाभार्थियों के खाते में धनराशि भेजकर उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित की गई है, जिससे वे बिना किसी चिंता के त्योहार मना सकें।

वित्तीय वर्ष 2024-25 से पेंशन वितरण प्रक्रिया को आधार आधारित भुगतान प्रणाली/पीएफ़एमएस (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली)से जोड़ा गया है। इस तकनीक के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधी पेंशन राशि हस्तांतरित की जा रही है। यह कदम वितरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और त्वरित बनाता है, जिससे लाभार्थियों को राशि का इंतजार नहीं करना पड़ता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य में कोई भी पात्र महिला इस पेंशन योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि दीपावली के पर्व पर हर घर में रौशनी होनी चाहिए, और राज्य सरकार इस दिशा में पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। योगी सरकार ने प्रदेश के वंचित वर्गों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। निराश्रित महिला पेंशन योजना उनमें से एक महत्वपूर्ण योजना है, जो महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से सरकार न केवल आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति अपने दायित्व का बखूबी निर्वाहन भी कर रही है। योगी सरकार का यह कदम प्रदेश के विकास और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है, जो यह सुनिश्चित करता है कि राज्य का प्रत्येक नागरिक सम्मान और गरिमा के साथ जीवन यापन कर सके

संपादकीय

रुको, सोचो, टांग दो

साइबर अपराधियों और जालसाजों का खौफ इतना बढ़ चुका है कि प्रधानमंत्री मोदी को भी 'मन की बात' में इसका जिक्र करना पड़ा। प्रधानमंत्री को देश की चिंताओं के साथ अपने सरोकार साझा करने पड़े। उन्होंने आह्वान किया कि ऐसी घटनाओं से डरना नहीं है, क्योंकि यह सब कुछ फर्जीवाड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक मूल मंत्र का सुझाव भी दिया है कि जब भी कोई ऐसी कॉल आए और आपको 'डिजिटल अरेस्ट' करने की कोशिश की जाए, तो आपको यह करना चाहिए-'रुको, सोचो और फिर एक्शन लो।' किसी भी प्रधानमंत्री ने पहली बार देश को स्पष्ट किया है कि सीबीआई, ईडी, कस्टम, पुलिस आदि सरकारी एजेंसियां फोन पर गिरफ्तारी की धमकियां नहीं देती हैं और न ही यह उनकी कार्यप्रणाली है। यदि कोई अपराध हुआ है, तो उसकी जांच करने और दंड देने की कार्यप्रणालियां तय हैं। दरअसल देश का आम आदमी इन सरकारी एजेंसियों की प्रक्रिया नहीं जानता और उनसे खौफ खाता है, लिहाजा उनकी आड़ में जालसाज लूट रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को आश्वस्त भी किया है कि सरकार साइबर अपराध, जालसाजी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने जा रही है। एजेंसियों ने अपने काम आरंभ भी कर दिए हैं।

प्रधानमंत्री को देश की चिंताओं के साथ अपने सरोकार साझा करने पड़े। उन्होंने आह्वान किया कि ऐसी घटनाओं से डरना नहीं है, क्योंकि यह सब कुछ फर्जीवाड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक मूल मंत्र का सुझाव भी दिया है कि जब भी कोई ऐसी कॉल आए और आपको 'डिजिटल अरेस्ट' करने की कोशिश की जाए, तो आपको यह करना चाहिए-'रुको, सोचो और फिर एक्शन लो।' किसी भी प्रधानमंत्री ने पहली बार देश को स्पष्ट किया है कि सीबीआई, ईडी, कस्टम, पुलिस आदि सरकारी एजेंसियां फोन पर गिरफ्तारी की धमकियां नहीं देती हैं और न ही यह उनकी कार्यप्रणाली है। यदि कोई अपराध हुआ है, तो उसकी जांच करने और दंड देने की कार्यप्रणालियां तय हैं।

बहरहाल प्रधानमंत्री के इस सरोकार का अपना ही महत्व है, क्योंकि यह जालसाजी और डिजिटल अरेस्ट किसी महामारी की तरह फैल रही है। साइबर अपराधियों ने किसी उद्योगपति से 7 करोड़ रुपए लूट लिए, तो एक सेवानिवृत्त यूनिवर्सिटी प्रोफेसर को 75 लाख रुपए किसी अनाम बैंक खाते में ट्रांसफर करने को विवश कर दिया। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में किसी से 19 लाख रुपए लूट लिए और जालसाज ने खुद को 'मुंबई फाइनेंशियल टास्क फोर्स' का सदस्य बताया। साइबर अपराधियों ने हर रोज अखबार बेचने वाले को भी नहीं बख्शा और उसके खाते से 1 लाख रुपए झटक लिए। दरअसल यह जालसाजी और लूटने की आधुनिकतम प्रौद्योगिकी है। ये अपराधी पढ़े-लिखे इंजीनियर नहीं, बल्कि बेहद औसत किस्म के होते हैं, लेकिन वे 'साइबर अपराध' के पक्के खिलाड़ी हैं। हरेक जालसाजी में एक पुलिसवाला होता है, जिसकी वर्दी नकली होती है। उसके अलावा, सीबीआई, ईडी, कस्टम, नारकोटिक्स, कभी-कभार रिजर्व बैंक आदि का प्रतिनिधि भी बताते हैं। नकली सर्वोच्च अदालत भी दिखा दी जाती है और फर्जी वारंट भी पेश कर दिया जाता है। वीडियो कॉल पर बात करते हुए अपराधी बार-बार कहते हैं कि पास में कोई तीसरा आदमी नहीं होना चाहिए। कभी-कभार पुलिसिया रौब भी दिखाते हैं। जालसाज इतना मनोवैज्ञानिक दबाव डालते हैं कि डिजिटल अरेस्ट वाला व्यक्ति, अंततः, पैसा ट्रांसफर करने को विवश हो जाता है। ये अपराधी अपने नकारात्मक हुनर में इतने सिद्धहस्त होते हैं कि किसी के बेटा, बेटी या अन्य परिजन की आवाज 'क्लोन' करके भी सुना देते हैं। आप उस आवाज को ही 'असली' मान कर समझौता करने को तैयार हो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में इस फर्जीवाड़े को पूरी तरह साझा किया है। 'नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' पर 1 जनवरी से 30 अप्रैल, 2024 के बीच 7.4 लाख शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। 'इंडियन साइबर क्राइम कॉऑरडिनेशन सेंटर' के मुताबिक, जालसाजियों की कई किस्में हैं-डिजिटल अरेस्ट, ट्रेडिंग स्कैम, निवेश घोटाला, रोमांस, डेटिंग स्कैम आदि। इसी साल जनवरी से अप्रैल के बीच भारतीयों ने डिजिटल फ्रॉड में 120.3 करोड़ रुपए गंवाए हैं, जबकि ट्रेडिंग घपले में 1420.48 करोड़, निवेश घोटाले में 222.58 करोड़ और रोमांस, डेटिंग स्कैम में 13.23 करोड़ रुपए खोए हैं। रपटों के मुताबिक, कई जालसाज, अपराधी म्यांमार, लाओस, कंबोडिया आदि देशों में हो सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रपट में उल्लेख है कि 2023-24 में कार्ड और इंटरनेट संबंधी फ्रॉड केस हुए हैं। सवाल यह है कि सरकार इन अपराधों से आम आदमी को कैसे मुक्ति दिला सकती है? भारत में साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन उसकी विशेषज्ञ पुलिस हमारे पास नहीं है। जो सामान्य पुलिस है, उसे ही बदल-बदल कर साइबर का काम सौंप लिया जाता है। उन्हें जालसाजों की तरह महारत हासिल नहीं है और न ही वे बदलती प्रौद्योगिकी के जानकार हैं। औसतन 3-4 लाख लोगों पर एक पुलिसवाला है।

दीपावली रौशनी का त्यौहार है,जो हमारे जीवन में रौशनी लाता है

सत्व, रज व तम के समन्वयक हैं दीपक

सुनील कुमार महला

दीपावली का पावन त्योहार बहुत ही हर्ष,खुशी, उमंग व उल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहार कोई भी हो, हंसी-खुशी, समृद्धि, सकारात्मकता, पवित्रता व असीम ऊर्जा का प्रतीक होता है। आज भी दीपावली मनाई जाती है, पहले भी मनाई जाती थी लेकिन समय का रंग हमारे सभी त्योहारों पर ऐसा चढ़ गया है कि अब हर त्योहार आधुनिकता, शहरीकरण,दिखावे, बनावटीपन व पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगते चले जा रहे हैं, और दीपावली का त्योहार भी इन सबसे अछूता नहीं रहा है।

हर वर्ष हम कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को दीपावली का पावन त्योहार बहुत ही हर्ष,खुशी, उमंग व उल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहार कोई भी हो, हंसी-खुशी, समृद्धि, सकारात्मकता, पवित्रता व असीम ऊर्जा का प्रतीक होता है। आज भी दीपावली मनाई जाती है, पहले भी मनाई जाती थी लेकिन समय का रंग हमारे सभी त्योहारों पर ऐसा चढ़ गया है कि अब हर त्योहार आधुनिकता, शहरीकरण,दिखावे, बनावटीपन व पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगते चले जा रहे हैं, और दीपावली का त्योहार भी इन सबसे अछूता नहीं रहा है। दीपावली (संस्कृतः दीपावलिः = दीप + आवलिः = पंक्ति, का अर्थ ही पंक्ति में रखे हुए दीपकों से होता है, लेकिन अब दीपावली पर मिट्टी के दीपक कम, चाइनीज़ लाइटें, लड़ियां, रंग-बिरंगे बल्ब, एलईडी लाइटें अधिक जलतीं नजर आतीं हैं। दीपावली रौशनी का त्योहार है,जो हमारे जीवन में रौशनी लाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिवाली के त्योहार का धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। प्रकाश का यह पर्व हम सभी को सीख देता है कि केवल बाहरी चकाचौंध ही नहीं, अपने मन के भीतर भी प्रकाश उत्पन्न करना जरूरी है। रौशनी के इस पवित्र त्योहार पर पंच तत्वों के प्रतीक मिट्टी के दीपक आज जलते तो हैं लेकिन धीरे-धीरे इनकी संख्या में लगातार कमी देखी जा रही है। जो बात मिट्टी के दीपकों में है वह चाइनीज़ लाइटों, झालरों व बल्बों में कहां है ? हमारी भारतीय सनातन संस्कृति और हमारे शास्त्रों में मिट्टी के दीपक को तेज, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक माना गया है। जब भगवान श्रीराम चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, तब अध्योध्यावासियों ने मिट्टी के दीये(घी के दीपक) जलाकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया था। वास्तव में, दिवाली पर मिट्टी के दीपक जलाने के पीछे धार्मिक महत्व भी है। मिट्टी के दीपक न केवल हमारे पर्यावरण व प्रकृति का ध्यान रखते हैं, अपितु यह हमारी सादगी,संपन्नता, सुख-समृद्धि , शांति व ऐश्वर्य के भी प्रतीक हैं। यह बात तो हम सभी जानते हैं कि इस संपूर्ण ब्रह्मांड की रचना पंचतत्वों से हुई है, जिसमें जल, वायु, आकाश, अग्नि और भूमि शामिल हैं। वास्तव में,मिट्टी का दीपक भी इन पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है। मिट्टी का दीपक वर्तमान का प्रतीक माना गया है, जबकि उसमें जलने वाली

प्रज्ज्वलित 'लौ' भूतकाल का प्रतीक होती है। जब हम रुई की बाती डालकर दीप प्रज्जवलित करते हैं तो वह आकाश, स्वर्ग और भविष्यकाल का प्रतिनिधित्व करती है। मिट्टी मंगल ग्रह का प्रतीक है और मंगल साहस और पराक्रम का। तेल शनि भगवान का प्रतीक है। वहीं पर मिट्टी के दीपक में घी समृद्धि व शुक्र का प्रतीक माना जाता है।आज दीपावली इलैक्ट्रिक लाइटों का त्योहार हो गई है। सच तो यह है कि आधुनिकता, शहरीकरण की चकाचौंध में हमारे प्राचीन रीति-रिवाज आज बहुत पीछे छूट रहे हैं। हिंदू धर्म में मिट्टी के दीपकों का बहुत महत्व है। पूजा-अर्चना से लेकर जन्म-मरण के विधि-विधानों में मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा हमारे देश में रही है। दीपक में ईश्वर का वास माना जाता है, इनमें देवी-देवताओं का तेज होता है, सकारात्मक ऊर्जा होती है। ऋग्वेद काल से लेकर हर युग व काल में दीपकों का महत्व किसी से छुपा नहीं हुआ है। हमारे वेदों, उपनिषदों में गाय के घी से दीपक जलाने के अनेक वर्णन मिलते हैं। वर्णन मिलता है कि द्वापर युग में कृष्ण के नरकासुर राक्षस वध के बाद वहां के वासियों ने दीपक जलाकर जीत की खुशी को प्रकट किया था। वास्तव में दीपक आत्मा के परमात्मा से मिलन का मार्ग खोलता है। मिट्टी का दीपक वास्तु दोष को समाप्त करने की अद्भुत क्षमता रखता है। आज घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों में रंग-बिरंगी लाइटें, झालरें भले ही जगमगाती हों लेकिन मिट्टी के दीपकों की आभा और नूर कुछ अलग ही दमकता व झलकता है। मिट्टी के दीपक जब जलते हैं तो वे हमें किसी दिव्यलोक का सा अहसास कराते हैं। मिट्टी के दीपक दुःख, आलस्य, निर्धनता को दूर करके जीवन में सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य, खुशी, स्फूर्ति, आनंद, ऐश्वर्य लाते हैं। आज मिट्टी के दीपकों से भले ही महंगाई के कारण, आधुनिकता व पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के प्रभाव के कारण, मिट्टी के दीपकों में तेल-बाती डालने के झंझटों के कारण भले ही मोह भंग हो गया हो, लेकिन मिट्टी के दीये के मुकाबले इलैक्ट्रोनिक लाइटें, झालरें, लड़ियों के प्रकाश की आभा कहीं भी नहीं ठहरती है। मिट्टी के दीपक जहां कीट-पतंगों का नाश करते हैं और हमारे पर्यावरण को शुद्ध बनाते हैं वहीं इलेक्ट्रोनिक लाइटें यह सब संभव नहीं कर पातीं हैं। आज कृत्रिम लाइटें, झालरें, लड़ियां कुम्हारों के रोजगार पर भी आफ़त बनकर टूट रही है। चाइनीज़ लाइटों, झालरों, लड़ियों के उपयोग से हम अपने देश की अर्थव्यवस्था पर भी कहीं न कहीं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डाल रहे होते हैं। पर्यावरण संरक्षण तो दूर की बात इसलिए रह जाती है क्योंकि दिवाली पर होने वाले पटाखों के प्रदूषण को हम मिट्टी के दीपक जलाकर रोकते नहीं है। हमारा संपूर्ण ध्यान आधुनिक चकाचौंध पर होता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मिट्टी का एक छोटा सा दीया गहरे अंधकार में भी उजास की लौ जलाकर रखता है। मिट्टी से मानवजाति का जन्म-जन्मांतर का रिश्ता है और हम इस रिश्ते को लगातार भूल रहे हैं। मिट्टी हमारे पर्यावरण, हमारे परिवेश का अहम् और महत्वपूर्ण हिस्सा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला हो या माता पार्वती के जन्म की कहानी, मिट्टी का हर युग में वर्णन मिलता है। भारतीय संस्कृति में दीपों का इतिहास अति प्राचीन है। विशेषज्ञों व इतिहासकारों के मत के अनुसार शुरूआत में दीपक पत्थर को तराशकर बनाए गए होंगे, लेकिन धीरे-धीरे सभ्यता के विकास के साथ मिट्टी के दीपक बने। जानकारी मिलती है कि दीयाबत्ती या मोमबत्ती का आविष्कार भी 5 हजार साल से पहले हो गया था और इसके लिए वनस्पति तेल या जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल होता था। ऐसी जानकारी मिलती है कि घरों में रौशनी के लिए मशालों, दीपकों और लालटेनों का विकास प्राचीन भारत, चीन और मिस्र की सभ्यताओं में हो गया था।पुरात्तत्विदों को सिंधु घाटी सभ्यता से आगे हर सभ्यताओं व विभिन्न राजवंशो के खुदाई में विभिन्न प्रकार के दीये प्राप्त हुए हैं।

दृष्टि कोण

कश्मीर युद्ध के गुमनाम नायक शेर जंग थापा

बाईस अक्तूबर 1947 को पाक सेना ने हजारों कबायली लड़ाकों के साथ जम्मू-कश्मीर रियासत पर हमला कर दिया था। जम्मू-कश्मीर के शासक 'हरि सिंह' के लिए परिस्थितियां गंभीर हो चुकी थीं। 26 अक्तूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर रियासत का भारत में इलहाक हुआ तो रियासत की स्टेट फोर्सेज भितरघात का शिकार हो गई। गिलगित व बलोचिस्तान की सुरक्षा में तैनात जम्मू-कश्मीर राज्य की फोर्स 'गिलगित स्काउट' तथा सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक विद्रोह करके पाक सेना से जा मिले थे। गिलगित स्काउट के कमांडर मेजर 'विलियम ए ब्राउन' ने गिलगित के गवर्नर ब्रिगेडियर 'घनसारा सिंह' को कैद करके एक नवंबर 1947 को अपने मुख्यालय पर पाकिस्तान का परचम फहरा दिया था। गिलगित एजेंसी की सीमा पर 'बुंजी' में तैनात 'जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री' की 'छठी' बटालियन के कर्नल 'अब्दुल मजीद खान' को भी कैद कर लिया गया था। उसी बटालियन के कैप्टन 'मिर्जा हसन खान' ने सैंकड़ों मुस्लिम सैनिकों के साथ मिलकर बगावत को अंजाम देकर बुंजी के निकट 'जंगलोट' में तैनात अपनी ही सिख कंपनी पर हमला करके कई सिखों को हलाक कर दिया तथा पाक सेना से जा मिले थे। उसी छठी जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री में सेवारत हिमाचल के 'शेर जंग थापा' उस समय अपनी एक कंपनी के साथ लद्दाख सेक्टर में तैनात थे। शेर जंग थापा को कर्नल पद पर पदोन्नत करके स्कर्दू में अपनी बटालियन की कमान संभालने का आदेश मिला। लद्दाख से स्कर्दू तक का सफर पैदल तय करके शेर जंग तीन दिसंबर 1947 को स्कर्दू पहुंचे। शेर जंग ने कैप्टन कृष्ण सिंह के नेतृत्व में सिख सैनिकों को 'त्सारी' तथा कैप्टन 'गंगा सिंह' के नेतृत्व में एक सैन्य दस्ता 'कारगिल' में तैनात किया। मात्र साठ सैनिकों के साथ शेर जंग ने स्कर्दू में मोर्चा संभाला। दस फरवरी 1948 को कैप्टन प्रभात सिंह दो कंपनियों के साथ शेर जंग की सहायता के लिए स्कर्दू पहुंचे, मगर शेर जंग की बटालियन के कैप्टन 'नेक आलम' ने अपने मुस्लिम सैनिकों के साथ पाक फौज से मिलकर दस फरवरी 1948 को स्कर्दू के त्सारी में तैनात सिख कंपनी पर हमला करके कैप्टन कृष्ण सिंह सहित लगभग पूरी कंपनी को हलाक करके पाक सेना में शामिल हो गया। 12 फरवरी 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले की घेराबंदी करके हमले शुरू कर दिए। शेर जंग के नेतृत्व में सैनिक पाक फौज के हमलों को नाकाम करते रहे, लेकिन पाक फौज की उस बड़े पैमाने की घेराबंदी के बाद शेर जंग को सैन्य सहायता नसीब नहीं हुई थी। जम्मू-कश्मीर राज्य बलों से बगावत करके पाक सेना से जा मिले कर्नल बुरहानुद्दीन, मोहम्मद खान व बाबर खान गिलगित स्काउट की कमान संभाल कर स्कर्दू किले को घेर चुके थे। शेर जंग की बटालियन के भगोड़े कर्नल ' एहसान अली' की कयादत में 'आईबेक्स फोर्स' तथा चित्राल रियासत के 'चित्राल स्काउट व चित्राल बाडीगार्ड' के साथ सैंकड़ों कबाइली व पश्तून लड़ाकों को कर्नल मताउल मुल्क की कमान में पाक सिपाहसालारों ने स्कूर्द किले की घेराबंदी में तैनात किया था। मिर्जा हसन खान को बुंजी सेक्टर का गर्वनर तथा कर्नल 'असलम खान' 'पाशा' को गिलगित स्काउट का कमांडर नियुक्त कर दिया था। शेर जंग की मदद के लिए ब्रिगेडियर 'फकीर सिंह' तथा कर्नल संपूर्ण बचन सिंह की कमान में दो बड़े सैन्य दल श्रीनगर से सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर तय करके स्कर्दू के लिए जरूर निकले थे। मगर उसी गिलगित स्काउट के सैनिकों ने उन सैन्य दस्तों पर घात लगाकर हमले किए जिसमें बड़ी संख्या में सैनिक शहीद हुए। नतीजतन कोई भी सैन्य दल स्कर्दू तक नहीं पहुंच सका। दरअसल जम्मू से श्रीनगर, जोजिला, कारगिल, द्रास से स्कर्दू तक का सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर, भीषण ठंड, बेहद दुर्गम क्षेत्र हमारे सैनिकों के लिए चुनौती बन चुका था। पाक सेना सभी रास्तों पर किलेबंदी कर चुकी थी। जम्मू कश्मीर रियासत के सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक पाक सेना का हिस्सा बनकर कश्मीर के स्कर्दू व लद्दाख के महाज पर लड़ रहे थे। स्कर्दू के बचाव के लिए जितनी सेना व हथियारों की जरूरत थी, उतनी तादाद में सैनिक व असलाह शेर जंग तक नहीं पहुंचा। 17 जून 1948 को पाक फौज ने शेर जंग को आत्मसमर्पण का पैगाम भेजा जिसे शेर जंग ने ठुकरा दिया था। 12 अगस्त 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले पर जोरदार हमला किया। शेर जंग के सैनिकों ने पलटवार करके कई पाक सैनिकों को हलाक करके वो हमला नाकाम किया, मगर स्कर्दू किले में गोला बारूद व खाद्य आपूर्ति समाप्त हो चुकी थी। आखिर भारतीय सेना के श्रीनगर डिवीजन के कमांडर के अनुरोध पर कर्नल शेर जंग थापा ने स्कर्दू किले को छोडऩे का फैसला लिया।

कुछ अलग

मध्यमवर्गीय व्यथा अनंता

कामलीला मैदान समस्त मैदानों में सबसे खास है। वहां पर वर्ग इंतकाम यज्ञ चल रहा था। एक दिन सोमेश मुनि वहां पधारे। तब वहां पर एकत्रित समस्त पाक शास्त्रियों ने उनसे अनुरोध किया कि वे उन्हें लोकतंत्र के वर्ग महापुराण की कथा व्यथा सुनाएं। उनके अनुरोध पर पहले उन्होंने उच्च वर्ग की कथाएं विस्तार से सुनाईं और फिर निम्न वर्ग की। अंत में उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण मध्मवर्गीय जीव की कथा सुनाते कहा, 'हे मस्तशास्त्रीगण! तीनों वर्गों में यह वर्ग सबसे महत्वूपर्ण है। ये जो मध्यमवर्ग है, यह वर्ग अनंत, इसकी कथा व्यथा अनंता। इस वर्ग के माहात्मय का वैसे तो कोई वर्णन नहीं कर सकता। मध्यमवर्ग अनंत असफल इच्छाएं-आकांक्षाएं धारण करने वाला वर्ग है। इसके मुख पर पल में प्रसन्नता के तो पल में दुःख के भाव आते-जाते रहते हैं। इस वर्ग के कदम-कदम पर विघ्नों का वास रहता है। इस वर्ग का जीव बहुत भावुक टाइप का जीव होता है। यह दिखावे को ही हुंकार भरता है। इसके पास डरपोक भावनाओं के सिवाय और कुछ नहीं होता। भावनाएं ही इसकी पूंजी होती हैं। इसका शोषण करने की कुंजी होती है। इस वर्ग का जीव अपने मरने को लेकर उतना भावुक नहीं होता जितना वह दूसरों के जीने को लेकर भावुक होता है। यह खुद जीते-जीते मरो और दूसरों के जीने दो के सिद्धांत का मौन समर्थक होता है। इस वर्ग का जीव शर्म से बहुत डरता है। इसीलिए भगवान का नाम लेते हुए कदम कदम पर ईमानदारी की बात करता है। इसे हुज्जत नहीं, इज्जत प्यारी होती है। इसे लगता है जो इसकी इज्जत की पतलून उतर गई तो वह निम्न मध्यमवर्ग में जा गिरेगा। वह गिरना नहीं, उठना चाहता है। इसी चक्कर में वह लूटना नहीं लुटना चाहता है। इस वर्ग का जीव रिश्तों को लेकर बहुत भावुक होता है। इसे लगता है कि जो उसने जो रिश्ते न निभाए तो इस दुनिया से रिश्तों पर से विश्वास उठ जाएगा। रिश्तेदार उस पर थूकेंगे। रिश्तेदार उस पर मूतेंगे। इसलिए यह रिश्ते बचाते बचाते मर जाता है। मरने के बाद भी रिश्ते निभाते निभाते रिश्तेदारों से जूते खाता है। जिसकी किस्मत में मरने के बाद भी जूते खाना लिखा हो, उसे आप मजे से आंखें बंद किए मध्यमवर्ग श्रेणी के जीव में रख सकते हैं। इसके जीते जी तो जीते जी, इसके मरने के बाद भी आपके मन में जो आए उसे पूरे उत्साह से बक सकते हैं। यह किसी के बके का बुरा नहीं मानता। क्योंकि मरने से पहले और मरने के बाद जूते खाना इस वर्ग के जीव की नियति होती है। परिवार को उच्च वर्ग में लाने की कोशिश में मरते मरते मरने के बाद पैसे बचाने के चक्कर में बिन गाय के ही यह वैतरणी पार कर जाता है। फिर मरने के बाद भी मर चुके रिश्ते निभाता है। रिश्तों के बचे कर्ज चुकाता है। यमलोक के किसी भी बैंक से जैसे तैसे फिर लोन लेकर। मृत्युलोक के बैंकों का डिफाल्टर रहा हो तो रहा हो। मरने के बाद भी बैंक का डिफाल्टर होना इस वर्ग के हेड जीव का सौभाग्य है। जिस मध्यमवर्गीय परिवार का हेड जीव लिया लोन चुका मरता है, वह नरक को जाता है। जो मध्यवर्गीय हेड दसियों बैंकों का डिफाल्टर होकर मरता है, स्वर्ग में उसकी जय जयकार होती है। इस वर्ग का जीव उतना अपने को लेकर भावुक नहीं होता जितना वह तीज त्योहारों वारों को लेकर भावुक होता है। इसे लगता है कि जो यह तीज त्योहार नहीं मनाएगा तो तीज त्योहारों को अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। इसलिए यह हर तीज त्योहार को अपनी जेब को ताक पर रख उसे पूरे उल्लास से डरते मरते पूरे अधूरे उल्लास, उखड़ी सांस से मनाता है। हर त्योहार को मनाने के बाद रात को त्योहार को मनाने के लिए लोन को हटाने के बारे में सोचता सोचता नींद न आने पर भी सो जाता है। जब भी कोई त्योहार आता है तो बीवी और विज्ञापन इसके दिमाग की धडक़नें और बढ़ा देते हैं। तब इसका बीपी बढ़. जाता है। पर इसकी विवशता! न तो वह बीवी को छोड़ सकता है, न विज्ञापनों को।

देश दुनिया से

भ्रष्टाचार-महंगाई रोकने के उपाय

भ्रष्टाचार और महंगाई दो ऐसे सुरसा के खुले मुंह जैसे रोग हैं जो देश में बढ़ते ही जा रहे हैं और हर सरकार यह घोषणा करती है कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन देगी और महंगाई नियंत्रित करेगी, पर जिस देश में आधे से ज्यादा सांसद, विधायक दागी हों, अरबपति हों और नोट देकर वोट खरीदते हों, वहां भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात दिवास्वप्न जैसी ही लगती है। सबसे पहला भ्रष्टाचार तो वहां शुरू हो जाता है जहां चुनाव लडऩे वाले जो विवरण चुनावी खर्च का देते हैं, उसे 99 प्रतिशत प्रत्याशियों का चुनाव आयोग स्वीकार कर लेता है। कौन नहीं जानता कि धन बल, बाहुबल और शराब की नदियां बहाकर अधिकतर चुनावी संग्राम जीते जाते हैं। जीतने वाले और हारने वाले दोनों इन्हीं शस्त्रों का सहारा लेते हैं, पर पूरे देश में न महंगाई नियंत्रण में हुई और न भ्रष्टाचार। यह ठीक है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भ्रष्टाचार नियंत्रण करने की बात कही थी और उन्होंने अपने समय में विधायक समेत कई प्रमुख लोगों को जेल में भिजवाया। आईएएस, आईपीएस तक के अधिकारी पकड़े गए और अभी कुछ दिन पूर्व ही पंजाब के मुक्तसर के एडीसी भी सलाखों के पीछे पहुंच गए। मेरा यह मानना है कि जो भी नेता या अधिकारी अनुचित अवैध साधनों से कमाया धन घर लाता है, उसके परिवार को, बच्चों को, पत्नी को उसकी पूरी जानकारी होती है, क्योंकि उसी धन के बल पर वे आकाश पर उड़ते हैं और देश-दुनिया घूमते हैं। वैसे यह हर दिन का समाचार है कि पुलिस के कनिष्ठ, वरिष्ठ बहुत से कर्मचारी पकड़े गए। नागरिक प्रशासन के लोग भी पकड़े गए और सत्ता पक्ष के कुछ कार्यकर्ता भी जो रिश्वत मांगते या बिचौलिये का काम करते थे, पकड़ लिए। यह भ्रष्टाचार को नकेल डालने का एक स्वस्थ प्रयास है। वैसे रिश्वत लेने वाले कुछ ज्यादा ही हिम्मत रखते हैं। यह देखने के बाद भी कि रिश्वत लेने वाले पकड़े गए, अपमानित हुए, जेलों में भेजे गए और उनके रिटायरमेंट के सारे लाभ खत्म हो रहे हैं, फिर भी वे हिम्मत करके रिश्वत ले ही लेते हैं, लेकिन यह मानना पड़ेगा कि जब तक नैतिक मूल्यों की समाज में ज्यादा मान्यता नहीं होती, दंड से ही भ्रष्टाचार रोकना होगा। लड़ाई अभी बहुत लंबी है, पर इसके लिए एक काम तो करना ही पड़ेगा, वह है परिवार का रिश्वत के पैसे को नकार देना। मैं यह विश्वास रखती हूं कि अगर परिवार की महिलाएं, माता, पत्नी, बेटियां अपने पति-पिता-पुत्र को यह सख्ती से समझा दें कि घर में मेहनत की कमाई आएगी, रिश्वत की नहीं, तब बहुत अंतर पड़ सकता है, पर अब तो महिला अधिकारी भी रिश्वत लेने में संकोच नहीं करतीं। इसलिए यह परिवार के किशोर और युवा बच्चों को निर्णय लेना होगा कि उन्हें पिता की रिश्वत की कमाई से सुख सुविधाएं चाहिए या पिता का सम्मान और मेहनत की रोटी चाहिए। जिस दिन बच्चे पिता द्वारा आमदनी से अधिक लाया धन, उपहार और अन्य सुविधाएं पूरी तरह से नकार देंगे तब एक बहुत बड़ा परिवर्तन समाज में देखने को मिलेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। वैसे महिलाएं भी बहुत कुछ बदल सकती हैं। मैंने बार-बार यह लिखा है व समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि अगर देश की महिलाएं और परिवार के बच्चे यह तय कर लें कि वे सीमित साधनों में ही अपना गुजर बसर कर लेंगे तो रिश्वत लेने-देने की बीमारी काफी कम हो जाएगी। मेरा यह भी मानना है कि अगर विवाह शादियों पर भारी खर्च और अमीरी का प्रदर्शन बंद हो जाए तब भी कुछ ऐसे अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार से दूर रहेंगे जो यह तर्क देते हैं कि बच्चों की शादी के कारण उन्हें अनुचित साधनों से धन कमाना पड़ता है। राजस्थान के इतिहास में महारानी महामाया का बहुत सुंदर उदाहरण मिलता है। जब उसने यह तय कर लिया कि युद्ध में पीठ दिखा कर आए पति को किले में प्रवेश नहीं करने देगी और पति को यह आदेश सुना दिया कि उसका स्वागत होगा, पर जब वह विजयी अथवा रण क्षेत्र में शहीद होकर आएगा। इसका पूरा असर हुआ और पूरी शक्ति से शत्रुओं से जूझते हुए महाराजा जसवंत सिंह विजयी होकर वापस आए। इसी प्रकार अगर आज की महिलाएं, परिवारों के बच्चे यह संकल्प कर लें कि पिता, पति अथवा पुत्र द्वारा अनुचित साधनों से कमाया, घर लाया धन स्वीकार नहीं करेंगे तो अधिकतर लोग रिश्वत के मोह से बचेंगे और अपने देश को दीमक की तरह खा रही यह भ्रष्टाचार की बीमारी नियंत्रण में आ जाएगी। वैसे भी होना यह चाहिए कि जो अधिकारी या कर्मचारी, महिला या पुरुष कोई भी हो, अनैतिक साधनों से धन कमा कर लाता है, अगर उसका परिवार इस धन संपत्ति को स्वीकार कर ले तो उसे भी अपराधी घोषित किया जाना चाहिए। कुछ वर्ष पहले ही दिल्ली की एक अदालत ने रिश्वत लेने वाले अधिकारी की पत्नी को रिश्वत लेने के आरोप में दंडित किया था। भारतीय दंड संहिता की धारा 379, 380, जो अब बदल गई, के अंतर्गत चोरी का अपराध करने वाले को सजा होती है, पर साथ ही जो व्यक्ति जानते हुए भी कि वह जो वस्तु या धन संपत्ति स्वीकार कर रहा है चोरी का माल है, उसे भी भारतीय दंड संहिता की धारा 411 (पुरानी) के अंतर्गत गिरफ्तार करके सजा दिलवाई जाती है। अब इसका सीधा अर्थ यह है कि जो परिवार पति या परिवार के मुखिया द्वारा रिश्वत के रूप में लाई हुई धन संपत्ति को स्वीकार करता है उसे भी सलाखों के पीछे होना ही चाहिए। अगर इस धारा का सख्ती से पालन किया जाए तो बहुत से परिजन अपने परिवार के मुखिया को भ्रष्ट साधनों से धन कमाने से रोक लेंगे। एक पटवारी या एक डॉक्टर या एक वरिष्ठ अधिकारी पकड़ में आ गया तो यह नहीं समझ लेना चाहिए कि रिश्वतखोरों पर नकेल कसी गई। जब तक इस देश के चुनाव लडऩे वाले नेताओं के परोक्ष धन स्रोतों का पता लगा कर सब कुछ पकड़ा नहीं जाएगा, तब तक प्रशासनिक क्षेत्र से भी रिश्वत बंद नहीं हो सकती। जब तक ट्रांसफर करवाने और मनचाहे पदों पर नियुक्ति पाने के लिए इस देश और समाज में चांदी के पहियों का सहारा लिया जाएगा, तब तक कुछ वरिष्ठ अथवा कनिष्ठ अधिकारियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार करके पीठ थपथपाने वाली सरकारी मशीनरी कभी भी इस बुराई को दूर नहीं कर सकती।

भ्रष्टाचार मुक्त शासन देगी और महंगाई नियंत्रित करेगी, पर जिस देश में आधे से ज्यादा सांसद, विधायक दागी हों, अरबपति हों और नोट देकर वोट खरीदते हों, वहां भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात दिवास्वप्न जैसी ही लगती है। सबसे पहला भ्रष्टाचार तो वहां शुरू हो जाता है जहां चुनाव लडऩे वाले जो विवरण चुनावी खर्च का देते हैं, उसे 99 प्रतिशत प्रत्याशियों का चुनाव आयोग स्वीकार कर लेता है।

आप का नजरिया

त्यौहार के साथ लौटता हिमाचल

हिमाचल को देखने और मिलने आती दिवाली के पहियों पर, पथ परिवहन निगम की भूमिका के दीये भी जलते हैं साल जब-जब मनाता है त्योहार। इस बार विशेष गाडियों की रफ्तार सौ से शुरू होकर 155 सरकारी बसों तक पहुंच गई। त्योहार की पलकों पर हिमाचल की लौटती आशाएं पहाड़ पर समृद्धि की चांदनी लेकर भी आती हैं। यह चांदनी दूर किसी मंजिल पर जिंदगी को फतह करने के मंसूबों से रूबरू है, तो कदमताल करते प्रदेश के रास्तों को संभावना के अक्स पर खड़ा कर देती है। इस दौरान अगर सरकारी बसों में दस हजार लोग लौट रहे हैं, तो निजी वाहनों, वोल्वो व अन्य प्रदेशों की बसों से हजारों युवा अपने रोजगार के सेतु से घर-परिवार तक कुशलक्षेम पूछने पहुंच जाते हैं। रोजगार होना और रोजगार के योग्य होने में अंतर है। लौटते बीबीएन से युवा भी अपनी कहानी सुना देते हैं, लेकिन जिन मुहानों को छूकर बाहरी प्रदेशों से आते हैं, वहां प्रवासी होने के मायने दिखाई देते हैं। दिवाली मोटे तौर पर हजारों लोगों की वापसी नहीं, बल्कि जिंदगी से हासिल लम्हों के साथ लौटना है। अब यह हिमाचल रोजाना भी दौड़ता है और जब से फोरलेन निर्माण के साथ मंजिलें और गंतव्य नजदीक आ रहे हैं, रफ्तार का आलम राज्य में भी तस्वीर बदल रहा है। ऐसे में हमें रोजगार के हब खड़े करने हैं। विडंबना यह है कि औद्योगिक क्रांति ने प्रदेश के सीमांत इलाकों में आर्थिकी की पदचाप तो सुनी, लेकिन ये क्षेत्र रोजगार के सही मायने में डेस्टिनेशन नहीं बने। क्यों हिमाचली युवा प्रदेश की सीमा लांघते ही क्षमतावान हो जाता है। उसके चेहरे पर आत्मविश्वास और करियर की संभावना का विस्तार हो जाता है। बेशक हिमाचल के औद्योगिक क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ रही हैं, लेकिन रोजगार की सीढियां वहीं की वहीं हैं। वहां रोजगार का चेहरा दिहाड़ी सरीखा और भविष्य का एक कमजोर पक्ष है, जबकि देश की खाक छानकर युवा जो प्रोफेशन अपना रहे हैं, वहां का माहौल बीबीएन में स्थापित नहीं हो सका। रोज शाम ढलते बीबीएन की पोशाक में वह रुतबा नहीं, जो चंडीगढ़, दिल्ली, नोएडा, हैदराबाद, पुणे, मुंबई या ऐसे अनेक शहरों की अमानत में है। बीबीएन से एक पूरा राज्य अन्य प्रदेशों को लौटता और पूरे हिमाचल से लौटते हैं हर दिन सैंकड़ों प्रवासी। यहां की गाडियों के पहिए उन्हें उठाकर लाते हैं ताकि चिमनियों के धुएं में इनसान का परिश्रम उनके नाम हो जाए। हिमाचल का रोजगार हिमाचल के काम आए, इसके लिए भूमि और भूमिका में बदलाव चाहिए। जिस जमीन पर उद्योग या व्यापार खड़ा हो रहा है, वहां का रोजगार हिमाचली युवाओं के लिए सुनिश्चित हो, इसके लिए सोच, समझ और रास्ते बदलने पडेंग़े। लौटते हिमाचल की रगों में सफलता का ऐसा नशा, यहां रहते हुए भी तो पैदा हो सकता है, बशर्ते रोजगार के सृजन में प्रदेश की क्षमता के अवसर मिलें। हिमाचल प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों, कालेजों व विभिन्न संस्थानों ने सूचना प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम को बेहद बांट दिया, लेकिन डिग्री कंगाल हो गई।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया पर राजद्रोह का मुकदमा खत्म

ढाका,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को बड़ी कानूनी राहत मिल गई। ढाका हाई कोर्ट ने खालिदा जिया के खिलाफ दायर 11 आपराधिक मामलों को खत्म करने का फैसला सुनाया। शेख हसीना सरकार के कार्यकाल के दौरान खालिदा के खिलाफ 2015 में अलग-अलग समय पर ढाका के विभिन्न थानों में आगजनी, हिंसा और राजद्रोह के मामले दर्ज किए गए थे। ढाका हाई कोर्ट के जस्टिस एकेएम असदुज्जमान और जस्टिस सैयद इनायत हुसैन की पीठ ने यह फैसला सुनाया। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने कुछ समय पहले याचिका दाखिल कर इन मामलों की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। खालिदा जिया के वकील जैनुल आबेदीन, महबूब उद्दीन खोकोन, कैसर कमाल और नासिर उद्दीन अहमद अशीम ने संवाददाताओं को बताया कि आगजनी और हिंसा के 10 मामलों की सुनवाई की कार्यवाही इस आधार पर रद्द कर दी गई कि उनकी मुवक्किल घटनास्थलों पर मौजूद नहीं थी। इसके अलावा खालिदा जिया के खिलाफ राजद्रोह का मामला भी रद्द कर दिया गया। यह मामला राज्य की अनुमति के बिना एक वकील ने दायर की थी। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद खालिदा जिया की कानूनी उलझनें और चुनौतियां काफी हद तक कम हुई हैं। पांच अगस्त को तख्तापलट के अगले दिन राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने विपक्षी दल की प्रमुख नेता खालिदा जिया की रिहाई का आदेश दिया। वह कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से नजरबंद थीं। शेख हसीना की कट्टर प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में 17 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद 2018 में जेल में डाल दिया गया था। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में 15 अगस्त, 1945 को जन्मीं खालिदा जिया का राजनीतिक करियर उनके पति जियाउर रहमान की 15 अगस्त, 1975 को हत्या के बाद शुरू हुआ। रहमान 1977 से 1981 तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे। उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की 1978 में स्थापना की।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान को बचाने के लिए नया चुनाव ही इकलौता विकल्पः मौलाना फजलुर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार को हाल ही में संविधान संशोधन विधेयक के संकट से उबारने वाले जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने देश में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग दोहराई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान के करीबी रहमान ने कहा कि नए चुनाव पाकिस्तान की मुक्ति के लिए महत्वपूर्ण हैं। डेरा इस्माइल खान में पत्रकारों से बातचीत में मौलाना फजलुर रहमान ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सत्ता प्रतिष्ठान को चुनाव में तटस्थ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को बचाने के लिए नए चुनाव ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने मौजूदा सरकार की भी आलोचना की और कहा कि इसकी वैधता संदिग्ध है। इसका गठन ही फर्जी जनादेश के जरिए किया गया। पीटीआई संस्थापक इमरान खान की कैद को लेकर मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि देश के सभी राजनीतिक कैदियों को तत्काल रिहा किया जाना चाहिए। इससे पहले जेयूआई-एफ प्रमुख ने आम चुनाव 2024 के नतीजों को खारिज कर दिया था। उन्होंने व्यापक स्तर पर धांधली और अनियमितता का हवाला देते हुए दोबारा चुनाव की मांग की थी। कराची की एक जनसभा में रहमान ने कहा था कि विधानसभाएं बेची गईं। सिंध विधानसभा और राष्ट्रपति भवन भी बेच दिया गया। मौलाना फजलुर रहमान ने संघीय सरकार की विदेश नीति, खासकर इजराइल और फिलिस्तीन पर उसके रुख को लेकर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, हमें फिलिस्तीन का समर्थन करने और इजराइल का विरोध करने की सजा मिल रही है।

कमला हैरिस व्हाइट हाउस के एलिप्से से घेरेंगी डोनाल्ड ट्रंप को

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। पांच नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए रात अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व्हाइट हाउस के 19वीं सदी के लॉन एलिप्से पर खड़ी होकर घेरेंगी। उनके संबोधन पर सारे देशवासियों की नजर है। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैरिस एलिप्से से अमेरिकियों से देश के हाल के अतीत पर विचार करने का आग्रह करेंगी। वह अपने संबोधन में जनता का ध्यान 6 जनवरी, 2021 की घटना पर आकर्षित करेंगी। यह वही घटना है जिसके लिए ट्रंप की जमकर आलोचना हुई। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी तारीख को अपने समर्थकों से लॉन एलिप्से से कैपिटल तक मार्च करने का आग्रह का किया था। इस दौरान हुए दंगे के कारण उनकी जमकर फजीहत हुई। इतिहास में सनद है कि उन्होंने पिछले चुनाव को पलटने की कोशिश की। एलिप्से को अमेरिका में राष्ट्रपति पार्क के नाम से भी जाना जाता है। यह 52 एकड़ में फैला है और व्हाइट हाउस के ठीक दक्षिण में है। इस पार्क तक फुटपाथ के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। एलिप्स विजिटर मंडप 15वीं स्ट्रीट और ई स्ट्रीट पर स्थित है। यह एक बड़ा अंडाकार आकार का मैदान है।

अमेरिकी हास्य अभिनेत्री टेरी गार का 79 वर्ष की आयु में निधन

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की लोकप्रिय हास्य अभिनेत्री टेरी गार का यहां मंगलवार को 79 वर्ष की आयु में

निधन हो गया। उन्होंने अपने घर पर आखिरी सांस ली। फिल्म टुत्सी में अपनी दमदार भूमिका के लिए ऑस्कर के लिए नामित टेरी गार को ऑफबीट भूमिकाओं के लिए याद किया जाता है। सत्तर और अस्सी के दशक में उन्होंने सबसे ज्यादा शोहरत हासिल की। वह सैटरडे नाइट लाइव की तीन बार होस्ट रहीं। उनके प्रवक्ता हेइडी शेफर ने कहा कि वह लंबे समय से मल्टीपल स्केलेरोसिस की जटिलताओं से जूझ रही थीं। उनकी यादगार फिल्में हैं-यंग फ्रेंकस्टीन (1974), मॉम (1983) और आफ्टर आवर्स(1985)। उनका जन्म 11 दिसंबर, 1944 को लॉस एंजिल्स में हुआ था। 11 वर्ष की उम्र में उनके पिता की मृत्यु हो गई। परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए टेरी ने हाई स्कूल करने के बाद वेस्ट साइड स्टोरी के लॉस एंजिल्स स्टेज प्रोडक्शन में पेशेवर नृत्य की शुरुआत की।

ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची की चेतावनी

अगर इजराइल ने ईरान पर हमला किया तो गंभीर परिणाम भुगतने को रहे तैयार

तेहरान,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल ने ईरान पर हमला किया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि ईरान की धरती पर हमला करने के लिए इजराइल और उसके समर्थक देशों को राजनीतिक और कानूनी जिम्मेदारी से नहीं बचाया जा सकेगा और उन्हें हमले का जवाबदेह ठहराया जाएगा। अब्बास ने ये टिप्पणियां राजधानी तेहरान में आयोजित एक बैठक के दौरान की, जिसमें ईरान के राजदूतों, राजनयिक मिशनों, संयुक्त राष्ट्र कार्यालयों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल थे। उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने हमले का उचित तरीके से जवाब देने का कानूनी अधिकार सुरक्षित रखा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान इस संबंध में हिचकिचाएगा नहीं और न ही जल्दबाजी में कोई कदम उठाएगा। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान की सशस्त्र बलों की तत्परता और देश की वायु रक्षा प्रणाली की सक्रियता ने इजराइल की आक्रामकता को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान के खिलाफ आक्रामक रवैये में अमेरिका का हाथ है और इसलिए हमलों के मुख्य भागीदारों में अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश भी शामिल हैं। इजराइल रक्षा बलों ने एक बयान में कहा था कि उन्होंने हाल ही में अपने ऊपर हुए हमलों के जवाब में ईरान में सटीक और टारगेटेड हवाई हमले किए हैं। वहीं, ईरान के वायु रक्षा मुख्यालय ने यह दावा किया है कि उसने इजराइली हमलों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया, जिसके परिणामस्वरूप उसे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।

यह स्थिति ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाती है और दोनों पक्षों के बीच संभावित सैन्य संघर्ष की आशंका को बढ़ाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विवाद क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन सकता है और सभी संबंधित पक्षों को कूटनीतिक तरीके से स्थिति को संभालने की जरुरत है।

इजराइल के कत्लेआम से अमेरिका हुआ खफा, लेबनान में भी बिछीं लाशें

गाजा। इजरायल और मिडिल ईस्ट में चल रहे ताजा संघर्ष ने लेबनान, फिलिस्तीन, और आसपास के क्षेत्रों में हिंसा की स्थिति पैदा कर दी है। इजरायल ने हिजबुल्लाह (लेबनान में सक्रिय संगठन) और हमास (फिलिस्तीन में सक्रिय संगठन) के खिलाफ लगातार हमले जारी रखे हैं, जिनका लक्ष्य इन संगठनों को कमजोर करना और खतरे को समाप्त करना है। मंगलवार को इजरायल ने लेबनान और गाजा में बमबारी की, जिसमें लेबनान में 77 और गाजा में 143 लोगों की जान गई। इनमें कई निर्दोष नागरिक, विशेष रूप से महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जिससे इजरायल की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना बढ़ गई है। अमेरिका ने भी इन हमलों को लेकर इजरायल की निंदा की है, जबकि मिडिल ईस्ट में बढ़ती हिंसा के कारण ईरान और इजरायल के बीच तनाव भी अपने चरम पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान इजरायल पर पलटवार कर सकता है, जिससे क्षेत्र में स्थिति और बिगड़ने की संभावना है। इजरायल द्वारा घोषित यह अभियान मिडिल ईस्ट को युद्ध की आग में धकेलता हुआ प्रतीत हो रहा है, जिसमें लेबनान, गाजा, और अन्य समीपवर्ती क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस हिंसा को रोकने और शांतिपूर्ण समाधान की अपील कर रहा है।

जाकिर नाइक ने पाकिस्तान यात्रा को सफल बता कर कहा- उम्मीद से कहीं अधिक प्यार मिला

इस्लामाबाद,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में लंबे समय से वांछित भगोड़े डॉ. जाकिर नाइक ने अपनी पाकिस्तान यात्रा को सफल बताते हुए पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया है। डॉ. नाइक पाकिस्तान सरकार के निमंत्रण पर यहां आए थे और यात्रा के समापन मौके पर पाकिस्तान में मिले प्यार की सराहना करते हुए मुस्लिम एकता पर जोर दिया।

इस्लामिक विद्वान डॉ. जाकिर नाइक ने कहा कि उम्मीदों से कहीं अधिक गर्मजोशी से पाकिस्तान में उनका स्वागत हुआ और सरकार ने बहुत उच्चस्तरीय व्यवस्था की। इससे पहले उन्होंने 1991 में भी पाकिस्तान का दौरा किया था मगर यह उनकी पाकिस्तान की पहली आधिकारिक यात्रा थी। उन्होंने कहा कि अब तक कई देशों की सैकड़ों यात्राएं की हैं लेकिन पाकिस्तान की यात्रा बहुत सुखद रही। डॉ. नाइक ने कहा कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जिसकी स्थापना इस्लाम के नाम पर हुई थी। उन्होंने कहा कि विद्वानों और राजनेताओं के बीच घनिष्ठ संबंध होना चाहिए। देश के विकास के लिए शासकों और विद्वानों को एकमत होना चाहिए। डॉ. नाइक ने मतभेदों को दूर कर कुरान और सुन्नत के रास्ते पर एक साथ आने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज मुस्लिम समुदाय चुनौतियों का सामना कर रहा है। शांति, एकता और अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए।

भारतीय जांच एजेंसियों के अनुसार, नाइक साल 2016 में भारत से भागा था। वह कई वर्षों से एनआईए और प्रवर्तन निदेशालय की जांच के दायरे में है। वह विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए आईपीसी की धारा 153ए और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की धारा 10, 13 और 18 के तहत आरोपों का सामना कर रहा है। मुंबई की विशेष एनआईए अदालत ने 2017 में नाइक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। नाइक अदालत के समक्ष पेश नहीं हुआ है। वह मलेशिया में रह रहा है। बताया गया है कि वहां उसे स्थायी निवासी का दर्जा प्राप्त है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में तीन सड़क हादसों में 12 की मौत, इनमें पांच जिंदा जले

क्वेटा,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में तीन स्थानों पर हुए सड़क हादसों में 12 लोगों की जान चली गई और 19 अन्य घायल हो गए। इनमें एक हादसा हृदय विदारक रहा। इस हादसे में दो वाहन टकरा गए और उनमें आग लग गई। एक वाहन के अंदर फंसे पांच लोगों को निकलने का मौका नहीं मिला और वह जलकर राख हो गए।

यह हादसे बलूचिस्तान के सिबी, नोशकी और वाशुक जिलों में हुए। सबसे बुरी त्रासदी वाशुक के नाग इलाके में हुई। यहां ईरान पेट्रोल ले जा रहा एक जाम्बियाद वाहन दूसरे वाहन से टकरा गया। दोनों वाहनों में आग लग गई। इससे वाहन के अंदर मौजूद लोगों को बचने का कोई मौका नहीं मिला। उनमें से पांच की जलकर मौत हो गई। वाशुक के सहायक आयुक्त ने कहा कि दोनों वाहनों के अंदर मौजूद सभी पांच लोग जलकर मर गए। उनकी पहचान असंभव है।

इसके अलावा सिबी जिले के मिथरी इलाके के पास क्वेटा-सिबी राजमार्ग पर जैकोबाबाद जा रही एक वैन एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर है। तीसरा हादसा नोशकी जिले के डाक इलाके में हुआ। यहां बारातियों से भरा वाहन पलट गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक महिला भी शामिल है।

पाकिस्तान के लाहौर में एक्यूआई 708 तक पहुंचा, भारत को ठहराया जिम्मेदार

नागरिकों के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी, घर में रहने और मास्क पहने की अपील

लाहौर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान का लाहौर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 708 तक पहुंच गया, जिसके बाद चिकित्सा विशेषज्ञों और प्रांतीय सरकार ने नागरिकों के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों में लोगों को घर के अंदर रहने और बिना मास्क पहने बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने इस बढ़ते प्रदूषण के लिए दिल्ली, अमृतसर और चंडीगढ़ से आने वाली धुंध को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि लाहौर से मात्र 50 किलोमीटर दूर अमृतसर में सोमवार को एक्यूआई 189 दर्ज किया गया, जो कि सामान्य है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर में सोमवार रात 11 बजे एक्यूआई 708 पर पहुंच गया था। पाकिस्तान की मीडिय के मुताबिक गुलबर्ग क्षेत्र में एक्यूआई 953, पाकिस्तान इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड में 810 और सैयद मरातब अली रोड पर 784 दर्ज किया गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों में बारिश नहीं हुई, तो पूरे क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति पैदा हो जाएगी। सीएम मरियम नवाज शरीफ की अगुवाई वाली पंजाब सरकार ने लाहौर के नागरिकों के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया है। इसमें नागरिकों से मास्क पहनने और अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने की अपील की गई है।

वरिष्ठ प्रांतीय मंत्री मरियम औरंगजेब ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि फेफड़ों, सांस और दिल संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों और बुजुर्गों को बाहर नहीं जाना चाहिए। सभी का सहयोग इस समस्या को हल करने में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने वाहनों की जांच करने, ट्रैफिक जाम से बचने और पराली न जलाने की अपील की। उन्होंने मौजूदा स्थिति के लिए भारत को दोषी ठहराते हुए कहा कि कि तेज हवाओं के कारण दिल्ली, अमृतसर और चंडीगढ़ से धुंध लाहौर में प्रवेश कर रही है।

रुस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग से आने लगी परमाणु युद्ध की आहट

मॉस्को,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीते दो सालों से रुस और यूक्रेन के बीच जंग चल रही है। कई देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। इससे जंग लंबी होती जा रही है और शांति के प्रयास सफल नहीं हो पा रहे हैं। अब जिस तरह के हालात बन रहे हैं उससे लगने लगा है कि यह युद्ध कब परमाणु युद्ध में बदल जाए कोई नहीं जानता।क्योंकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने परमाणु बलों को विशेष अभ्यास शुरू करने का आदेश दिया। यह दो हफ्तों में दूसरी बार है जब पुतिन ने ऐसा सैन्य अभ्यास शुरू किया है। पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाली नाटो गठबंधन अब भी इस बढ़ते तनाव से निपटने के तरीकों को लेकर अनिश्चित हैं। तनाव तब और बढ़ा जब अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें उपलब्ध कराने की योजना बनाई ताकि वह रूस के अंदर गहरे क्षेत्र तक निशाना बना सके।

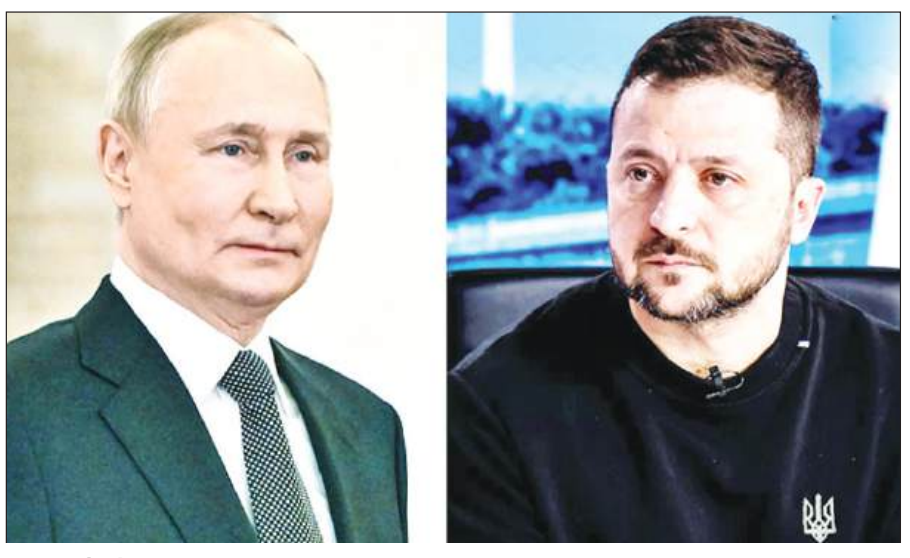

रूस ने पश्चिम को साफ तौर पर चेतावनी दी है कि अगर यूक्रेन ने पश्चिमी समर्थन के साथ इस तरह का कदम उठाया, तो वह अपनी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने पर विचार करेगा। क्रेमलिन ने अपनी परमाणु नीति को अपडेट किया है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि पुतिन की स्वीकृति से यह नीति गैर-परमाणु देशों के खिलाफ भी लागू हो सकती है।परमाणु अभ्यास की शुरुआत करते हुए पुतिन ने कहा, हम परमाणु हथियारों के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों की कार्रवाई का अभ्यास करेंगे और इसके अंतर्गत बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों का जरूरी इस्तेमाल करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों का उपयोग अत्यंत असाधारण स्थिति में ही किया जाएगा, लेकिन इन्हें हमेशा तत्परता में रखना आवश्यक है। पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया, हम एक नई हथियार दौड़ में शामिल नहीं होना चाहते, लेकिन हम अपनी परमाणु ताकत को उचित स्तर पर बनाए रखेंगे।

पुतिन ने अपने देश की रक्षा के मुद्दे पर स्पष्ट करते हुए कहा कि यह केवल रूस का आंतरिक मामला है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होने का निर्णय लेता है, तो रूस भी अपनी सुरक्षा को लेकर जो जरूरी होगा, वह करेगा। रूसी सेना ने अपने हालिया अभ्यास के दौरान टीवर क्षेत्र में भी प्रशिक्षण किया, जो मास्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस अभ्यास में यार्स इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल जैसे उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया, जो अमेरिका के हर कोने तक प्रहार करने में सक्षम हैं। रूस और अमेरिका दुनिया के कुल परमाणु हथियारों के 88 प्रतिशत का नियंत्रण रखते हैं।

पेरिस मास्टर्स 2024 के तीसरे दौर में पहुंचे कार्लोस अल्कराज

पेरिस,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने मंगलवार को दूसरे दौर में चिली के निकोलस जैरी को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स के तीसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल इसी चरण में हारने वाले अल्कराज ने 13 विनर्स और केवल छह अनफोर्स्ड एरर मारकर जैरी को आसानी से शिकस्त दी। अल्कराज ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हर साल अपने टेनिस प्रदर्शन की तुलना करना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मैं मानसिक रूप से बेहतर स्थिति में हूं। मैं इस सीजन के इस हिस्से में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना चाहता हूं। मैं इस टूर्नामेंट को जीतने और अच्छे नतीजे देने के लिए प्रेरित हूं। पिछले साल कोर्ट शायद धीमा था, लेकिन तुलना करना मुश्किल है।

स्पेन के इस खिलाड़ी की कोशिश दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर से 4300 अंकों के अंतर को कम करने की होगी, जिन्होंने वायरस के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।

अल्कराज ने कहा, जब दुनिया का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी किसी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लेता है, तो यह कभी भी अच्छी खबर नहीं होती। मैं फाइनल से पहले उनसे नहीं मिलूंगा, लेकिन एक टेनिस प्रशंसक के तौर पर मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। मौजूदा चैंपियन नोवाक जोकोविच के भी टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद, फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन अल्कराज इस साल अपना पांचवां खिताब जीतने के लिए बेताब होंगे। अन्य मैचों में, ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 7-5, 6-2 से हराया, डेनमार्क के 13वें वरीय होल्गर रूण ने इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 6-4 से हराया और ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनाउर ने मारियानो नवोन को 7-5, 6-1 से हराया। इनडोर टूर्नामेंट से बाहर होने वाले अन्य वरीय खिलाड़ी रूसी छठे वरीय एंड्री रूबलेव थे, जिन्हें अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने 7-6(6), 7-6(5) से हराया, और 14वें वरीय फ्रांसेस टियाफो को फ्रांसीसी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड ने 6-7(5), 7-6(4), 6-3 से हराया। बाद के मैचों में, ग्रीस के 10वें वरीय स्टेफानोस त्सित्सिपास ने एलेजांद्रो टेबिलो पर 6-3, 6-4 से आसान जीत दर्ज की, इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई जॉर्डन थॉम्पसन ने सातवें वरीय कैस्पर रुड को 7-6(3), 3-6, 6-4 से हराया।

न्यूज़ ब्रीफ

एनबीए 2024-2025: नगेट्स ने नेट्स को हराया, दर्ज की लगातार दूसरी जीत

न्यूयॉर्क। डेनवर नगेट्स ने न्यूयॉर्क में ओवरटाइम में ब्रुकलिन नेट्स को 144-139 से हराकर लगातर दूसरी जीत दर्ज की। विजेता टीम की ओर से निकोला जोकिच ने 29 अंक, 18 रिबाउंड और 16 असिस्ट बनाए, जमाल मरे और आरोन गॉर्डन ने 24-24 अंक बनाए। इनके अलावा रसेल वेस्टब्रुक ने बेंच से 22 अंक बनाए, माइकल पोर्टर जूनियर ने 16 और क्रिश्चियन ब्राउन ने नगेट्स के लिए 12 अंक जोड़े, जिसने लगातार दूसरी रात ओटी में जीत हासिल की। नेट्स के सात खिलाड़ियों ने दोहरे अंकों में स्कोर किया, जिसमें डेनिस श्रोडर सबसे आगे रहे, जिन्होंने 28 अंक और 14 असिस्ट किए। कैम थॉमस ने 26 अंक बनाए। नेट्स ने ओवरटाइम में पहला स्कोर बनाया, इससे पहले नगेट्स ने लगातार आठ अंक हासिल करके 133-127 से बढ़त हासिल की। श्रोडर ने नेट्स के घाटे को 135-132 तक कम करने के लिए 3-पॉइंटर मारा, लेकिन ब्राउन ने डीप से जवाब दिया और मरे ने दो फ्री थ्रो को विभाजित करके नगेट्स की बढ़त को सात तक पहुंचा दिया। कैमरून जॉनसन ने 3-पॉइंटर लगाकर 26.5 सेकंड शेष रहते स्कोर 141-137 कर दिया, लेकिन नगेट्स ने इसे समाप्त कर मैच अपने कर लिया।

एफआईएस ने इतालवी एथलीट मटिल्डे लोरेंजी के निधन पर शोक व्यक्त किया

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय स्की एवं स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) ने 19 वर्षीय इतालवी एथलीट मटिल्डे लोरेंजी के निधन पर शोक व्यक्त किया है, जिनकी प्रशिक्षण के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बाद मृत्यु हो गई थी। एफआईएस ने मंगलवार को अपने बयान में कहा, हम मटिल्डे लोरेंजी के निधन से बहुत दुखी हैं। एफआईएस, एफआईएस के अध्यक्ष फ्लेवियो रोडा और कोच, एथलीट, टीम के साथी, संघीय परिषद और सभी एफआईएसआई कर्मचारियों सहित पूरे इतालवी शीतकालीन खेल समुदाय के साथ शोक में शामिल है। लोरेंजी सोमवार को इटली के टायरॉल में श्नालस्टल ग्लेशियर पर हार्ड पिस्ट पर गिर गईं थी, उन्हें तुरंत एक हेलीकॉप्टर द्वारा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण वह बच नहीं पाई और एक दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई। लोरेंजी इटली की उभरती हुई प्रतिभाओं में से एक थीं, वह फरवरी में फ्रांस में एफआईएस जूनियर वर्ल्ड स्की चैंपियनशिप में डाउनहिल में छठे और सुपर-जी में आठवें स्थान पर रहीं थी।

पेरिस मास्टर्स 2024 से हटे शीर्ष रैंकिंग वाले जननिक सिनर

पेरिस। शीर्ष वरीयता प्राप्त जननिक सिनर ने वायरस का हवाला देते हुए पेरिस मास्टर्स से अपना नाम वापस ले लिया है। इतालवी खिलाड़ी सिनर ने मंगलवार को आयोजकों द्वारा भेजे गए संदेश में कहा कि वह इस सप्ताह खेलने में सक्षम नहीं है। सिनर ने कहा, मैं यहाँ बहुत जल्दी तैयारी करने के लिए आया था, फिर मैं बीमार पड़ गया, मुझे इस समय एक वायरस है, जो अगले दो-तीन दिनों में ठीक हो जाएगा, इसलिए शारीरिक रूप से मैं प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं हूँ। सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद सिनर वर्ष के अंतिम मास्टर्स 1000 इवेंट से बाहर होने वाले दूसरे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी हैं। सिनर ने इस महीने की शुरुआत में शंघाई मास्टर्स के फाइनल में जोकोविच को सीधे सेटों में शिकस्त दी झी, जिससे इतालवी खिलाड़ी ने सीजन का अपना सातवाँ खिताब जीता।

रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन ने पुरुष युगल एटीपी फाइनल्स 2024 के लिए किया क्वालीफाई

ट्यूरिन,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने एटीपी फाइनल्स 2024 में पुरुष युगल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो 10 से 17 नवंबर तक इटली के ट्यूरिन में इनालपी एरिना में खेला जाएगा। एटीपी फाइनल्स, सीजन के अंत में आयोजित होने वाली पुरुषों की टेनिस चैंपियनशिप है। इसमें दो अलग-अलग टूर्नामेंट होते हैं - एक एकल और एक युगल। वर्ष के केवल शीर्ष आठ रैंक वाले एकल खिलाड़ी या युगल टीमें ही एटीपी फाइनल्स में खेलने के लिए अर्हता प्राप्त करती हैं - जिसे अक्सर चार ग्रैंड स्लैम के बाद एटीपी टूर पर सबसे बड़ा पुरुष टेनिस आयोजन माना जाता है।

वेस्ले कूलहोफ/निकोला मेक्टिक, केविन क्राविएट्ज़/टिम पुएट्ज़, हैरी हेलियोवारा/हेनरी पैटन, मार्सेलो अरेवलो/मेट पैविक, मार्सेल ग्रानोलर्स/होरासियो ज़ेबालोस, सिमोन बोलेली/एंड्रिया वावस्सोरी और मैक्स परसेल/जॉर्डन थॉम्पसन अन्य सात युगल जोड़ियां हैं जो ट्यूरिन एटीपी फाइनल्स 2024 के लिए अर्हता प्राप्त कर चुकी हैं। टूर्नामेंट के लिए योग्यता एटीपी फाइनल्स रैंकिंग पर आधारित है, जो संबंधित कैलेंडर वर्ष में एटीपी आयोजनों में प्रदर्शन को ध्यान में रखती है। पेरिस मास्टर्स में नाथनियल लेमन्स और जैक्सन विथ्रो के बाहर होने के बाद 2024 के लिए बोपन्ना और एबडेन की योग्यता की पुष्टि हुई। बोपन्ना और एबडेन ने 2024 का शानदार सीजन बिताया है, जिसकी शुरुआत साल के शुरुआती ग्रैंड स्लैम - ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के साथ हुई थी। ऑस्ट्रेलिया में जीत के साथ बोपन्ना टेनिस इतिहास में सबसे उम्रदराज दुनिया

के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए। इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने इस साल मियामी ओपन भी जीता और एडिलेड में फाइनल में जगह बनाने के अलावा फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची। 2011, 2012, 2015 और 2023 के बाद यह एटीपी फाइनल में बोपन्ना की पांचवीं उपस्थिति होगी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी ने 2012 और 2015 में फाइनल में जगह बनाई, पहले हमवतन महेश भूपति के साथ और फिर रोमानिया के फ्लोरिन मर्जिया के साथ, लेकिन दोनों ही मौकों पर हार गए। बोपन्ना, जो इस वर्ष की शुरुआत में पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर से बाहर होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय टीम से सेवानिवृत्त हो गए थे, उन्होंने पिछले वर्ष एबडेन के साथ सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। 2011 में अपने पहले एटीपी फाइनल्स अभियान में बोपन्ना ने पाकिस्तान के ऐसाम उल हक कुरैशी के साथ जोड़ी बनाई थी, लेकिन प्रसिद्ध इंडो-पाक एक्सप्रेस ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में असफल रही थी।

आईसीसी ने सुमति धर्मवर्धन पी.सी. को एसीयू का नया स्वतंत्र अध्यक्ष नियुक्त किया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को सुमति धर्मवर्धन पी.सी. को आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) का नया स्वतंत्र अध्यक्ष नियुक्त किया है। आईसीसी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, धर्मवर्धन, सर रोनी फ़्लैनागन की जगह लेंगे, जो 14 साल बाद इस पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। धर्मवर्धन श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल विभाग में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य करने सहित कई तरह के अनुभव लेकर आए हैं, जिसमें वे विभिन्न कानूनी मामलों में खेल मंत्रालय सहित श्रीलंका सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा, नए एसीयू अध्यक्ष ने इंटरपोल और ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ काम किया है, खेल में भ्रष्टाचार की जांच की है, साथ ही खेल से संबंधित अपराधों की रोकथाम अधिनियम के तहत कई जांच और अभियोजन की देखरेख की है, एक ऐसा अधिनियम जिसे तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने अन्य वैश्विक खेल संगठनों के साथ चर्चा और वार्ता में श्रीलंका सरकार का प्रतिनिधित्व भी किया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के स्वतंत्र अध्यक्ष एसीयू की देखरेख और नेतृत्व के लिए जिम्मेदार हैं, जिसे कार्यकारी स्तर पर महाप्रबंधक - अखंडता द्वारा प्रबंधित किया जाता है। धर्मवर्धन 1 नवंबर 2024 से इस पद पर काम करना शुरू करेंगे।

2027 के अंत तक ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच बने रहेंगे एंड्रयू मैकडॉनल्ड

मेलबर्न,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड का अनुबंध 2027 के अंत तक बढ़ा दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को उक्त घोषणा की।

मैकडॉनल्ड के नेतृत्व में, जिन्होंने 2022 में यह पद संभाला था, ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप जीता, और वर्तमान में टेस्ट में नंबर 1 और एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में नंबर 2 पर है।

मैकडॉनल्ड अब अगले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के माध्यम से टीम का नेतृत्व करेंगे, और 2027 में एकदिवसीय विश्व कप खिताब का बचाव करने का मौका मिलेगा, साथ ही 2026 आईसीसी टी-20 विश्व कप और अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी में भी मौका मिलेगा।

अनुबंध के विस्तार पर बोलते हुए, सीए के सीईओ निक हॉकली ने कहा, एंड्रयू एक उत्कृष्ट पुरुष मुख्य कोच साबित हुए हैं, जिन्होंने असाधारण परिणाम देने के साथ-साथ एक मजबूत कोचिंग टीम, कार्यप्रणाली और टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए एक उत्कृष्ट वातावरण बनाया है। हम उनके कार्यकाल को और दो साल के लिए बढ़ाकर खुश हैं।

अनुबंध विस्तार पर मैकडॉनल्ड ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे पास लीडर्स, खिलाड़ियों, कोचों और कर्मचारियों का एक असाधारण समूह है जो इस समूह की निरंतर भलाई, सफलता और विकास में पूरी तरह से निवेशित हैं। मेरे साथी कोचों और व्यापक कर्मचारियों की व्यावसायिकता, प्रतिबद्धता और अनुभव ने सुनिश्चित किया है कि यात्रा बेहद सफल रही है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने एकता, विश्वास और समावेशिता की संस्कृति का निर्माण किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी टीमों के लिए कई चुनौतियाँ हैं और मुझे विशेष रूप से गर्व है कि कैसे समूह, खिलाड़ी और कर्मचारी, सभी प्रारूपों में एक साथ मिलकर उनका सामना कर रहे हैं।

हाइलो ओपन 2024 के दूसरे दौर में पहुंचीं भारतीय शटलर मालविका बंसोड़

सारबुकेन,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय शटलर मालविका बंसोड़ ने मंगलवार को पहले दौर में बुल्गारिया की हिस्टोमिरा पोपोवस्का को हराकर चल रहे हाइलो ओपन 2024 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। सारलैंडहेल इनडोर एरिना के बैडमिंटन कोर्ट में खेले बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में महिला एकल स्पर्धा के शुरुआती दौर में पोपोवस्का के खिलाफ, विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 34 वें स्थान पर काबिज मालविका बंसोड़ ने 21-6, 21-17 से आसान जीत दर्ज की।

पिछले साल की क्वार्टर फाइनलिस्ट मालविका बंसोड़, जो टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त हैं, अगले राउंड में डेनमार्क की इरिना अमली एंडरसन से भिड़ेंगी। मालविका की हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज ने भी चीनी ताइपे की यू चिएन हुई को 30 मिनट से भी कम समय में 21-13, 21-19 से हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त जूली डावल जैकबसेन से होगा। इस बीच, केयूरा मोपाती ने क्वालीफायर में स्थानीय खिलाड़ी मिरांडा विल्सन को 21-15, 21-15 से हराकर महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया।

भारत की प्रिया कोनजेंगबाम/श्रुति मिश्रा महिला युगल में छठी वरीयता प्राप्त नतास्जा पी एंथोनीसेन/माइकेन फ्रूएरगार्ड के खिलाफ खेलेंगी।

एशिया के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने सोन ह्युंग-मिन, एली कारपेंटर ने महिला वर्ग में जीता पुरस्कार

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टोटेनहैम और दक्षिण कोरिया के फारवर्ड सोन ह्युंग-मिन को मंगलवार को सियोल में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के वार्षिक पुरस्कार समारोह में चौथी बार एशिया का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चुना गया।

सोन, जो टोटेनहैम और दक्षिण कोरिया दोनों की कप्तानी करते हैं, ने 2015, 2017 और 2019 में पुरस्कार जीता और बायर्न म्यूनिख के हमवतन किम मिन-जे से ट्रॉफी ली। 32 वर्षीय खिलाड़ी प्रीमियर लीग में सबसे सफल एशियाई खिलाड़ी हैं, जिन्होंने नौ साल पहले टोटेनहैम में आने के बाद से 123 गोल किए हैं और 64 गोल में सहायता की है। उन्होंने 2021-22 सीज़न के लिए गोल्डन बूट भी जीता, ऐसा करने वाले वे एशिया के पहले खिलाड़ी भी बने।

हालांकि, सोन ने अभी तक दक्षिण कोरिया या स्पर्स की सीनियर टीम के साथ कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है।

वह ताएगुक वारियर्स के साथ एएफसी एशियन कप 2015 के फाइनल में पहुंचे और टोटेनहैम के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग (2018-19) और लीग कप (2020-21) के फाइनल में पहुंचे, लेकिन इन सभी में हार गए।

हालांकि, 2018 एशियाई खेलों में अंडर-23 दक्षिण कोरियाई टीम के साथ स्वर्ण पदक जीतना उनकी सफलता का मुख्य कारण रहा, जिसमें उन्होंने फाइनल में जापान पर 2-1 की जीत में दोनों गोल में सहायता की।

ऑस्ट्रेलिया की एली कारपेंटर, जो फ्रांसीसी क्लब ल्योन के लिए खेलती हैं, महिला अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की पहली विजेता बनीं।

कारपेंटर ने तीन ओलंपिक खेलों और फीफा महिला विश्व कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें टीम ने पहली बार सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

2020 में ल्योन में स्थानांतरित होने के बाद, फुल-बैक ने फ्रांसीसी पक्ष के साथ छह प्रमुख ट्रॉफियां जीती हैं, जिसमें दो शीर्ष डिवीजन खिताब और कई यूईएफए महिला चैंपियंस लीग ट्रॉफियां शामिल हैं।

गो ओइवा ने जापान को अंडर-23 एशियाई कप और ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने के बाद कोच ऑफ द ईयर का खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया के अंडर-20 के मुख्य कोच पार्क यूं-जियोंग ने महिला वर्ग का खिताब जीता।

कागिसो रबाडा की आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में नौ विकेट लेकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में फिर से नंबर वन स्थान हासिल कर लिया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने की उपलब्धि हासिल करने वाले 29 वर्षीय गेंदबाज ने रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। रबाडा ने जनवरी 2018 में भारत के खिलाफ न्यूलैंड्स टेस्ट के बाद पहली बार रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था और अगले 12 महीनों में अधिकांश समय शीर्ष स्थान पर रहे।

नवीनतम साप्ताहिक रैंकिंग अपडेट में, जिसमें रावलपिंडी में पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट और पुणे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में प्रदर्शन को भी शामिल किया

गया है, पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली और न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर ने भी बड़ी प्रगति की है। नोमान पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं, वे रावलपिंडी में नौ विकेट लेने के बाद आठ पायदान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिसमें पाकिस्तान ने नौ विकेट से जीत हासिल कर डब्ल्यूटीसी श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

पुणे में 113 रनों की जीत में 157 रन देकर 13 विकेट लेने वाले सेंटनर, 30 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो जनवरी 2017 में हासिल उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 39वें स्थान से पांच पायदान नीचे है।

अन्य गेंदबाजों में बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम (तीन पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर), इंग्लैंड के गस एटकिंसन (दो पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर), पाकिस्तान के साजिद खान (12 पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर (नौ पायदान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर) रैंकिंग में आगे बढ़े हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 30 और 77 रन की पारी के बाद तीसरे नंबर पर वापस आ गए हैं, जबकि पाकिस्तान के सऊद शकील और न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र अपने करियर में पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचे हैं।

शकील 134 रन की पारी के बाद 20 पायदान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला, जबकि रवींद्र पहली पारी में उपयोगी अर्धशतक के साथ आठ पायदान ऊपर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे (आठ पायदान ऊपर 28वें स्थान पर), टॉम लैथम (छह पायदान ऊपर 34वें स्थान पर) और ग्लेन फिलिप्स (16 पायदान ऊपर 45वें स्थान पर), इंग्लैंड के जेमी स्मिथ (सात पायदान ऊपर 37वें स्थान पर), पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद (पांच पायदान ऊपर 57वें स्थान पर) और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज (नौ पायदान ऊपर 63वें स्थान पर) बल्लेबाजी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं।

मेहदी ऑलराउंडरों की सूची में भी दो पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि भारत के वाशिंगटन सुंदर गेंदबाजों में 53वें, बल्लेबाजों में 84वें और ऑलराउंडरों में 25वें स्थान पर फिर से रैंकिंग में शामिल हो गए हैं।

हाल के टेस्ट नतीजों के बाद, न्यूजीलैंड 50 प्रतिशत अंकों के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में चौथे स्थान पर है और भारत के खिलाफ सीरीज में एक और मैच और इंग्लैंड के खिलाफ तीन घरेलू टेस्ट के साथ 64.29 तक जाने की संभावना है। भारत 62.82 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की चुनौतीपूर्ण श्रृंखला है, जो इस समय दूसरे स्थान पर है जबकि श्रीलंका तीसरे स्थान पर है।

छोटी दिवाली के दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में छोटी दिवाली के दिन सोना 620 से 670 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना एक बार फिर 80 हजार रुपये के स्तर को पार कर के 80,610 रुपये से लेकर 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये से लेकर 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी कीमत में तेजी आने के कारण सोना महंगा हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर्स का कमीशन बढ़ाया, आम ग्राहकों को होगा फायदा

नई दिल्ली। पेट्रोल पंप मालिकों की कमाई में वृद्धि करने के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर्स के कमीशन में संशोधन का एलान किया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने एलान किया है कि डीलर मार्जिन में बढ़ोतरी के फैसले को 30 अक्टूबर यानी बुधवार से लागू कर दिया है। इस बदलाव के बाद पेट्रोल पंप डीलर्स की प्रति लीटर कमाई में वृद्धि होगी, जबकि आम ग्राहकों पर इसका अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। विशेष रूप से कुछ राज्यों, जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, और अरुणाचल प्रदेश में कीमतों में कमी आने का अनुमान है, जिससे ग्राहकों को लाभ मिलेगा। इंडियन ऑयल के मुताबिक इस फैसले से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संतुलन लाना और डीलरों की लंबे समय से मांग को पूरा करना है। अभी तक डीलर्स को पेट्रोल पर 1,868.14 रुपए प्रति किलोलीटर और डीजल पर 1,389.35 रुपए प्रति किलोलीटर के हिसाब से कमीशन दिया जाता था, जो अब बढ़ा दिया गया है। साथ ही बिल योग्य मूल्य का भी एक फीसदी कमीशन मिलता है। कंपनी का दावा है कि इस बढ़ोतरी से डीलरों को बेहतर ग्राहक सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे करीब सात करोड़ ग्राहकों को लाभ होगा और करीब 83 हजार पेट्रोल पंपों पर कार्यरत 10 लाख कर्मचारियों को भी इसका फायदा मिलेगा।

कई शानदार नए बाइक्स मॉडल लॉन्च करेगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली। नई रॉयल एनफील्ड कंपनी आने वाले दिनों में अपने कई शानदार बाइक्स मॉडल लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनमें कंपनी के लोकप्रिय मॉडल का अपडेटेड वर्जन भी शामिल है। आइए, जानते हैं उन तीन संभावित मॉडल्स के बारे में, जो जल्द ही बाजार में दस्तक देने वाले हैं। रॉयल एनफील्ड की टॉप-सेलिंग मोटरसाइकिलों में से एक, हंटर 350, का अपडेटेड वर्जन अगले साल 2025 में लॉन्च होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई मोटरसाइकिल में हैलोजन हेडलैंप के बजाय एक मॉडर्न एलईडी सेटअप दिया जा सकता है। हालांकि, मोटरसाइकिल के पावरट्रेन में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है, जो इसे मौजूदा मॉडल के समान बनाए रखेगा। रॉयल एनफील्ड अपनी प्रतिष्ठित बुलेट सीरीज के 650सीसी वर्जन को भी भारतीय बाजार में पेश करने की योजना बना रही है। उम्मीद है कि बुलेट 650 को 2025 के मध्य तक लॉन्च किया जाएगा। इस मोटरसाइकिल में सर्कुलर हेडलैंप, सिंगल पीस सीट, वायर स्पोक व्हील और टियर ड्रॉप फ्यूल टैंक जैसे आकर्षक डिजाइन तत्व शामिल होंगे, जो इसे एक क्लासिक लुक देंगे। रॉयल एनफील्ड क्लासिक के 650सीसी वर्जन को भी जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। हाल ही में, इसे यूके में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया था। इस मॉडल में 648सीसी का पैरेलल ट्विन इंजन दिया जाएगा, जो इसे शानदार पावर और परफॉर्मेंस प्रदान करेगा। यह मोटरसाइकिल कंपनी की क्लासिक लाइनअप को और भी मजबूत बनाएगी। इन सभी अपकमिंग मॉडल्स से यह स्पष्ट होता है कि रॉयल एनफील्ड भारतीय बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। यदि आप एक रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल के खरीदने का विचार कर रहे हैं, तो इन नए लॉन्चों का इंतजार करना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। बता दें कि भारतीय ग्राहकों के बीच रॉयल एनफील्ड की मोटरसाइकिलों की हमेशा से उच्च स्तरीय मांग रही है। यदि आप निकट भविष्य में एक नई रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह मौका आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है।

महिंद्रा बोलेरो का नया 2024 वेरियंट भारत में पेश

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने महिंद्रा बोलेरो का नया 2024 वेरिएंट पेश किया है, जो नई ताकत और स्टाइल के साथ आती है। महिंद्रा बोलेरो 2024 का डिजाइन पिछले मॉडल की तुलना में अधिक आधुनिक और आकर्षक है। इसमें नई ग्रिल, स्टाइलिश एलईडी हेडलाइट्स, और फॉग लैम्प्स जैसे तत्व इसे स्पोर्टी और बोल्ड लुक देते हैं। एसयूवी के साइड प्रोफाइल पर नए डुअल-टोन अलॉय व्हील्स और बॉडी कलर्ड ओआरवीएमएस इसे प्रीमियम फिनिश प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, रूफ रेल्स और स्पोर्टी बंपर इसके एडवेंचर लुक को और बढ़ाते हैं। महिंद्रा बोलेरो 2024 में 1.5 लीटर एमहॉक डीजल इंजन है, जो 75 बीएचपी की पावर और 210 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आंध्र में...

सरकार के रडार में आने से बचने के लिए चर्च द्वारा धर्मांतरण और जबरन धर्मांतरण जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाता बल्कि कहा जाता है कि चर्च नेक उद्देश्यों से गरीबों को भोजन देते हैं और उनका संरक्षण करते हैं। चर्च का यह भी कहना है कि उनके काम से सरकार खुश है। चर्च यह भी दावा करता है कि कोरोना महामारी के दौरान चर्च की तरफ से गरीबों में 700 टन खाना बांटा गया था।

कैलवरी चर्च की स्थापना 2005 में डॉ. सतीश कुमार ने की थी। आज सतीश कुमार को दुनिया के सामने एक सम्मानित पादरी, लेखक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता के रूप में बताया जाता है, लेकिन उनकी संदेहास्पद मिशनरी गतिविधियों पर कोई बात नहीं होती। भारत में उनकी मिशनरी गतिविधियों और आक्रामक धर्मांतरण रणनीति को लेकर चिंता है। कैलवरी चर्च का दावा है कि उसके पास 400,000 सदस्य हैं जो लगातार बढ़ रहे हैं। उनके लिए यह विस्तार एक उपलब्धि है, लेकिन हिंदुओं के लिए यह चिंता का विषय है, क्योंकि यह संख्या उन्हीं की मजबूरियों का फायदा उठाकर बढ़ाई जा रही है।

विडंबना यह है कि कैलवरी चर्च हर महीने तीन हजार से अधिक हिंदुओं को ईसाई बनाने के काम को अपनी उपलब्धि बताता है। आंध्र प्रदेश के इस चर्च को देश का सबसे बड़ा चर्च कहा जाता है, जिसका कैंपस बहुत बड़ा है। हर रविवार सैकड़ों लोग सभा में आते हैं। सुबह 4 बजे से भीड़ लगनी शुरू हो जाती है। चर्च के सदस्य भीड़ को नियंत्रित करते हैं। लोगों पर दबाव होता है कि वे चर्च जरूर आएं।

कैलवरी चर्च निर्धन हिंदुओं की गरीबी और आर्थिक अस्थिरता का फायदा उठाकर उन्हें धर्मांतरित कराता है। रविवार को सभा में आने वाले लोगों को तीन बार फ्री में खाने का लालच देकर बुलाया जाता है और दावा किया जाता है कि रविवार को यहां आने वाले लोगों की संख्या 50,000 तक पहुंच जाती है जिनके खाने की व्यवस्था महीने में दिए गए 2 लाख मुफ्त मील के बराबर है। इसके अलावा यहां मेडिकल सेवाएं, विवाह व्यवस्था और अंतिम संस्कार के लिए सुविधा आदि देने की बात होती है। बाद में इन्हीं सेवाओं का हवाला देकर हिंदुओं को ईसाई धर्म की ओर आकर्षित किया जाता है।

यह चर्च पहले ही अपनी 11 ब्रांच खोल चुका है और 40 और बड़े चर्च खोलने की योजना पर काम कर रहा है। पादरी की यह मंशा चिंताजनक इसलिए है क्योंकि इस विस्तार के जरिए चर्च हिंदू और अन्य समुदाय के लोगों से जुड़ेगा और विदेशी ईसाई संस्थाओं की घुसपैठ होगी। यह चर्च पहले ही भारतीय भाषाओं में टेलीविजन कार्यक्रम प्रसारित करता है तथा खाड़ी देशों में लाखों लोगों तक पहुंचाता है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस चर्च से जुड़ने के बाद यह चर्च लोगों को ट्रैक करता है। जब हर रविवार भीड़ जुटती है तो उसकी एंट्री के लिए एक एक्सेस कार्ड दिया जाता है। चर्च का कहना है कि इससे ये अनुपस्थित लोगों के बारे में पता लगाते हैं, लेकिन असलियत यह है कि चर्च लोगों को कड़ी निगरानी में रखता है।

कैलवरी चर्च को फंडिंग कहां से मिलती है इसकी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। पता चला है कि चर्च को दो मौकों पर ब्रिटेन स्थित क्रिश्चियन विजन से पर्याप्त फंडिंग मिली थी। वर्ष 2020 में कैलवरी चर्च को 74,467 और 2021 में 727,394 पौंड मिले थे। यह छानबीन का विषय है कि कैलवरी टेम्पल इंडिया के पास एफसीआरए लाइसेंस प्राप्त है या नहीं।

लोगों के...

किसी और के खातों का संचालन कर अवैध डिजिटल पेमेंट गेट-वे बनाए हैं। मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त इस अवैध तंत्र का इस्तेमाल साइबर अपराधों से हासिल अवैध धन की लॉन्ड्रिंग के लिए किया जाता है। 14-सी ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने बैंक खाते/कंपनी पंजीकरण प्रमाणपत्र/ उद्यम आधार पंजीकरण प्रमाणपत्र किसी को न बेचें और न ही किराए पर दें। ऐसे बैंक खातों में किसी और द्वारा जमा अवैध धनराशि के लिए गिरफ़्तारी सहित अन्य कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। बैंक उन खातों के दुरुपयोग की पहचान करने के लिए जांच कर सकते हैं, जिनका इस्तेमाल अवैध पेमेंट गेट-वे बनाने के लिए किया जाता है। नागरिक किसी भी साइबर अपराध की सूचना हेल्पलाइन नंबर 1930 या आधिकारिक वेबसाइट पर तुरंत दे सकते हैं।

राज्यों की पुलिस एजेंसियों से प्राप्त जानकारी और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधियों द्वारा चालू खाते (करंट एकाउंट) और बचत खाते (सेविंग्स एकाउंट) सोशल मीडिया, खासकर टेलीग्राम और फेसबुक के माध्यम से खोजे जाते हैं। ये खाते शेल कंपनियों, एंटरप्राइजेज या व्यक्तियों के होते हैं। इन म्यूल खातों को विदेशों से संचालित किया जाता है। फिर इन म्यूल खातों का उपयोग कर अवैध पेमेंट गेट-वे बनाया जाता है, जिसे आपराधिक सिंडिकेट को फर्जी इन्वेस्टमेंट स्कैम साइटों, ऑफशोर सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी वेबसाइटों, फर्जी स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म आदि जैसे अवैध प्लेटफार्मों पर जमा हुई धनराशि प्राप्त करने के लिए दिया जाता है। जैसे ही अपराध से अवैध धन प्राप्त होता है, उसे तुरंत दूसरे खाते में डाल दिया जाता है। इसके लिए बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली बल्कि पेआउट की सुविधा का दुरुपयोग किया जाता है।

अभियान के तहत जिन पेमेंट गेट-वे की पहचान की गई, उनमें पीस-पे, आरटीएक्स-पे, पोक्को-पे, आरपी-पे आदि शामिल हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये गेट-वे, मनी लॉन्ड्रिंग को एक सेवा के रूप में उपलब्ध कराते हैं और इन्हें विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित किया जाता है।

रूस में भी...

और मूल रूप से रूसी वाहकों के लिए बनाए गए विमानों को अन्य बाजारों में भेज दिया गया है। एक उदाहरण एयर इंडिया है, जिसे हाल ही में रूसी वाहक एयरोफ्लोट के लिए शुरू में आवंटित एयरबस ए-350 प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी कंपनियों ने रूसी विमानों के लिए घटक और सॉफ़्टवेयर समर्थन बंद कर दिया है, जिससे लंबे समय तक ग्राउंडिंग और बेड़े के विस्तार में रुकावट आ रही है। प्रतिबंधों ने रूसी एयरलाइनों के लिए विकास की संभावनाओं को कम कर दिया है। सेंटर फॉर एविएशन (सीएपीए) की रिपोर्ट है कि रूस के सक्रिय बेड़े 874 से घटकर 771 हो गए हैं।

प्रतिबंधों के बावजूद, भारत और रूस के बीच मजबूत व्यापारिक संबंध बने हुए हैं, भारत उन कुछ देशों में से एक है जो रूसी एयरलाइनों को उड़ानें संचालित करने की अनुमति देते हैं। एयर इंडिया रूसी हवाई क्षेत्र का लाभ उठाते हुए रूस के ऊपर से उड़ान भरना जारी रखती है, जिससे उसे यूरोपीय और अमेरिकी एयरलाइनों की तुलना में कम उड़ान समय का लाभ मिलता है। अभी यह कहना दूर की बात होगी कि भारतीय विमान सेवाएं रूस का यह प्रस्ताव स्वीकार करती हैं या नहीं। इसकी वजह भारतीय विमान कंपनियों की वह आशंका है कि उन्होंने जिन कंपनियों से अपने विमान पट्टे पर ले रखे हैं, कंपनियां रूस पर पश्चिमी देशों के कड़े प्रतिबंधों के चलते शायद इस प्रस्ताव पर सहमत न हों।

रूस ने भारत के साथ ही मध्य एशिया के अन्य देशों और मित्र देशों से कहा हे कि वे रूस में घरेलू उड़ानें संचालित करने में मदद करें। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब ढाई वर्ष से ज्यादा समय से युद्ध छिड़ा है जिसके खत्म होने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। पश्चिमी देशों ने रूस पर इतने अधिक प्रतिबंध लगा दिए हैं कि रूस के लिए अपनी विमानन सेवाओं को सुचारु रखने में समस्याएं आ रही हैं। रूसी एयरलाइन्स विमानों की कथित कमी का भी सामना कर रही हैं। उनके लिए हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करना बेहद मुश्किल हो रहा है।

मास्को इसी कमी की पूर्ति के लिए दोस्तों की तरफ मुड़ा है और उनसे कहा है कि उसकी घरेलू उड़ानें सुचारू रखने में मदद करें। इसमें सबसे पहले भारत का नाम है। बताते हैं, रूस ने इस संबंध में भारतीय विमान सेवा प्रदाता कंपनियों से चर्चा भी चलाई है। पता चला है कि इस चर्चा में कैबोटेज प्रस्ताव का नाम भी सुनाई दिया है। कैबोटेज के मायने हैं कोई विदेशी विमान सेवा किसी दूसरे देश में वहां की घरेलू सेवाओं की उड़ानें संचालित करे। पिछले महीने चीन तथा कुछ मध्य एशियाई देशों में यह प्रस्ताव चर्चा में लाया गया था। गत दिनों रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के वक्त भी यह प्रस्ताव चर्चा में आया था।

भारत की विमानन कंपनियों को डर यह भी है कि अगर वे रूस में सेवाएं देती हैं तो कहीं पट्टे पर विमान देने वाली कंपनियों को नाराज करने से उनका बीमा कवर न खो जाए। ऐसे में रूस के प्रस्ताव को कहां तक कामयाबी मिलेगी, कहना मुश्किल है। रूस ने संभवत: उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान से भी इस प्रस्ताव पर बात की है। इस माह के शुरू में रूस के परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट ने कहा भी था कि मास्को घरेलू उड़ानें संचालित करने के लिए मित्र देशों के संपर्क बनाए हुए है।

इस संदर्भ में कजाकिस्तान के परिवहन विभाग ने पिछले सप्ताह कहा था कि वैसे अभी तक इस मुद्दे पर रूस की तरफ से कोई आधिकारिक अनुरोध तो नहीं किया गया है। अभी तो वह देश अपनी ही बढ़ती घरेलू मांग की पूर्ति करने पर गौर कर रहा है। करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस दृष्टि से वह देश भी रूस को कितना संतुष्ट कर पाएगा, कहा नहीं जा सकता। दिलचस्प बात है कि रूस की विमानन सेवाओं के बेड़े में कई पश्चिमी विमान शामिल हैं। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला बोलने से पहले, रूस की विमान सेवाओं में बोइंग और एयरबस विमानों की अच्छी-खासी संख्या थी। लेकिन प्रतिबंधों के बाद, पश्चिमी देशों की इन कंपनियों ने रूसी एयरलाइंस को विमानों की आपूर्ति रोक दी है, साथ ही उनकी साथी कंपनियों ने सॉफ़्टवेयर तक रूस की पहुंच बंद कर दी है।

एक आंकड़े के अनुसार, यूक्रेन युद्ध से पहले, रूसी एयरलाइंस के पास 850 विमानों का विशाल बेड़ा था। लेकिन 2023 की शुरुआत तक यह आंकड़ा गिरकर 736 रह गया था। अंदाजा लगाया गया है कि पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण 2026 तक यह बेड़ा आधा रह सकता है। हालांकि रूस ने अपनी विमान सेवाओं के लिए 2030 तक 1,000 विमान अपने ही देश में बनाने की योजना बनाई हुई है। लेकिन उत्पादन में लगातार देर होती रहती है।

राजनाथ और ...

रक्षा मंत्रा ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों के साथ बातचीत की थी और दशहरा का उत्सव मनाया था। इससे पहले उसी साल लेह में उन्होंने सेना के जवानों के साथ होली का त्योहार मनाया था। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सीमा पर तैनात जवानों के साथ उत्सव मनाते रहे हैं।

तवांग सेक्टर में साल 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान चीनी पक्ष की ओर से पहली बार तोप से गोले दागे गए थे। बता दें कि दिसंबर 2022 में अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (ङ-उ) चीन की सेना से झड़प भी हुई थी। तवांग में 50 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। चीन इसे छोटा तिब्बत कहता है। इस क्षेत्र को लेकर चीन अक्सर ही बखेड़ा खड़ा करता रहता है।

विवादित जगह...

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत के बाद से पूर्वी लद्दाक में एलएसी पर डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया का मतलब सैनिकों की वापसी से होता है। भारतीय सेना के अधिकारी देपसांग और डेमचौक में इस डिसइंगेजमेंट पर नजर रख रहे हैं। इन सब के बीच डेमचौक में दोनों ही तरफ से अभी तक कई टेंट हटाए जा चुके हैं। हालांकि, ये प्रक्रिया अब पूरी कर ली गई है।पूर्वी लद्दाख में सात ऐसे पॉइंट हैं, जहां चीन के साथ टकराव की स्थिति रहती है। ये हैं पेट्रोलिंग पॉइंट 14 यानी गलवान, 15 यानी हॉट स्प्रिंग, 17-ए यानी गोगरा, पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण छोर, डेपसांग प्लेन और डेमचॉक में चारदिंग नाला हैं, जहां तनाव रहता है। अप्रैल 2020 में चीन ने एक सैन्य अभ्यास के बाद पूर्वी लद्दाख के 6 इलाकों में अतिक्रमण किया था। 2022 तक चार इलाकों से चीन की सेना पीछे हट गई। दौलत बेग ओल्डी और डेमचॉक पर भारतीय सेना को पेट्रोलिंग नहीं करने दी जा रही थी। अप्रैल 2020 से पहले सैन्य अभ्यास के नाम पर चीनी सेना हजारों की तादाद में सीमा पर जमा हो गई। जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने भी तैनाती की। जून 2020 में गलवान में चीनी सैनिकों और भारतीय जवानों के साथ खूनी झड़प हुई। इस दौरान भारत के 20 जवान शहीद हो गए। जबकि चीन के इससे भी दोगुनी संख्या में सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन ने सिर्फ तीन सैनिकों के मारे जाने की बात मानी थी। फिर कई दौर की बातचीत के बाद सितंबर 2022 में गोगरा और हॉट स्प्रिंग पर डिसएंगेजमेंट की सहमति बन चुकी थी, जिसके तहत चीन की सेना वहां से पीछे हट गई थी।

फिर दो अहम पॉइंट डेपसांग, डेमचॉक बचे रह गए थे। इनपर 21 अक्टूबर को डिसएंगेजमेंट पर सहमति बनी है। और डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है।

भारत और चीन के बीच 21 अक्टूबर 2024 के बीच हुए समझौते के तहत पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए दोनों देश राजी हो गए। इस समझौते के बाद अब चीन की सेना उन इलाकों से पीछे हटेगी जहां उसने अतिक्रमण किया था। इस समझौते को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्त्री ने बताया था कि सीमा से लगने वाले इलाकों में पेट्रोलिंग के साथ 2020 के बाद उठे मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। अब इस समझौते के तहत ही दोनों देश कदम उठाएंगे।

अमेरिका ने एलएसी ...

मैथ्यू मिलर ने संवाददातों से बात करते हुए कहा, हम इस मामले पर करीब से नजर रख रहे हैं। हमें पता है कि दोनों देशों ने एलएसी पर तनाव बिंदुओं से सैनिकों को हटाने के लिए शुरुआती कदम उठाए हैं। हम सीमा पर तनाव कम होने का स्वागत करते हैं। हमने अपने भारतीय साझेदारों से बात की है और इस पर जानकारी ली है, लेकिन हमने इस प्रस्ताव में कोई भूमिका नहीं निभाई है।

मोबाइल फोन के ...

यहां वह स्थानीय सब्सिडी, कौशलयुक्त श्रमबल और भारत की तकनीकी क्षमताओं में प्रगति का पूरा लाभ ले रही है।

संघीय व्यापार आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के स्मार्टफोन निर्यात में आईफोन की बड़ी हिस्सेदारी है।इस उत्पाद श्रेणी के दम पर भारत ने चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीने में अमेरिका को सबसे ज्यादा 2.88 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है।पांच साल पहले जब एपल ने भारत में मैनुफैक्चरिंग का विस्तार नहीं किया था, तब देश से अमेरिका को सालाना स्मार्टफोन निर्यात मात्र 52 लाख डॉलर था।

शरिया काउंसिल ...

2018 में बीवी ने इस तलाक को चुनौती दी थी और घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत राहत के लिए मामला दायर किया था। उन्होंने दावा किया कि तीसरी बार तलाक उन्हें कभी नहीं दिया गया था। साल 2021 में मजिस्ट्रेट ने उनके पक्ष में फैसला दिया और घरेलू हिंसा के लिए उन्हें 5 लाख रुपए का मुआवजा और उनके नाबालिग बच्चे के लिए मासिक भत्ता देने का आदेश दिया। शौहर की इस आदेश के खिलाफ अपील को भी खारिज कर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने मौजूदा पुनरीक्षण याचिका दाखिल की।

जस्टिस स्वामीनाथन ने यह भी कहा कि अदालत की मान्यता के बिना शौहर का एकतरफा तलाक देकर निकाह को तोड़ नहीं सकता। उन्होंने कहा कि दूसरा निकाह करना मानसिक उत्पीड़न का कारण बनता है, जो कि क्रूरता के दायरे में आता है। जस्टिस स्वामीनाथन ने यह साफ कहा कि दूसरी शादी का मामला किसी भी धर्म में क्रूरता की श्रेणी में आता है, और इससे प्रभावित जीवनसाथी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत राहत पाने के हकदार होते हैं।

हिंदुओं पर...

भी सुरक्षा दे सकता है, क्योंकि इस दौरान बहुत सारे मजलूमों को भी निशाना बनाया गया।

बता दें कि छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन में सैकड़ों लोग मारे गए, लेकिन जो लोग इस हिंसा से प्रभावित हुए हैं, उन्हें डर है कि नए अधिकारियों द्वारा किया गया न्याय का वादा अब उन्हें न्याय नहीं देगा। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय के आधिकारिक बयान में कहा गया, एक नए गैर-भेदभावपूर्ण बांग्लादेश की यात्रा शुरू हो गई है। जो छात्र और नागरिक इस उथल-पुथल में शामिल थे, उन्हें 15 जुलाई से 8 अगस्त के बीच उनके कार्यों के लिए दंड, गिरफ्तारी या परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण यह है कि बांग्लादेश में हिंदू, मुस्लिम अहमदिया सूफी समुदाय, बौद्ध और ईसाई जैसे अल्पसंख्यक समुदायों पर भयानक हमले हुए हैं।

5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया, जब उनके खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे थे। उनके जाने के बाद, बांग्लादेशी सेना ने सत्ता संभाली और मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी। इस बीच, बांग्लादेश के हिंदू इस्लामिस्टों द्वारा देशभर में निशाना बनाए जाने लगे।

दीपावली पर करे मां लक्ष्मी का पूजन पाएं आर्थिक समृद्धि

कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला खुशियों और रोशनी का त्योहार दीपावली हिंदू धर्म का सबसे बड़ा और प्राचीन त्योहार है। यह त्योहार मां लक्ष्मी के सम्मान में मनाया जाता है। कुछ जगहों पर इस त्योहार को नए साल की शुरुआत भी माना जाता है। दीपोत्सव से कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं।

यह त्योहार भगवान राम और माता सीता के 14 वर्ष के वनवास के बाद घर आगमन की खुशी में मनाया जाता है। कथाओं के अनुसार दीपावली के दिन ही भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार दीपावली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी। यह भी कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया तब ब्रजवासियों ने इस दिन दीप प्रज्वलित कर खुशियां मनाईं। जैन धर्म के लोग इस त्योहार को भगवान महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं। दीपावली की रात को इस रूप में जाना जाता है कि मां लक्ष्मी ने पति के रूप में भगवान विष्णु को चुना और फिर उनसे विवाह किया। दीपावली का त्योहार भगवान विष्णु के वैकुंठ में वापसी के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। यह भी मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या के दिन मां लक्ष्मी समुद्र से प्रकट हुई थीं। इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। दीपावली की रात मां काली की पूजा का भी विधान है।

भारत के त्योहारों में दीपावली काफी विशिष्ट स्थान रखती है। इस त्योहार के अवसर पर घरों और दूकानों को सजाया-संवारा जाता है। उनकी साफ-सफाई की जाती है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी की पूजा विशेष रुप से की जाती है। हिन्दू धर्म के अनुसार दीपावली के दिन धन की देवी महालक्ष्मी के साथ विघ्न-विनाशक श्री गणेश की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की भी पूजा-आराधना की जाती है। कहा जाता है कि कार्तिक मास की अमावस्या की आधी रात में देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं और हर घर में जाती हैं। जिस घर में स्वच्छता और शुद्धता होती है वह वहां निवास करती हैं।

दीपावली हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है। हर देशवासी को इस त्यौहार का इंतजार रहता है। यह रोशनी और प्रकाश का त्यौहार है। इस दिन बच्चों को खाने के लिए तरह तरह की मिठाइयां मिलती हैं और पटाखे चलाने को मिलते हैं। दीपावली के दिन गणेश लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय को दिखाता है। इस दिन घरों में दिए जलाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार की लाइटें, रंग बिरंगी रोशनी लगाई जाती हैं। लोग नए वस्त्र पहनते हैं। शाम को मिठाइयां बांटी जाती हैं, लोग दावतों में जाते हैं।

दीपावली का महत्व- ज्योतिषाचार्य ने बताया कि 14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान राम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटने का प्रतीक है दीवाली। अपने पिता राजा दशरथ के आदेश के बाद भगवान राम 'वनवास' के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने भारत के जंगलों और गांवों में 14 साल बिताए। अपने वनवास के अंत में दस मुखी लंका के राजा रावण ने सीता का अपहरण कर लिया था। इसके बाद भगवान राम ने रावण से युद्ध किया और रावण को मारकर अपनी पत्नी को लेकर वापिस अयोध्या लौटे। महाकाव्य रामायण में भगवान राम की जीत बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

दीपावली का त्योहार आते ही घर में एक अलग सा माहौल नजर आने लगता है। जहां एक तरफ पूरे घर को सजाया जाता है, वहीं भगवान गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं। अगर दीवाली में मां लक्ष्मी को खुश कर लिया तो घर में कभी भी धन की समस्या नहीं होती। लेकिन इसी दिन भगवान गणेश को भी पूजा जाता है। बुद्धि और विवेक के प्रतीक माने जाने वाले गणेश को इस दिन मां लक्ष्मी के साथ क्यों पूजा जाता है। इसके बारे में काफी कम लोग जानते हैं। लेकिन हमारे देश में हर त्योहार और उसे मनाने के तरीके के पीछे एक कहानी छिपी होती है। दीवाली पर गणेश और लक्ष्मी की पूजा के पीछे भी एक ऐसी कहानी है।

कहानी - ग्रंथों के मुताबिक एक बार एक वैरागी साधु को राजसुख भोगने की इच्छा जागृत हुई, इसके लिए उसने मां लक्ष्मी की आराधना शुरू की। उसकी कड़ी तपस्या और आराधना से लक्ष्मी जी प्रसन्न हुईं और उसे दर्शन देकर वरदान दिया कि उसे उच्च पद और सम्मान प्राप्त होगा। इसके बाद वह साधु राज दरबार में पहुंचा। वरदान मिलने से उसे अभिमान हो गया था। उसने भरे दरबार में राजा को धक्का मारा जिससे राजा का मुकुट नीचे गिर गया। राजा व उसके साथी उसे मारने के लिए दौड़े। लेकिन इसी बीच राजा के गिरे हुए मुकुट से एक कालानाग निकल कर बाहर आया। सभी चौंक गए और साधु को चमत्कारी समझकर उसकी जय जयकार करने लगे। राजा ने इस बात से प्रसन्न होकर साधु को अपना मंत्री बना दिया। उस साधु को रहने के लिए अलग से महल भी दे दिया गया। राजा को एक दिन वह साधु भरे दरबार से हाथ खींचकर बाहर ले गया। यह देख दरबारी जन भी पीछे भागे। सभी के बाहर जाते ही भूकंप आया और भवन खण्डहर में तब्दील हो गया। लोगों को लगा कि साधु ने सबकी जान बचाई। इसके बाद साधु का मान-सम्मान और भी ज्यादा बढ़ गया। अब इस वैरागी साधु में अहंकार और भी ज्यादा बढ़ गया।

हटवा दी गणेश की प्रतिमा

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि राजा के महल में एक गणेश जी की प्रतिमा थी. एक दिन साधु ने यह कहकर वह प्रतिमा हटवा दी कि यह देखने में बिल्कुल अच्छी नहीं है। कहा जाता है कि साधु के इस कार्य से गणेश जी रुष्ट हो गए। उसी दिन से उस मंत्री बने साधु की बुद्धि भ्रष्ट होना शुरू हो गई और वह ऐसे काम करने लगा जो लोगों की नजरों में काफी बुरे थे।. इसे देखते हुए राजा ने उस साधु से नाराज होकर उसे कारागार में डाल दिया।. साधु जेल में एक बार फिर से लक्ष्मी जी की आराधना करने लगा।. लक्ष्मी जी ने दर्शन देकर उससे कहा कि तुमने भगवान गणेश का अपमान किया है। इसके लिए गणेश जी की आराधना करके उन्हें प्रसन्न करो। इसके बाद वह साधु गणेश जी की आराधना करने लगा। उसकी इस आराधना से गणेश जी का क्रोध शान्त हो गया। एक रात गणेश जी ने राजा के स्वप्न में आकर कहा कि साधु को फिर से मंत्री बनाया जाए। राजा ने आदेश का पालन करते हुए साधु को मंत्री पद दे दिया। इस घटना के बाद से मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा एक साथ होने लगी।

बिना बुद्धि के धन नहीं

भगवान गणेश बुद्धि के प्रतीक हैं तो मां लक्ष्मी धन-समृद्धि की। घरों में इन मूर्तियों को स्थापित कर पूजन करने से धन और सद्बुद्धि दोनों आएगी। शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन का प्रतीक माना गया है, जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है, जब तक वह मां न बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयीं। पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थीं कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएंगी, लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौंप दिया। इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुईं। उन्होंने कहा कि सुख-समृद्धि के लिए पहले गणेश जी की पूजा करनी पड़ेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी

इन मंत्रों से करें मां को प्रसन्न

यह मां लक्ष्मी के अलग-अलग नाम हैं, जिनका जप करने से मां प्रसन्न होती है।

ॐ आद्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ विद्या-लक्ष्मयै नमः, ॐ सौभाग्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ अमृतलक्ष्म्यै नमः, ॐ कामलक्ष्म्यै नमः, ॐ सत्यलक्ष्म्यै नमः,

ॐ भोगलक्ष्म्यै नमः, ॐ योगलक्ष्म्यै नमः.

ऊं अपवित्रः पवित्रोवा सर्वावस्थां गतो पिवा ।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः।।

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

दीपावली के पूजन के शुभ प्रतीक

दीपावली के पूजन महालक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस पूजा के साथ ही घर और पूजा घर को सजाने के लिए मंगल वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। आइए विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास से जानते हैं कि गृह सुंदरता, समृद्धि और दीपावली के पूजन के कौन-से शुभ प्रतीक हैं।

दीपक- दीपावली के पूजन में दीपक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिर्फ मिट्टी के दीपक का ही महत्व है। इसमें पांच तत्व हैं मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। अतः प्रत्येक हिंदू अनुष्ठान में पंचतत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। कुछ लोग पारंपरिक दीपक की रोशनी को छोड़कर लाइट के दीपक या मोमबत्ती लगाते हैं जो कि उचित नहीं है।

रंगोली- उत्सव-पर्व तथा अनेकानेक मांगलिक अवसरों पर रंगोली या मांडने से घर-आंगन को खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। यह सजावट ही समृद्धि के द्वार खोलती है।घर को साफ सुथरा करके आंगन व घर के बीच में और द्वार के सामने और रंगोली बनाई जाती है।

कौड़ी- पीली कौड़ी को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। दीवापली के दिन चांदी और तांबे के सिक्के के साथ ही कौड़ी का पूजन भी महत्वपूर्ण माना गया है। पूजन के बाद एक-एक पीली कौड़ी को अलग-अलग लाल कपड़े में बांधकर घर में स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है।

तांबे का सिक्का- तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।

मंगल कलश- भूमि पर कुंकू से अष्टदल कमल की आकृति बनाकर उस पर कलश रखा जाता है। एक कांस्य, ताम्र, रजत या स्वर्ण कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर कुंकूम, स्वस्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है।

श्रीयंत्र- धन और वैभव का प्रतीक लक्ष्मीजी का श्रीयंत्र। यह सर्वाधिक लोकप्रिय प्राचीन यंत्र है। श्रीयंत्र धनागम के लिए जरूरी है। श्रीयंत्र यश और धन की देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने वाला शक्तिशाली यंत्र है। दीपावली के दिन इसकी पूजा होना चाहिए।

फूल- कमल और गेंदे के पुष्प को शांति, समृद्धि और मुक्ति का प्रतीक माना गया है। सभी देवी-देवताओं की पूजा के अलावा घर की सजावट के लिए भी गेंदे के फूल की आवश्यकता लगती है। घर की सुंदरता, शांति और समृद्धि के लिए यह बेहद जरूरी है।

नैवेद्य- लक्ष्मीजी को नैवद्य में फल, मिठाई, मेवा और पेठे के अलावा धानी, बताशे, चिरौंजी, शक्करपारे, गुझिया आदि का भोग लगाया जाता है। नैवेद्य और मीठे पकवान हमारे जीवन में मिठास या मधुरता घोलते हैं।

दीपावली पूजन मुहूर्त- इस दिन पूरा दिन ही शुभ माना जाता है। इस दिन किसी भी समय पूजन कर सकते हैं लेकिन प्रदोष काल से लेकर निशाकाल तक समय शुभ होता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दीवाली के दिन क्या करें, सुबह से लेकर शाम तक की 15 जरूरी बातें

दीपावली भारत का महत्वपूर्ण और मनमोहक त्योहार है। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों को दीपों, मोमबत्तियों और रंगोली से सजाते नए कपड़े पहनते हैं, परिवार के साथ समय बिताते हैं, मिठाइयां बांटते हैं, जिससे चारों ओर एक खुशनुमा माहौल बनता है। ऐसे में कोई काम छूट न जाए, इसलिए आइए बताते हैं, दीवाली के दिन सुबस से शाम तक क्या-क्या करें।

सुबह- दीवाली की सुबह से ही तैयारियां शुरू जाती हैं। सुबह अपने घरों की सफाई करते हैं और उसे नया रूप देते हैं। इसके बाद, रंगोली बनाना एक पारंपरिक गतिविधि होती है। विभिन्न रंगों से बनी रंगोली दरवाजे के सामने सजावट का काम करती है।

साफ-सफाई: घर की अच्छी तरह से सफाई करें।

रंगोली: मुख्य द्वार पर बनाएं।

दीप जलाना: सुबह के समय भगवान का ध्यान करते हुए दीपक जलाएं।

दोपहर- दोपहर में देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। यह पूजा धन और समृद्धि के लिए होती है। घर के लिए विशेष व्यंजन बनाएं, जिसमें मिठाइयां, नमकीन और अन्य स्वादिष्ट व्यंजन शामिल हैं। पूजा के बाद परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन का आनंद लें।

पूजा: देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करें।

प्रसाद तैयार करना: पूजा के लिए मिठाई और फल का प्रसाद तैयार करें।

परिवार के साथ भोजन: खास व्यंजन बनाकर परिवार के साथ भोजन का आनंद लें। शाम को, दीप जलाने का समय होता है। घर के हर कोने में दीपक जलाएं। मुहुर्त के समय देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करें। प्रसाद बांटें। इसके बाद बारी आती है पटाखों की, जो परिवार के साथ आनंद और उत्साह को बढ़ाता है।

दीप जलाना: घर के कोनों में दीपक और मोमबत्तियां जलाएं।

पटाखे: सुरक्षित स्थान पर पटाखे जलाएं।

गिफ्ट्स: परिवार और दोस्तों को उपहार दें।

दूसरों के साथ खुशियां बांटना: पड़ोसियों और दोस्तों के साथ मिलकर दीवाली मनाएं।

रात - दीवाली का असली जादू तब है जब लोग एक-दूसरे को उपहार देते हैं और खुशियां बांटते हैं। यह दिन केवल व्यक्तिगत खुशी का नहीं, बल्कि सामूहिक एकता का भी प्रतीक है। परिवार, मित्र और पड़ोसी मिलकर इस पर्व को मनाते हैं, जिससे रिश्तों में मजबूती आती है।

परिवार के साथ समय बिताना: साथ में बिताएं, गप्पें करें या फिल्म देखें।

सामुदायिक उत्सव: अगर संभव हो तो सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लें।

दीपोत्सव में 5 अलग-अलग देवताओं का होगा पूजन आरोग्य

आरोग्य, ऐश्वर्य, उन्नति व प्रकाश का पांच दिवसीय पर्व दीपावली मंगलवार को धनत्रयोदशी के शुरू होगा। भाई दूज तक चलने वाले उत्सव में पांच दिन पांच अलग-अलग देवताओं का पूजन किया जाएगा। इस बार तिथि मतांतर के कारण नर्कहरा चतुर्दशी व दीपावली एक ही दिन है। वहीं, गोवर्धन पूजा दीपावली के एक दिन बाद 2 नवंबर को होगी। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं.अमर डब्बावाला बताया पंचांगीय गणना व धर्मशास्त्र की मान्यता के अनुसार इन तारीखों में पांच त्योहार मनाना शुभ फलदायी रहेगा।इस दिन आयु, आरोग्य व अज्ञात भय निवृत्ति के लिए यमराज के निमित्त दीपदान अवश्य करना चाहिए। तिल्ली के तेल का दीपक जलाने से यमराज की कृपा प्राप्त होती है। ऐसा करने से परिवार में अकाल मृत्यु नहीं होती है।

प्रदोष काल में होगा माता लक्ष्मी का पूजन

दीपावली के दिन सुख, समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी के पूजन का विधान है। इस बार 31 अक्टूबर को प्रदोष काल व मध्य रात्रि में अमावस्या तिथि होने से यह दिन लक्ष्मी पूजन के लिए विशेष है। शाम को भगवान गणेश, लक्ष्मी तथा कुबेर देवता का पूजन होगा।

गोवर्धन पूजा व अन्नकूट

दीप पर्व का चौथा दिन गोवर्धन पूजा का होता है। दीपावली के अगले दिन पड़वा पर सुबह गोधन व गोवर्धन की पूजा की जाती है। इस बार 31 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी, अगले दिन 1 नवंबर को सुबह के समय अमावस्या तिथि होने से 2 नवंबर को गिरिराज गोवर्धन की पूजा होगी। वैष्णव मंदिरों में अन्नकूट का भोग लगाया जाएगा।

यम द्वितीया, भाई दूज

भाई दूज के साथ पांच दिवसीय दीप पर्व का समापन होगा। इस बार 3 नवंबर को भाई दूज मनाई जाएगी। इस दिन बहनों के घर जाकर उनका आतिथ्य स्वीकार करेंगे।

बहनें भाई के दीर्घायु जीवन के लिए उन्हें मंगल तिलक लगाएंगी। इस त्यौहार को मनाने के पीछे यमराज व उनकी बहन यमी की धर्मकथा प्रमुख है। मान्यता है इस दिन भाई व बहनों को यमराज दीर्घायु प्रदान करते हैं।

दीवाली पूजन उत्तम मुहूर्त दिन शाम 6:27 से 8:23 तक स्थिर लग्न, 1.56 घंटा

दीप ज्योति का मुख्य पर्व दीपावली इस साल 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा, जो कि कार्तिक अमावस्या तिथि में आता है। इस अवसर पर लक्ष्मी पूजन का समय प्रदोष काल में विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना है। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार इस दिन स्थिर लग्न वृषभ में लक्ष्मी पूजन का उत्तम मुहूर्त सायं 6:27 से रात 8:23 बजे तक रहेगा।

मुहूर्त में करें लक्ष्मी जी का पूजन-31 अक्टूबर को कार्तिक अमावस्या तिथि में मनाया जाएगा। इस पर्व पर लक्ष्मी पूजन का प्रमुख प्रदोष काल माना जाता है, जिसमें स्थिर लग्न की प्रधानता होती है। इस दिन लक्ष्मी पूजन के लिए उत्तम मुहूर्त स्थिर लग्न वृषभ में सायं 6:27 से रात 8:23 बजे तक रहेगा, जिससे घरों और प्रतिष्ठानों में समृद्धि की कामना की जा सकेगी।

पढ़ें पूजन का महत्व और समय- पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार, कार्तिक अमावस्या 31 अक्टूबर और 1 नवंबर दोनों दिन है। अमावस्या 31 अक्टूबर को दोपहर 3:12 बजे समाप्त होगी। एक नवंबर को सायं 5:13 बजे के बाद प्रतिपदा लग जाएगी। इस कारण दीपावली मनाने का समय शास्त्र सम्मत है।

उपयोगिता और धार्मिक महत्व -कार्तिक अपने आप में स्वयं सिद्ध मुहूर्त है। इस दिन किए गए कार्य वर्ष भर सफलता दिलाते हैं। व्यापारी वर्ग इस अवसर पर महालक्ष्मी का पूजन कर व्यापार में उन्नति की कामना करता है। तिथि विशेष पर तांत्रिक लोग तंत्र-मंत्र की सिद्धि भी करते हैं और बंगीय समाज में महाकाली का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार दीपावली का पर्व एक महत्व-पूर्ण और शुभ अवसर है।

शुभ दीपावली

किस घर आती हैं लक्ष्मी

जहां स्वच्छता, पति-पत्नी में प्रेम-भाव, बुजूर्गों के प्रति सम्मान और सौहार्द की भावना होती है, वहीं लक्ष्मी निवास करती हैं। अत: लक्ष्मीवान बनने के लिए जरूरी है कि सद्गुणों व संस्कारों को विकसित किया जाए

आजकल लोग भगवती लक्ष्मी को केवल धनागम के लिए पूज रहे हैं, जबकि धन-संपत्ति उनकी विभूति मात्र है। हम लक्ष्मी को धन का पर्याय समझने की भूल कर बैठे हैं। सच तो यह है कि धन केवल इन देवी की एक कला (अंश) मात्र है। इसलिए धनवान होना और लक्ष्मीवान होना, ये दो अलग-अलग बातें हैं। सही मायनों में लक्ष्मी का पर्यायवाची शब्द केवल श्री है। वेद में वर्णित श्रीसूक्त की ऋचाओं के द्वारा लक्ष्मीजी का आह्वान किया जाता है। भगवती की अनुकंपा से धन-संपत्ति के साथ-साथ प्रतिष्ठा, निरोगता, सद्बुद्धि, सुख, शांति और वैभव की प्राप्ति भी होती है। इसी कारण युगों से मानव श्रीमान बनने की कामना करता रहा है, किंतु सच्चा श्रीमान वही है, जो धन पाने के बाद धर्म के पथ से विमुख न हो। यानी अहंकार के वशीभूत होकर बुरे कर्म न करे। स्वार्थी होने के बजाय परमार्थी बने।

दीपावली की पूजा में हम प्रार्थना करते हैं कि भगवती लक्ष्मी हमारे घर पधारें, लेकिन यह जानना भी जरूरी है कि लक्ष्मीजी कहां निवास करना चाहती हैं? पुराणों में इस संदर्भ में एक आख्यान मिलता है। एक बार भगवान विष्णु ने लक्ष्मीजी से पूछा - हे देवि, क्या करने से तुम अचल होकर घर में रहती हो? इस पर विष्णुप्रिया लक्ष्मी बोलीं- जिस घर में कलह-क्लेश नहीं होता, वहां मैं विद्यमान रहती हूं। जिस घर में गृहस्थी का कुशल प्रबंध होता है और जहां सदा स्वच्छता रहती है, मैं उस घर में वास करती हूं। जिस घर में लोग मृदुभाषी और सौहार्द बनाए रखने वाले हैं, मैं वहां निवास करती हूं। जिस परिवार में बड़े-बूढ़ों की सेवा-सुश्रूषा होती है, मैं उस घर में निवास करती हूं। जिस घर के द्वार से कोई भूखा-असहाय खाली नहीं लौटता, मैं वहां वास करती हूं। जहां स्त्रियों का अनादर या शोषण नहीं होता, मैं वहां रहती हूं।

देवी ने श्रीहरि को यह भी बताया कि किस प्रकार के स्त्री-पुरुष उनके प्रिय पात्र होते हैं। जो स्त्री सुख-दुख हर स्थिति में पति का साथ देती है, वह लक्ष्मीजी को प्रिय है। जो पुरुष सदाचारी, कर्मठ, विनयशील, कर्तव्यनिष्ठ एवं पत्नी के प्रति ईमानदार है, वह लक्ष्मीजी की कृपा का पात्र है। कुल मिलाकर, यह निष्कर्ष निकलता है कि भगवती लक्ष्मी सद्गुणों और अच्छे संस्कारों को अपने निमित्त किए जा रहे पूजा-पाठ अर्थात कर्मकांड से अधिक महत्व देती हैं।

हालांकि शास्त्रों में लक्ष्मी-पूजा के लिए अमावस्या तिथि को निषिद्ध माना गया है, किंतु दीपावली में लक्ष्मी-अर्चना कार्तिक मास की अमावस्या को ही होती है। क्योंकि मान्यता है कि दस महाविद्याओं में लक्ष्मी-स्वरूपा कमला का आविर्भाव इसी तिथि में हुआ। कार्तिक अमावस्या वस्तुत: कमला जयंती है। इसलिए इस दिन कमला (लक्ष्मी) का पूजन शास्त्रोचित है। अमावस की अंधेरी रात में दीपमालिका जलाकर पूजा करने का तात्पर्य है कि ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान का अंधकार समाप्त हो। इसके अतिरिक्त दीपदान के माध्यम से चातुर्मास में सो रहीं लक्ष्मी (भगवान विष्णु की आह्लादिनी शक्ति) को कार्तिक शुक्ल (देवोत्थान) एकादशी से पूर्व लोकहितार्थ जगाया जाता है। जिस प्रकार एक गृहिणी गृहस्वामी से पहले जागकर अपने कार्य में तत्पर हो जाती है, उसी तरह कार्तिकी अमावस्या के दिन श्रीहरि की अर्द्धांगिनी उनसे ग्यारह दिन पूर्व जाग जाती हैं।

लक्ष्मीजी का जागरण दीपमालिका को प्रज्वलित करने से होता है, अत: कमला जयंती दीपावली के रूप में लोक-विख्यात हो गई। कमल के आसन पर विराजमान, हाथ में कमल पुष्प लिए हुए कमल द्वारा पूजित भगवती कमला साक्षात लक्ष्मी ही हैं। जिस प्रकार कमल कीचड़ में खिलता है, उसी प्रकार कर्मयोगी विपरीत परिस्थितियों से निपटकर लक्ष्य को हासिल कर लेता है।

अत: दीपावली की पूजा का मूल उद्देश्य श्रीमान या लक्ष्मीवान बनना है, न कि केवल धनवान। ज्ञान के आलोक में अंतस का अंधकार (अज्ञान) नष्ट हो जाने पर सद्गुणों का तेज ही मनुष्य को लक्ष्मीवान या श्रीमान बना सकता है। श्री अर्थात लक्ष्मी सिर्फ सदाचारी का ही वरण करती हैं। दुराचारी धनवान भले बन जाए, पर वे श्रीमान (लक्ष्मीवान) कहलाने के अधिकारी नहीं बन सकते। श्रीदेव्यथर्वशीर्ष में महालक्ष्मी गायत्री का उल्लेख है- महालक्ष्म्यै च विद्महे सर्वशक्त्यै च धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात। जिसका भावार्थ यह है - हम महालक्ष्मी को जानते हैं और उन सर्वशक्तिरूपिणी का ही ध्यान करते हैं। वह देवी हमें सत्प्रेरणा देकर सत्कर्म्मो में प्रवृत्त करें। दीपावली-पूजा में ही हमारा यही संकल्प होना चाहिए।

दीपक का संदेश

ईश्वर को प्रकाश स्वरूप माना गया है। अत: दीपक की ज्योति ज्ञान एवं विवेक जैसे ईश्वरीय गुणों को प्रकट करती है। दीप पात्रता, लगन, स्नेह और प्रकाश का समन्वय है। इसके अवयवों को इस प्रकार समझा जा सकता है -

पात्र दीपक का पात्र पात्रता-प्रामाणिकता का प्रतीक है। पात्रता का अर्थ ही होता है- प्रामाणिकता। अत: उपासना करने वाले व्यक्ति का प्रामाणिक होना अनिवार्य है।

घृत घी-तेल आदि को संस्कृत में स्नेह कहते हैं। पात्र में इसे भरने का अर्थ है कि प्रामाणिक व्यक्ति अपने अंदर संपूर्ण मानवता के प्रति स्नेह धारण करे।

वर्तिका दीप की बत्ती को संस्कृत में वर्तिका कहते हैं। इसका अर्थ होता है- लगन, अर्थात बिना कर्मठता के ईश्वरीय अनुदान संभव नहीं।

ज्योति पात्र, स्नेह और वर्तिका को धारण करने के बाद ही दीपक ज्योति को धारण कर सकता है। अर्थात पात्रता, स्नेह और कर्मठता के गुणों को धारण करने वाले व्यक्ति के अंतर्मन में ही ईश्वरीय प्रभा आलोकित होती है।

दीप हिंदुओं का तो प्रमुख पूजन प्रतीक है ही, ईसाई भी चर्च में मोमबत्ती जलाते हैं। इस्लाम में चिराग रोशन किया जाता है और पारसियों की प्रमुख आराध्य ही अग्नि है। दीप के महत्व के कारण दीपयज्ञों की परंपरा शुरू हुई। मात्र अंधकार को धिक्कारते रहने से उजाला नहीं आता। उसके लिए दीप जलाना अनिवार्य है। अर्थात विश्व-कल्याण की अपेक्षा करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके लिए प्रयास करना आवश्यक है। जिस प्रकार एक दीप से अनेक दीप जलते हैं, उसी प्रकार एक प्रयास अन्य लोगों को प्रेरणा देगा।

दिवाली पूजा विधि

दिवाली के दिन की विशेषता लक्ष्मी जी के पूजन से संबन्धित है. इस दिन हर घर, परिवार, कार्यालय में लक्ष्मी जी के पूजन के रुप में उनका स्वागत किया जाता है. दीवाली के दिन जहां गृहस्थ और वाणिज्य वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं, वहीं साधु-संत और तांत्रिक कुछ विशेष सिद्धियां अर्जित करने के लिए रात्रिकाल में अपने तांत्रिक कर्म करते हैं.

पूजा सामग्री

- लक्ष्मी व श्री गणेश की मूर्तियां (बैठी हुई मुद्रा में)
- केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, शहद, सिक्के, लौंग.
- सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, 11 दीपक
- रूई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए.

पूजा की तैयारी

चौकी पर लक्ष्मी व गणेश की मूर्तियाँ इस प्रकार रखें कि उनका मुख पूर्व या पश्चिम में रहें. लक्ष्मीजी,गणेशजी की दाहिनी ओर रहें. पूजनकर्ता मूर्तियों के सामने की तरफ बैठे. कलश को लक्ष्मीजी के पास चावलों पर रखें. नारियल को लाल वस्त्र में इस प्रकार लपेटें कि नारियल का अग्रभाग दिखाई देता रहे व इसे कलश पर रखें. यह कलश वरुण का प्रतीक है. लक्ष्मीजी की ओर श्री का चिह्न बनाएँ. गणेशजी की ओर त्रिशूल, चावल का ढेर लगाएँ. सबसे नीचे चावल की नौ ढेरियाँ बनाएँ. छोटी चौकी के सामने तीन थाली व जल भरकर कलश रखें. तीन थालियों में निम्न सामान रखें।

ग्यारह दीपक (पहली थाली में)

- खील, बताशे, मिठाई, वस्त्र, आभूषण, चन्दन का लेप सिन्दूर कुंकुम, सुपारी, पान (दूसरी थाली में)
- फूल, दुर्वा चावल, लौंग, इलायची, केसर-कपूर, हल्दी चूने का लेप, सुगंधित पदार्थ, धूप, अगरबत्ती, एक दीपक. (तीसरी थाली में)
- इन थालियों के सामने पूजा करने वाला स्व्यं बैठे. परिवार के सदस्य आपकी बाईं ओर बैठें. शेष सभी परिवार के सदस्यों के पीछे बैठे.

लक्ष्मी पूजन विधि

आप हाथ में अक्षत, पुष्प और जल ले लीजिए. कुछ द्रव्य भी ले लीजिए. द्रव्य का अर्थ है कुछ धन. यह सब हाथ में लेकर संकसंकल्प मंत्र को बोलते हुए संकल्प कीजिए कि मैं अमुक व्यक्ति अमुक स्थान व समय पर अमुक देवी-देवता की पूजा करने जा रहा हूं जिससे मुझे शास्त्रोक्त फल प्राप्त हो. सबसे पहले गणेश जी व गौरी का पूजन कीजिए.हाथ में थोड़ा-सा जल ले लीजिए और आह्वाहन व पूजन मंत्र बोलिए और पूजा सामग्री चढ़ाइए. हाथ में अक्षत और पुष्प ले लीजिए और नवग्रह स्तोत्र बोलिए. अंत में महालक्ष्मी जी की आरती के साथ पूजा का समापन कीजिये.

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें । स्थिति में सुधार आएगा । पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी-मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता-पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पदोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरुरतों को पूरा करना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है.
राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीवै नमः मंत्र का जप करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगें और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एकाग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरुरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है. आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें.
सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य खर्चीले रहेगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का ब्लड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नही हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगानी जरूरी हैं किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है. आपके भाई-बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक-झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं यात्रा का योग भी बनेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता-पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढ़ाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें ।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 31 अक्टूबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 03:55 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 12:55 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 09:49 तक
करण : शकुन सायं 03:55 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 11:15 तक
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रुप चतुर्दशी, अभ्यंग स्नान , यम तर्पण

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम सैनी ने वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उन्हें किया नमन

चंडीगढ़, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को देश के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उन्हें शत्-शत् नमन किया और उनके चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की।श्री सैनी ने सिविल सेवकों का आह्वान किया कि वह राष्ट्रीय एकता दिवस पर यह संकल्प लें कि हरियाणा के लोगों की जो भी अपेक्षाएं हैं, उन पर हम खरा उतरेंगे और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए हरियाणा को मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल उच्च कोटि के राजनेता और प्रशासनिक व्यक्ति थे। उनके जीवन से हमें जानने को मिलता है कि उनका जीवन सदैव देश के हित और देश के लोगों समस्याओं के समाधान करने के लिए समर्पित रहा, ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में सांस ले सकें। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई, वहीं आजादी के बाद देश को एक सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 व 35-ए को समाप्त करके जम्मू एवं कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाकर सरदार वल्लभभाई पटेल को दी सच्ची श्रद्धांजलि दी है। श्री सैनी ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई- मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करुंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करुंगा।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई दी

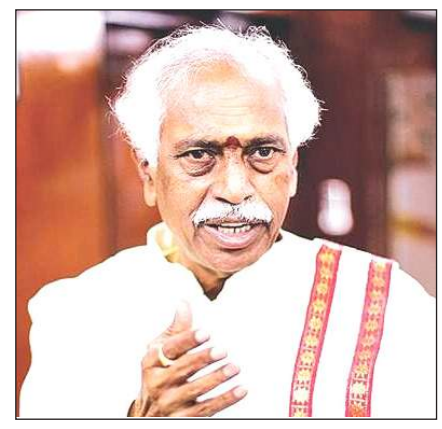

चंडीगढ़, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दीपावली के पावन अवसर पर हरियाणा और पूरे देश के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

श्री दत्तात्रेय ने इस त्योहार को प्रकाश, आनंद और सद्भाव का उत्सव बताते हुए सभी समुदायों में प्रेम, करुणा और एकता फैलाने के लिए दीपावली के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिवाली अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा, आइए, हम शांति, भाईचारे और एकजुटता के मूल्यों को अपनाकर इस खुशी के अवसर को मनाएं। दिवाली का प्रकाश हमें समृद्ध और समावेशी भविष्य की ओर ले जाए और हमें समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ जिम्मेदारी से त्योहार मनाने और वंचितों की देखभाल के महत्व को याद रखने का आग्रह किया, जिससे दिवाली की भावना समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। उन्होंने राज्य भर के किसानों, कारीगरों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को भी अपनी विशेष शुभकामनाएं दीं और हरियाणा के विकास और कल्याण में उनके समर्पण और अमूल्य योगदान को स्वीकार किया।

भजनलाल की दीपावली, गोवर्धन, भाईदूज पर शुभकामनाएं

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन एवं भाईदूज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुख-समृद्धि की कामना की है।

श्री शर्मा ने कहा कि दीपों का यह पर्व अन्याय और शोषण के विरूद्ध न्याय एवं संघर्ष की विजय का उत्सव है। यह पर्व हमें सच्चाई एवं धर्म की राह पर चलने, विपदाओं से नहीं घबराने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे भगवान श्रीराम के महान आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर बेसहारा एवं अभावग्रस्त लोगों की मदद करने का संकल्प लें, जिससे कि सामाजिक समरसता की भावना मजबूत हो और देश-प्रदेश प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सके। इससे पहले जारी एक वीडियो में श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को दिवाली की बधाई देते हुए आह्वान किया है कि वे सब दीपक जलाकर राजस्थान को रोशन एवं उन्नत करें और आगे बढ़ाएं। श्री शर्मा ने कहा एक दीपक आप जलाएं, एक दीपक मैं जलाऊं, एक दीपक सब जलाएं और हम हमारे राजस्थान को रोशन एवं उन्नत करें और आगे बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि किसान हो, मजदूर हो, महिला या युवा हो, सबके लिए काम किया जा रहा है। युवाओं से जो वादा किया गया, उस युवा को हर क्षेत्र में आगे देखना चाहते हैं । युवाओं के भविष्य के लिए दो वर्ष का कैलेंडर जारी कर एक साथ 90 हजार वैकेंसी मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार महिला उत्थान के लिए काम कर रही है और किसानों ने जो कहा वह किया गया है। सबको पानी के लिए ईआरसीपी और यमुना समझौते पर काम किया गया है। इसी तरह अन्य कई जनहित के काम किए गए हैं।

जेएलएन को आदर्श अस्पताल बनाने के लिये होंगे हरसंभव प्रयास : देवनानी

अजमेर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय (जेएलएन) को आदर्श अस्पताल बनाने के लिये हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अस्पताल में 76 करोड़ रुपए से नए निर्माण कराए जाएंगे।

श्री देवनानी बुधवार को अजमेर में अस्पताल दौरे के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में यहां कैंसर सर्जरी सम्भव हो सकेगी। साथ ही पीडियाट्रिक्स एवं नियोनेटोलाजी के अलावा क्रिटिकल केयर ब्लॉक पर क्रमशः 53 करोड़ तथा 23.75 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरोगी भारत के सपने को साकार करने की दिशा में अजमेर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम देश को आगे लेकर जाना चाहते हैं : अनिल विज

चंडीगढ/ अंबाला, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस देश को वापिस लेकर जाना चाहती है और हम आगे लेकर जाना चाहते हैं और ये उनकी (कांग्रेस) सोच और हमारी सोच में अंतर है।

श्री विज ने हस्तक्षेप करते हुए बुधवार को अंबाला के जीटी रोड पर स्थित एक प्राइवेट फैक्टरी के श्रमिकों को उनका बोनस तथा ओवरटाइम दिलवाकर एक प्रकार से दीवाली का उपहार दिलाया। उन्होंने कहा, झूठ की बुनियाद पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में अपनी दरखास्त दी थी और कांग्रेस का चरित्र भी है कि जब ये चुनाव हारते हैं, तब ईवीएम को दोष देते हैं, तथा जब जीतते हैं तब इनको ईवीएम याद नहीं आती। अब हरियाणा में भी ये जिन सीटों से हारे हैं, वहां कह रहे हैं ईवीएम खराब हैं और ये जहां से जीते हैं वहां क्यों नहीं कहते कि ईवीएम खराब है।

उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, जहां से कांग्रेसी जीते हैं वहां रिजाइन दो और दोबारा चुनाव लड़ लो। इसलिए चुनाव आयोग ने इनकी (कांग्रेस) सिलेसिलेवार एक-एक शिकायत का जवाब दे दिया है। चुनाव आयोग ने ये भी कहा है कि बिना वजह इस प्रकार की बातें नहीं उठानी चाहिए, क्योंकि इससे माहौल खराब होता है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के 99 प्रतिशत ईवीएम मशीन चार्ज होने के बारे में दिये गये बयान के संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा, वह अपनी इंजीनियरिंग बता रहे हैं, हो सकता है कि वह (कांग्रेस) अपने राज/कार्यकाल में खोल-खोलकर देखते होंगे। उन्होंने कहा, मशीनें देने का एक तरीका है, जब चुनाव आयोग मशीनें जारी करता हैं, तब सारी पार्टियों के प्रतिनिधियों को बुलाया जाता है और उनको दिखाया जाता है। जब ये (कांग्रेस) कर्नाटक में जीते तब शोर नहीं किया और जब ये (कांग्रेस) हिमाचल प्रदेश में जीते तब शोर नहीं किया। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आपा) जीती, तब किसी ने नहीं कहा कि ईवीएम खराब है।

देश के 22 प्रदूषित शहरों में पांच हरियाणा के

पराली जलाने के 13 नए मामले आए सामने

सोनीपत, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली से पहले हरियाणा में प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि देश के कुल 22 प्रदूषित शहरों में प्रदेश के पांच जिले भी शामिल है। सोनीपत जिले में मंगलवार को राजधानी दिल्ली से भी ज्यादा प्रदूषण रहा।

दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रेड जोन 300 के नीचे आकर 268 हुआ है जबकि सोनीपत का एक्यूआई बढ़कर 270 पहुंच गया है। प्रदेश में बहादुरगढ़ का एक्यूआई 222, भिवानी 234, जींद 212, कैथल 227 है। एक दिन पूर्व बीते सोमवार को प्रदेश के 10 जिलों का एक्यूआई 200 से 300 के बीच था।

इसमें चरखी-दादरी, फरीदाबाद, हिसार, कुरुक्षेत्र, पंचकूला और यमुनानगर शामिल थे। अभी इन जिलों के एक्यूआई लेवल यलो जोन में आ गए हैं।राज्य में मंगलवार को कुल 13 नए मामले पराली जलाने के आए हैं। जबकि पांच किसानों की मेरी फसल मेरा-ब्योरा पोर्टल पर रेड एंट्री की गई है। वहीं, 12 नई एफआईआर भी दर्ज की गई है।

पुलिस ने 33 एटीएम, 28 पासबुक व 12 चैकबुक के साथ युवक को दबोचा

साइबर ठगी को देता था अंजाम

नारनौल, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंघाना-नारनौल रोड पर पुलिस ने एक युवक को 33 एटीएम, 28 बैंक पासबुक व 12 चैकबुक के साथ पकड़ा है। आरोपी की पहचान चिंडालिया निवासी एक युवक के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक नारनौल की तरफ आ रहा है। जिसकी कार में फर्जी बैंक एटीएम कार्ड, फर्जी बैंक पासबुक व चैकबुक भी हो सकते हैं। पुलिस ने सूचना के बाद सिंघाना की तरफ से आने वाले वाहनों की जांच शुरू कर दी।

इसके कुछ समय बाद एक गाड़ी आती दिखाई दी, जिसे रोक कर तलाशी शुरू की। पुलिस पूछताछ में युवक ने अपना नाम चिंडालिया निवासी मोहित बताया। जिसकी तलाशी लेने पर एक मोबाइल मिला। जिसके व्हाट्स अप की जांच की तो चैटिंग व वाइस मैसेज में साइबर ठगी से संबंधित बातें व मैसेज मिले। इसके साथ युवक के पास एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक व चैकबुक की फोटो

भी पाई गई।वहीं गाड़ी की तलाशी लेने पर डेस्क बोर्ड में बहुत सारे एटीएम कार्ड व बैंक पासबुक, चैकबुक मिली। पुलिस जांच में 33 एटीएम कार्ड, 28 बैंक पासबुक व 12 चैकबुक मिली। इनके बारे में युवक से पूछने पर कोई संतोष जनक जवाब नही दे सका। युवक ने पूछताछ में बताया कि यह फर्जी एटीएम कार्ड, चैक बुक, पास बुक को वह साइबर फ्राड करने में प्रयोग करता है। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रोहतक जिला परिषद की सियासत

आठ दिन में दूसरी बार बची भाजपा चेयरपर्सन की कुर्सी

रोहतक, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा की जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा की आठ दिन में दूसरी बार कुर्सी बच गई। 14 में से 10 पार्षद होने के बावजूद वोटिंग नहीं हो सकी। प्रशासन की तरफ से तर्क दिया गया कि पांच पार्षद डी बार हैं, उनका फैसला छह नवंबर को आएगा। इसके बाद बैठक तय होगी। हालांकि डीसी अजय कुमार मीडिया से बात किए बगैर निकल गए। पार्षदों का आरोप है कि अधिकारी सरकार के दबाव में हैं, इसलिए बार-बार अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग को टाला जा रहा है। वे हाईकोर्ट जाएंगे।

बुधवार को जिला विकास भवन में पार्षदों की बैठक शुरू हुई। डीसी अजय कुमार भी बैठक में पहुंचे। मीडिया को बैठक में जाने से रोक दिया गया। 11 बजकर 27 मिनट पर डीसी बैठक से बाहर आए और रवाना हो गए। इसके बाद डीपीईआरओ सुरेंद्र सिंह बाहर आए और बोले बैठक को स्थगित कर दिया गया है। छह नवंबर को पांच पार्षदों के डी-बार होने के मामले में फैसला आना है। उसके बाद दोबारा बैठक की तिथि तय होगी। मीडिया से बातचीत करते हुए जिप के वाइस चेयरमैन अनिल हुड्डा व पार्षद धीरज मलिक ने कहा कि उनको पहले ही अंदेशा था कि बैठक को फिर टाला जा सकता है। बुधवार को बैठक में डीसी अजय कुमार आए और सब पार्षदों की हाजिरी ली गई। अविश्वास प्रस्ताव पास करने के लिए 14 में से 10 पार्षद होने अनिवार्य थे।सभी पार्षद बैठक में मौजूद रहे। इसके बाद पांच पार्षदों के डी-बार मामले में फैसला होने तक बैठक टाल दी गई। वाइस चेयरमैन ने कहा कि पार्षदों को डी बार जिला परिषद चेयरपर्सन ने किया था। यह बैठक अविश्वास प्रस्ताव को लेकर थी। इस बैठक से डी-बार वाले मामले को न जोड़ा जाए। इसके बावजूद बैठक स्थगित कर दी गई। चेयरपर्सन मंजू हुड्डा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए शपथ पत्र देने वाले सभी 10 पार्षद जिला परिषद की बैठक में 10 पार्षद पहुंचे थे। बैठक स्थगित होने के बाद पुलिस ने वाइस चेयरमैन अनिल हुड्डा को छोड़कर बाकी 9 पार्षदों को पिछले दरवाजे से बाहर निकालकर घरों के लिए रवाना किया गया।

नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर मनाया गया रूप चतुर्दशी पर्व

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर बुधवार को महिलाओं द्वारा रूप चतुर्दशी पर्व मनाया गया।नगर निगम ग्रेटर महापौर डा. सौम्या गुर्जर ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ रूप चतुर्दशी के पर्व पर दीप जलाये तथा महिलाओं को पर्व की शुभकामनाएं दी और

उन्हें मिठाई भी खिलाई। इस अवसर पर डा. गुर्जर ने कहा कि रूप चतुर्दशी का पर्व महिलायें उत्साह और उमंग के साथ मनाती है और नगर निगम मुख्यालय पर आज यह पर्व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ बड़े जोश के साथ मनाया गया। इस मौके उन्होंने सभी को रोशनी के पर्व दिवाली की शुभकामनाएं भी दी।

जयपुर में आयोजित पंजीयन शिविर में 8.98 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से की गयी बजट घोषणा के तहत अक्टूबर में राजकीय अवकाश के दिन आयोजित किए गए पंजीयन शिविरों में 1297 दस्तावेज पंजीकृत कर राज्य सरकार को लगभग 8.98 करोड़ राजस्व अर्जित हुआ। उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक जयपुर प्रथम डॉ.गोरधन लाल शर्मा द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री ने बजट में घोषणा की कि किसी स्थल पर किसी संस्थान द्वारा 20 से अधिक दस्तावेजों के पंजीयन के लिए पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा सकता है। इसी के तहत महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग राजस्थान अजमेर द्वारा दिये निर्देशों की पालना में जयपुर शहर के उप पंजीयक कार्यालय जयपुर द्वितीय द्वारा झोटवाड़ा में 28 अक्टूबर को पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया ,जिसमें 42 दस्तावेजों का पंजीयन किया गया एवं 32,42,789 रूपये की राजस्व आय प्राप्त हुई।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा ने बुलाया भारत बंद, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय जिले में बुधवार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा के समर्थकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एनएच-31 को जाम कर जमकर हंगामा किया। इस प्रदर्शन के कारण हाईवे पर घंटों तक यातायात बाधित रहा, जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगे रखीं। इनमें मुख्य रूप से जातीय आधारित जनगणना और विभिन्न क्षेत्रों में हिस्सेदारी का मुद्दा शामिल था।

जाम की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पहले प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन जारी रखा और पुलिस से धक्का-मुक्की करने लगे। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने बल प्रयोग किया और लाठीचार्ज कर आंदोलनकारियों को तितर-बितर किया। लाठीचार्ज के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने का प्रयास किया, जिसके कारण वहां भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने पर प्रदर्शनकारी वहां से भागने लगे।

आंदोलनकारियों का कहना है कि इस प्रदर्शन के जरिए उन्होंने जातीय आधारित जनगणना, जनसंख्या के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में हिस्सेदारी और अन्य नौ मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि केंद्र सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है, इसलिए भारत बंद का आह्वान किया गया है।

सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि किसी भी संस्था ने पुलिस प्रशासन को इस प्रदर्शन के बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं दी थी। डीएसपी के अनुसार, प्रदर्शन अचानक शुरू हुआ और बिना अनुमति के एनएच-31 को जाम कर हंगामा किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी जब लोगों को समझाने पहुंचे तो प्रदर्शनकारियों ने उन पर हमला किया और धक्का-मुक्की की। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग कर आंदोलनकारियों को वहां से हटाया और चार लोगों को गिरफ्तार किया। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, एनएच-31 के जाम रहने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यात्रियों का कहना है कि इस तरह के प्रदर्शन अचानक हो जाने से उन्हें नुकसान होता है और समय की बर्बादी होती है।

सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक पर एमडीएम के चावल की कालाबाजारी का आरोप

गुरुजी के घर से मिले कई बोरे

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

औरंगाबाद जिले के हसपुरा में राजकीय कन्या मध्य विद्यालय से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) के चावल को स्कूल से ई-रिक्शा द्वारा हेडमास्टर के घर ले जाने का वीडियो वायरल हो रहा है। यह घटना मंगलवार की बताई जा रही है। इस वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक ई-रिक्शे पर छह बोरी चावल स्कूल से ले जाया जा रहा है। दूसरे वीडियो में इसी स्कूल के प्रधानाध्यापक रविशंकर पाठक के घर पर नौ बोरी चावल रखा हुआ दिखाई दे रहा है।

कहा जा रहा है कि स्कूल के पास के कुछ बच्चों ने इस घटना का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि हेडमास्टर के घर पर चावल के बोरे एक बेंच पर रखे हुए हैं। युवकों द्वारा वीडियो में चावल के बोरे में चीरा लगा कर चावल की जांच की गई और चावल साफ-सुथरा पाया गया। इससे यह संदेह बढ़ गया कि चावल को कालाबाजारी के लिए ही स्कूल से हेडमास्टर के घर भेजा गया था।

इस मामले में हेडमास्टर रविशंकर पाठक ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि चावल में कीड़े लग गए थे, इसलिए उसे छंटाई के लिए भेजा गया था। हालांकि जब युवकों ने उनसे चावल की छंटाई की जगह दिखाने को कहा तो उन्होंने टालमटोल किया। इसके बाद हेडमास्टर ने युवकों को अपने घर ले जाकर चावल दिखाया। जहां चावल पूरी तरह से ताजा था, जिससे संदेह और बढ़ जाता है।

हसपुरा के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार चौधरी और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अशोक कुमार ने इस वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर हेडमास्टर या अन्य संबंधित व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिहार के हाईवे पर भी गश्त लगाएगी डायल 112 की टीम

सीएम नीतीश कुमार ने 38 वाहनों को किया रवाना

पटना (एजेंसियां)।

अब बिहार के हाईवे पर यातायात व्यवस्था निर्बाध रहे। आपातस्थिति में जल्द से जल्द लोगों तक मदद पहुंचायी जा सके, इसके लिए बिहार सरकार ने कारगर उपाय कर दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग गश्ती वाहनों को इमरजेंसी रिस्पांस स्पोर्ट सिस्टम के डायल-112 जोड़ दिया है। यानी अब डायल 112 की गाड़ी शहर की गलियों में नहीं बल्कि राज्य के नेशनल हाईवे पर भी पेट्रोलिंग करेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार दोपहर 01 अणे मार्ग से सड़क सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने राजमार्ग गश्ती वाहनों के लोकार्पण के पूर्व उसका निरीक्षण किया और उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। बता दें कि इन राष्ट्रीय राजमार्ग गश्ती वाहनों को इमरजेंसी रिस्पांस स्पोर्ट सिस्टम के डायल-112 के सम्बद्ध किया गया है ताकि आपातकालीन परिस्थिति में इन वाहनों को घटनास्थल पर अविलम्ब भेजा जा सके। साथ ही प्रभावी कार्रवाई हेतु इस पर लगे उपकरणों के माध्यम से वाहन अथवा नियंत्रण कक्ष से केन्द्रीकृत समाधान का प्रावधान किया गया है।

कई बार अपराध वारदात को अंजाम देकर एनएच के रास्ते दूसरे जिले या दूसरे राज्य में फरार हो जाते हैं। हाईवे पर गश्ती करने वाली डायल 112 की टीम की नजर इन अपराधियों पर भी रहेगी। इतना ही नहीं किसी बड़े हादसे को अंजाम देने वाले वाहन चालकों पर डायल 112 की टीम पैनी नजर रहेगी। वाहन पर लगे विशेष यंत्र गाड़ियों की स्पीड पर भी निगरानी करेगी।

12 दिसंबर को इंडिगो दरभंगा एयरपोर्ट से भरेगी पहली उड़ान

मिथिला के विकास को मिलेगा बल : संजय झा

दरभंगा (एजेंसियां)।

दिल्ली से दरभंगा और मुम्बई से दरभंगा रूट पर इंडिगो की पहली उड़ान 12 दिसंबर से होने वाली है। इसकी सूचना जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने सोशल मीडिया पर शेयर कर मिथिलांचल के लोगों को बधाई दी है। उन्होंने सोसल मीडिया पर लिखा है कि हमें शेयर करते हुए खुशी है कि दरभंगा से दिल्ली के बीच इंडिगो की प्रतिदिन की उड़ान के लिए आज शाम से बुकिंग शुरू हो जाएगी। पहली उड़ान 12 दिसंबर को होगी। इससे पहले दरभंगा से मुंबई के बीच इंडिगो के उड़ान की बुकिंग शुरू हो चुकी है। दरभंगा एयरपोर्ट से दिल्ली और मुंबई के बीच हवाई यात्रा सुलभ होने से जहां उत्तर बिहार के लाखों लोगों को लाभ होगा। मिथिला के विकास को बल मिलेगा।

दरअसल, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा दरभंगा इंडिगो की उड़ान सेवा शीघ्र बहाल करने को लेकर केंद्रीय नागरिक उदयन मंत्री से बातचीत की थी। साथ ही विमानों के उड़ान भरने के लिए टाइम स्लॉट को दिलवाने का काम किया था। फिलहाल एक दिसंबर के लिए इंडिगो की मुंबई-दरभंगा फ्लाइट का टिकट 6,233 रुपए में उपलब्ध है। वहीं, एक दिसंबर को दरभंगा एयरपोर्ट से मुंबई के लिए 7,115 रुपए में टिकटों की बुकिंग चल रही है। इधर, दरभंगा-दिल्ली रूट के लिए भी इंडिगो को विमानों के परिचालन के लिए स्लॉट मिल गया है। दोनों शहरों के बीच भी एक दिसंबर से रोज विमानों का परिचालन होना है। इसके लिए आज शाम से टिकट की बुकिंग शुरू हो जाएगी।

दरभंगा और मुंबई के बीच इंडिगो की ओर से बुकिंग शुरू हो जाने से यात्रियों में हर्ष है। इस रूट पर फिलहाल केवल स्पाइसजेट के विमान का परिचालन होता है। त्योहारों के समय में टिकटों की कीमत आसमान छूने की वजह से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। एक दिसंबर से दो विमानन कंपनियों की सेवा मिलने से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। दोनों कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा का लाभ यात्रियों को मिलेगा।

दरभंगा एयरपोर्ट से विमानों की संख्या बढ़ने से केवल दरभंगा, मधुबनी व समस्तीपुर के लोगों को ही लाभ नहीं मिलेगा, बल्कि सीमांचल से लेकर नेपाल के तराई इलाके के लोगों की यात्रा भी आसान हो जाएगी। किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, जोगबनी, फारबिसगंज, अररिया आदि जिलों से यात्री दरभंगा एयरपोर्ट पहुंचते हैं। मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी से भी यात्री यहां आते हैं। अंतिम समय में उड़ान रद्द होने की जानकारी मिलने से उन्हें मायूस होना पड़ता था।

रेडीमेड कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

दिवाली के मौके पर सदमें में पीड़ित परिवार

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया जिले के नरकटियागंज नगर के वार्ड-15 स्थित एलुमिनियम मार्केट में बुधवार को एक रेडीमेड कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में लाखों का नुकसान हो गया। दिवाली के त्योहार की तैयारियों के बीच इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। घटना का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसने दुकान के मालिक मंटू प्रसाद गुप्ता और उनके परिवार को गहरे दुख में डाल दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने मंटू प्रसाद गुप्ता के मकान में संचालित उनकी रेडीमेड कपड़े की दुकान को देखते ही देखते अपने लपेटे में ले लिया। दुकान में आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास की दुकानों में भी खलबली मच गई। आसपास के दुकानदारों ने अपने-अपने सामान को तुरंत हटाना शुरू कर दिया, कुछ ने छप्पर काटकर आग को फैलने से रोकने की कोशिश की। दिवाली और छठ की खरीदारी करने आए लोग भी घबराकर इधर-उधर भागने लगे, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना पर दमकल वाहन और पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन बाजार में फैले अतिक्रमण और संकरी गलियों के कारण आग बुझाने में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। डायल 112 पुलिस टीम को भी घटनास्थल पर पहुंचने में काफी दिक्कतें आईं। अनुमान है कि इस अग्निकांड में करीब पांच लाख रुपये के रेडीमेड कपड़े जलकर खाक हो गए।

दुकानदार मंटू प्रसाद गुप्ता और उनका परिवार इस नुकसान से गहरे सदमे में हैं। दिवाली के समय इस हादसे ने पूरे परिवार को मायूस कर दिया है। उनके रिश्तेदारों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह आग उनके त्योहारी सीजन के कारोबार को बर्बाद कर गई है। वहीं, नरकटियागंज थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम और दमकल कर्मियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, दिवाली और छठ के समय बढ़ती भीड़ को देखते हुए दुकानों के आसपास अतिक्रमण और बिजली के तारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस हादसे के बाद प्रशासन ने मार्केट क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और आपातकालीन व्यवस्थाओं में सुधार का वादा किया है।

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, एक कुख्यात को लगी गोली

पटना (एजेंसियां)।

सहरसा में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों ओर से गोलीबारी हुई है। इसमें कुख्यात अपराधी अमित पासवान जख्मी हो गया है। उसके दाएं कंधे में गोली लगी है। सहरसा पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया है। घटना जिले के महिषी थाना क्षेत्र के जलई ओपी क्षेत्र के बीरगांव के समीप पास हुई है। इधर, मुठभेड़ की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया। एसपी ने अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी करने के निर्देश दिए हैं।

बतायाजा रहा है कि अपराधी अमित पासवान अपने सहयोगी के साथ रोड नंबर 17 पर सड़क पर छिनतई की घटना को अंजाम दे रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची और इलाके को घेर लिया। दोनों अपराधियों ने पहले भागने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाया। इसके बाद अपराधियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसमें एक गोली सीधे अमित पासवान को लगी। गोली लगते ही वह घायल होकर गिर गया। पुलिस जब तक वहां पहुंचती तब तक दूसरा अपराधी फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने घायल अपराधी को अस्पताल में भर्ती करवाया।

पुलिस की मानें तो अमित पासवान पर दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। इतना ही नहीं मधेपुरा पुलिस के द्वारा इस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित है। पुलिस अपराधी के द्वारा फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियार को बरामद करने में जुटी है। इधर, स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चली हैं। हालांकि मामले को लेकर पुलिस अभी कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

पटना (एजेंसियां)। बिहारशरीफ में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में दो बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई, जिससे परिजनों में मातम छा गया। यह घटना नगर थानाक्षेत्र के टिकुलीपर स्थित तालाब में हुई, जहां सिक्के निकालने के दौरान यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान नगर थानाक्षेत्र के अम्बेर सिरिस्तर निवासी सुरेंद्र यादव के बेटे शिवम कुमार (11) और लहेरी थानाक्षेत्र के मथुरिया मोहल्ला निवासी सागर पांडे के बेटे आदित्य कुमार (9) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आदित्य अपने ननिहाल टिकुलीपर आया था। परिजनों ने बताया कि बच्चे तालाब के किनारे खेल रहे थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वे पानी में चले गए। पास में मौजूद लोग जब तक उन्हें बाहर निकाल पाते, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्चे तालाब में विसर्जित लक्ष्मी और गणेश प्रतिमाओं के साथ बहाए गए सिक्कों को निकालने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान गहरे पानी में डूबने से उनकी जान चली गई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि टिकुलीपर तालाब का सौंदर्यीकरण स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किया गया था। हालांकि तालाब की गहराई अधिक है और सीढ़ियों को उचित स्तर पर नहीं बनाया गया है, जिससे बच्चों के लिए यह खतरनाक साबित हुआ। इस हादसे के बाद स्थानीय लोग काफी आक्रोशित हो गए और उन्होंने टिकुलीपर के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर जाम को खत्म कराया। नगर थाना अध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। फिर दोनों बच्चों के शवों को तालाब से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। थाना अध्यक्ष ने यह भी बताया कि परिजनों से आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अधिवक्ताओं पर लगातार हो रहे हमलों के विरोध में अधिवक्ता संघ का प्रदर्शन, अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले में अधिवक्ताओं पर लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से क्षुब्ध होकर मंगलवार को सहरसा व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता संघ ने विरोध प्रदर्शन किया।

सुरक्षा की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिसर से समाहरणालय तक पैदल मार्च निकाला। फिर जिला प्रशासन से अधिवक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने के साथ अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदर्शन में अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष सुदेश कुमार सिंह, ओमप्रकाश ठाकुर, लुकमान अली, संजीत कुमार, आदित्य ठाकुर और वेद प्रकाश समेत कई अधिवक्ता शामिल थे। उन्होंने नारेबाजी करते हुए अधिवक्ताओं पर हो रहे हमलों की निंदा की और अपराधियों के बढ़ते मनोबल को लेकर चिंता जताई। अधिवक्ताओं का कहना है कि जिले में अपराधियों का आतंक इस हद तक बढ़ गया है कि वे अधिवक्ताओं पर खुलेआम हमले करने से भी नहीं हिचक रहे।

अधिवक्ताओं ने बताया कि सात जून को अधिवक्ता लीलाधर शर्मा की हत्या हुई, जिसमें अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। 10 अक्तूबर को अपराधियों ने अधिवक्ता एकता झा के निवास में घुसकर हमला किया, लेकिन नाम उजागर होने के बावजूद अभी भी आरोपी फरार हैं। 28 अक्तूबर को अधिवक्ता दुलारचंद शर्मा की गोली मारकर निर्मम हत्या की गई, लेकिन 24 घंटे बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अधिवक्ता संघ ने इन घटनाओं को लेकर जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और अधिवक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन से ठोस कदम उठाने की अपील की है।

अधिवक्ताओं ने अपनी मांगों का लिखित ज्ञापन सहरसा के डीएम को सौंपते हुए चेतावनी दी कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com